आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.55
सूर्यास्त 05.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
- लखनऊ
- बरेली
- कानपुर
- मुरादाबाद
- अयोध्या
- हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष तृतीया 06:25 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

रविवार, 7 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 308, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ सीजेआई का कड़ा संदेश- उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है - 12

■ केंद्रीय वित्त मंत्री बोली- सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार - 12

■ जयशंकर बोले भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर - 13

■ शुभमन गिल को पहले टी-20 मैच में खेलने के लिए मिली हरी झंडी - 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मानवाधिकार समानता की ओर एक कदम व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

ब्रीफ न्यूज

जुबिन मौत मामले की जांच पूरी, 12 को दाखिल होगा आरोप पत्र

गुवाहाटी। गायक जुबिन गर्ग की मौत की जांच लगभग पूरी हो गई है और 12 दिसंबर को आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। जुबिन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि जांच लगभग पूरी हो चुकी है। आरोप पत्र में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।'' जुबिन मौत मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे गुप्ता ने कहा कि अब तक सात गिरफ्तारियां की गई हैं और 300 से अधिक गवाहों से पूछताछ की गई है। उन्होंने कहा कि आरोप पत्र सीआईडी द्वारा 18/2025 संख्या से दर्ज प्राथमिकी में दायर किया जाएगा। सीआईडी ने गर्ग की मौत के बाद राज्य भर में लगभग 60 प्राथमिकी दर्ज होने के बाद यह मामला पंजीकृत किया था।

बीरभूम में हिंसा भड़की टीएमसी नेता की हत्या

कोलकाता। बीरभूम जिले के नानूर के थुपसुरा में टीएमसी के बूथ अध्यक्ष रासबिहारी सरदार (50) की विरोधी गुट ने हत्या कर दी गई। इस हमले में उनके बेटे समेत पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को पुरबा बर्धमान जिले के मंगलकोट में एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्टों के मुताबिक यह घटना तब हुई जब हमलावर और पीड़ित एक गांव के मंदिर में बैठकर समुदाय से जुड़ी समस्याओं पर बात कर रहे थे। बिना किसी चेतावनी के विरोधी गुट ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। सरदार के सिर पर चोट लगी, वे तुरंत गिर गए और उनकी मौत हो गई।

बाउंड्रीवाल व छत्र से सुरक्षित होंगी बाबा साहेब की प्रतिमाएं

- महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा, विरोधी दलों पर निशाना
- संविदा व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मिलेगी न्यूनतम मानदेय की गारंटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जहां भी बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां बाउंड्रीवाल और प्रतिमाओं पर सुरक्षा के लिए छत्र लगाए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि चतुर्थ श्रेणी, संविदा और सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देने की गारंटी सरकार अगले एक-दो महीने के भीतर उपलब्ध करा देगी।

सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कुछ शरारती तत्वों द्वारा प्रतिमाओं को क्षति पहुंचाने की घटनाओं से नाराजगी जताते हुए कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाओं पर छत्र और उनके चारों ओर मजबूत बाउंड्रीवाल बनाकर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। आयोजक आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल की मांग का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि सरकार ने आउटसोर्स सेवा निगम का गठन कर दिया है और अब चतुर्थ श्रेणी, संविदा व सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय देना सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जीरो पॉवर्टी मिशन ते कहत अनुसूचित जाति-जनजाति और अतिपिछड़े गरीबों की पहचान लगभग पूरी हो चुकी है। जिनके पास अभी आवास या आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें घर और पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराया जाएगा। योगी ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक विषमताओं को तोड़कर वंचितों, दलितों और अति पिछड़ों को सम्मानजनक जीवन का मार्ग दिखाया। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं—राशन, आवास, शौचालय, छात्रवृत्ति, पेंशन, आयुष्मान कार्ड संविधान की भावना में निहित न्याय, समता और बंधुता की ही परिणति हैं।

उन्होंने कहा कि हर मलिन बस्ती, दलित और जनजाति क्षेत्र को सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है और जहां भी कमी है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी संपन्नता आज दिखाई देती है, वह बाबा साहेब की प्रेरणा और मोदी सरकार की प्रतिबद्धता से संभव हो रही है। योगी ने भरोसा दिलाया कि कोई भी गरीब, दलित, वंचित या अभावग्रस्त परिवार लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

तुष्टिकरण करने वाले दल कर रहे देश का अहित

मुख्यमंत्री योगी ने मंच से विपक्षी दलों पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले दल भारत का अहित कर रहे हैं और बाबा साहेब के आदर्शों का भी अपमान कर रहे हैं। उन्होंने ने एक ऐतिहासिक प्रसंग का हवाला देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने स्वयं चेताया था कि जो लोग भारत भूमि को पवित्र नहीं मानते, उनके विचार देशहित में नहीं हो सकते।

एसआईआर में दी गलत जानकारी, रिपोर्ट

रामपुर। एसआईआर में गलत जानकारी देने के आरोप में एक महिला और विदेश में रहने वाले उसके दो बेटों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

विधानसभा क्षेत्र 37 की भाग संख्या 237 से 248 तक के सुपरवाइजर दिनेश कुमार हैं। बीएलओ द्वारा फॉर्म का डिजिटाइजेशन करने पर फर्जीवाड़े का मामला सामने आया कि भाग संख्या 248 की क्रम संख्या 646 पर दर्ज आमिर पुत्र मुश्ताक हुसैन और क्रम संख्या 648 पर दर्ज दानिश खां पुत्र मुश्ताक हुसैन के गणना प्रपत्रों पर इनकी माता नूरजहां द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। स्थलीय जांच में पाया गया कि दोनों कुवैत में रहते हैं। तीनों ने जानबूझकर छलकपटपूर्वक तथ्यों को छिपाकर धोखाधड़ी की।

सरकार सख्त : अधिकतम किराया 18 हजार तय, इंडिगो को नोटिस

800 से अधिक उड़ानें और रद्द, नियामक ने 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा

मुंबई/नई दिल्ली, एजेंसियां

घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने अपने मौजूदा संकट के पांचवें दिन शनिवार को 800 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। इस बीच सरकार ने हवाई किरायों की अधिकतम सीमा तय कर दी है और एयरलाइन को रविवार शाम तक सभी रिफंड प्रक्रिया को पूरा करने का आदेश दिया है। सरकार ने अधिकतम किराया 18 हजार रुपये तय किया है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को फ्लाइट देरी, रद्द होने और ऑपरेशनल चूक पर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नियामक ने 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है, वरना दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है। मंत्रालय ने भी जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई के संकेत दिए हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार लगातार पांचवें दिन उड़ानों में व्यवधान जारी रहने के बीच नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स के साथ स्थिति की समीक्षा करने और मुद्दों का समाधान करने के लिए एक अहम बैठक की। नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार शुक्रवार को छह महानगरों के हवाईअड्डों से इंडिगो की समय पर उड़ान संचालन दर घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई। मंत्रालय ने शनिवार को एयरलाइन को निर्देश दिया कि रद्द उड़ानों के टिकटों का रिफंड रविवार शाम तक करे और यात्रियों के सामान अगले दो दिनों के भीतर उनके पास पहुंचाए जाएं। एयरलाइन ने शुक्रवार को 1,000 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि रद्द या बाधित उड़ानों के रिफंड की प्रक्रिया रविवार रात आठ बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि रद्दीकरण से प्रभावित यात्रियों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं वसूला जाएगा। इंडिगो को एक विशेष यात्री सहायता और रिफंड सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने के लिए भी कहा गया है। मंत्रालय ने कहा कि उड़ान रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए उनके सभी सामान 48 घंटों के भीतर खोजकर यात्रियों को भेजे जाने चाहिए। शनिवार को रद्द की गई उड़ानों की संख्या 850 से कम रही।

लखनऊ में चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर इंडिगो के काउंटर पर लगी भीड़। अमृत विचार

तीन दिन में 89 विशेष ट्रेन सेवाएं

नई दिल्ली। रेलवे ने निजी विमानन कंपनी इंडिगो की उड़ानों रद्द होने के कारण देशभर में फंसे यात्रियों की सहूलियत के लिए अगले तीन दिन तक 89 विशेष ट्रेन सेवा चलाने का फैसला किया है। रेलवे ने शनिवार को बताया कि दिल्ली, मुंबई, हावड़ा, हैदराबाद और पुणे जैसे बड़े शहरों में फंसे यात्रियों की सुविधा के लिए यह कदम उठाया गया है। रेलवे के अनुसार मध्य रेलवे यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 14 स्पेशल ट्रेन सेवाएं चलाएगा।

500 किमी तक के लिए 7500 रुपये

नई सीमा के अनुसार 500 किलोमीटर तक की उड़ान के लिए किराया 7,500 रुपये तक सीमित होगा। इसके बाद 500 से 1,000 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए टिकट की अधिकतम कीमत 12,000 रुपये होगी। इसके आगे 1,000 से 1,500 किलोमीटर के लिए अधिकतम किराया 15,000 रुपये होगा और 1,500 किलोमीटर से अधिक दूरी वाली उड़ानों के लिए सीमा 18,000 रुपये होगी। मंत्रालय ने कहा कि ये सीमाएं स्थिति सामान्य होने तक लागू रहेंगी।

हिसाब बराबर

भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 2-1 से जीत ली। इसी के साथ टेस्ट श्रृंखला में मिली हार का बदला ले लिया। विशाखापटनम में शनिवार को कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा ने 4-4 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को 270 पर समेट दिया। इसके बाद रोहित शर्मा (75) के साथ लक्ष्य का पीछा करते हुए प्लेयर ऑफ द मैच यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) ने शतकीय पारी खेली। विराट कोहली (65) को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। (विस्तृत खेल पेज पर)

टीएमसी के निलंबित विधायक ने मुर्शिदाबाद में बाबरी जैसी मस्जिद की नींव रखी

- केंद्रीय बलों की रही तैनाती, सऊदी अरब के धार्मिक नेता मंच पर मौजूद रहे
- कबीर ने मंच से कई बार कहा - प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा

बहरमपुर, एजेंसी

टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी। आरएएफ और केंद्रीय बलों की भारी तैनाती के बीच, कबीर ने मौलवियों के साथ, रेजिनगर में एक विशाल मंच पर औपचारिक फीता काटा, जबकि वास्तविक मस्जिद निर्माण स्थल आयोजन स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर था। वहां मौजूद लोगों में से कई प्रतीकात्मक रूप से अपने सिर पर ईंट लिए हुए थे। यह कार्यक्रम छह दिसंबर को निर्धारित किया गया था, जिस दिन 1992 में उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी।

आयोजन के तिथि चयन को लेकर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आई। न केवल रेजिनगर में, बल्कि निकटवर्ती बेलडांगा क्षेत्र में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई, जिसे प्रशासन ने भीड़ बढ़ने और तनाव बढ़ने की आशंका के मद्देनजर प्रभावी रूप से उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में तब्दील कर दिया था। कबीर को तृणमूल कांग्रेस ने सांप्रदायिक राजनीति में शामिल होने के आरोप में इस हफ्ते की शुरुआत में निलंबित कर दिया था। कबीर ने कार्यक्रम के मंच से कई बार कहा कि प्रस्तावित ढांचा किसी भी कीमत पर बनकर रहेगा। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं कुछ भी असंवैधानिक नहीं कर रहा हूं। उपासना स्थल बनाना एक संवैधानिक अधिकार है। बाबरी मस्जिद जरूर बनेगी। कबीर ने दावा किया कि इस परियोजना में किसी भी वित्तीय बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

आज गीता पाठ, 5 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद

कोलकाता। कोलकाता में रविवार को 'हिंदुओं के आध्यात्मिक जागरण' के लिए भगवद् गीता का पाठ आयोजित किया गया है जिसमें करीब पांच लाख श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजक सनातन संस्कृति संसद के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के भी 'एक साथ पांच लाख गीता पाठ' नामक कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद है। प्रवक्ता ने बताया कि रामदेव, धार्मिक गुरु धीरेन्द्र शास्त्री और कार्तिक महाराज इस अवसर पर मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे और गीता पाठ में हिस्सा लेंगे।

नीट पीजी अभ्यर्थी अपने ही संस्थान में होंगे सीनियर रेजिडेंट

- काउंसिलिंग तक प्रभावी रहेगी व्यवस्था सेवा अवधि होगी बांड में शामिल
- पीजी पूरी करते ही सीनियर रेज़िडेंट पदों पर होगी त्वरित तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेजों से परास्नातक कर रहे नीट पीजी 2022 (एमडी-एमएस) तथा नीट पीजी 2023 (डिप्लोमा) अभ्यर्थियों के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। ऐसे अभ्यर्थियों को फिलहाल अपने-अपने संस्थान में ही बतौर सीनियर रेज़िडेंट सेवाएं देनी होंगी।

यह सुविधा 29 जनवरी से प्रस्तावित नीट पीजी 2025 की ऑन लाइन काउंसिलिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्ति तक प्रभावी रहेगी। यह निर्देश चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय ने सभी चिकित्सा विश्वविद्यालयों, चिकित्सा संस्थानों और राजकीय मेडिकल कॉलेजों को भेज दिया है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय के अपर निदेशक आलोक कुमार ने बताया कि यह व्यवस्था 29 जनवरी से प्रस्तावित नीट पीजी-2025 की ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से होने वाली नियुक्ति तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि के दौरान दी गई सेवा को दो वर्ष की अनिवार्य सेवा बांड में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन पीजी अभ्यर्थियों का अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित हो चुका है और वे उत्तीर्ण हैं। उन्हें रोगीहित व छात्रहित में तुरंत प्रभाव से अपने संस्थान में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत सीनियर रेज़िडेंट के रूप में नियुक्त किया जाएगा। साथ ही स्पष्ट किया कि यह नियुक्ति अस्थायी होगी और सभी पात्र अभ्यर्थियों का चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय द्वारा आयोजित काउंसिलिंग में सम्मिलित होना अनिवार्य है। काउंसिलिंग के बाद होने वाली अंतिम नियुक्ति उसी के आधार पर मान्य होगी। अभ्यर्थियों द्वारा इस अवधि में दी गई सेवाओं को अनिवार्य सरकारी सेवा बांड में जोड़ा जाएगा, जिससे मेडिकल कॉलेजों में मानव संसाधन की उपलब्धता में भी मदद मिलेगी।

एससीआर के ब्लूप्रिंट को सरकार देगी हरी झंडी

- 380 पन्नों के ब्लूप्रिंट पर मंथन अंतिम दौर में, छह विभागों ने दी योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राजधानी लखनऊ और उसके आसपास के जिलों के तेज एवं संतुलित विकास के लिए तैयार किया जा रहा स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) अब अंतिम चरण में पहुंच गया है।

नगर विकास विभाग को सौंपे गए 380 पन्नों के ब्लूप्रिंट को शासन स्तर पर हरी झंडी मिलने वाली है। छह विभाग नगर विकास, आवास विकास, औद्योगिक विकास, परिवहन, पीडब्ल्यूडी और गृह विभाग ने अपने-अपने हिस्से की योजनाएं रिपोर्ट में शामिल कर दी हैं। सरकार का लक्ष्य है कि एनसीआर की तर्ज पर राजधानी क्षेत्र के विकास को एक इकाई के रूप में आगे बढ़ाया जाए।

एससीआर में लखनऊ के साथ बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर और हरदोई को शामिल किया गया है। करीब 27,800 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल और 2.29 करोड़ की आबादी वाले इस रीजन के लिए एक अलग राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एससीआरडीए) पहले ही गठित किया जा चुका है, जिसमें मुख्यमंत्री अध्यक्ष और मुख्य सचिव उपाध्यक्ष हैं। छहों जिलों के डीएम और संबंधित विकास प्राधिकरण इसके सदस्य हैं। 380 पन्नों की रिपोर्ट में 2047 तक के लिए रीजन का विज़न तय किया गया है। नगर विकास और आवास विकास विभाग ने समेकित मास्टर प्लान, ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी), नई टाउनशिप, सस्ते आवास और स्लम रिडेवलपमेंट को प्रमुखता दी है।

विकास | प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था

...तब हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ कहने वाले अब खामोश क्यों : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि के आंकड़े उन बुनियादी परिवर्तनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो देश में पिछले 10 साल में हुए हैं, और यह दर्शाता है कि भारत दुनिया की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बन गया है।

मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुछ दिन पहले जारी दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों का उल्लेख किया जिनमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े प्रगति की नयी गति को दर्शाते हैं। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति का मॉडल बनकर उभरा है।

> जीडीपी की 8.2 प्रतिशत की वृद्धि प्रगति की नयी गति को दर्शाती है। ये आंकड़े ऐसे समय में आये हैं जब वैश्विक वृद्धि दर लगभग तीन प्रतिशत और जी-7 देशों की वृद्धि औसत डेढ़ प्रतिशत के आसपास है। भारत की आर्थिक वृद्धि के ताजा आंकड़े एक दशक के सुधारों का परिणाम हैं।

आज चर्चा होती है कम मुद्रास्फीति की

मोदी ने याद किया कि एक समय अर्थशास्त्री ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर चिंतित रहते थे, लेकिन आज वही अर्थशास्त्री देश की कम मुद्रास्फीति की चर्चा करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की उपलब्धियां साधारण नहीं हैं, और न ही वे केवल आंकड़ों की बात हैं, बल्कि वे उस बुनियादी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो देश में पिछले दशक में आया है। इस परिवर्तन में विश्वास की नींव आज किये जा रहे कार्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज के सुधार और आज का प्रदर्शन कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि भारत की एक बड़ी क्षमता लंबे समय तक अप्रयुक्त रही। जब इस अप्रयुक्त क्षमता को अधिक अवसर मिलते हैं, और जब यह बिना बाधा देश के विकास में पूरा योगदान देती है, तो देश का परिवर्तन निश्चित है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इतनी तेज वृद्धि के बावजूद आज कोई इसे हिंदू रेट ऑफ ग्रोथ नहीं कहता। यह शब्द तब इस्तेमाल होता था, जब भारत दो-तीन प्रतिशत की वृद्धि के लिए संघर्ष करता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी देश की आर्थिक वृद्धि को उसके धर्म या लोगों की पहचान से जोड़ना क्या अनजाने में हो सकता है? यह उपनिवेशी मानसिकता का ही प्रतीक था। इसमें पूरे समाज और परंपरा को अकर्मण्यता और गरीबी से जोड़ने की कोशिश की गयी। उपनिवेश काल में भी भारत हथियारों का बड़ा उत्पादक था, ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों का विस्तृत नेटवर्क था, और भारत हथियारों का निर्यात करता था। लेकिन स्वतंत्रता के बाद रक्षा निर्माण प्रणाली ध्वस्त कर दी गयी। उपनिवेशी मानसिकता के कारण सरकार ने भारत में बने हथियारों को महत्व नहीं दिया, और भारत दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में शामिल हो गया।

उन्होंने कहा कि भारत सदियों तक जहाज निर्माण का प्रमुख केंद्र रहा था। पहले भारत के 40 प्रतिशत व्यापार का परिवहन भारतीय जहाजों से होता था। लेकिन विदेशी जहाजों को प्राथमिकता दी गयी, और परिणामस्वरूप आज भारत अपने 95 प्रतिशत व्यापार के लिए विदेशी जहाजों पर निर्भर है प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्र को हर क्षेत्र में उपनिवेशी मानसिकता से पूरी तरह मुक्त होना है।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 7 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाबा साहेब के सपनों को साकार किया : केशव

अमृत विचार, लखनऊ : उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें विनम्र व आत्मिक श्रद्धांजलि अर्पित की है। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को कालिदास मार्ग स्थित अपने कार्यालय पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहब के सपनों को केंद्र एवं प्रदेश, दोनों सरकारें मिलकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूलमंत्र के साथ साकार किया जा रहा है। डबल इंजन सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिसके द्वारा सभी गरीबों के हित के कार्य हो रहे हैं तथा चहुंमुखी विकास हो रहा है।

किसान पाठशालाओं में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे नवीन नवाचारों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके लिए उन्होंने रबी सत्र 2025-26 के लिए आयोजित होने वाली किसान पाठशालाओं में किसानों से अधिकाधिक भागीदारी करने की अपील की है। कृषि मंत्री ने बताया कि कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद जिला स्तरीय ट्रेनर्स प्रशिक्षण 9 से 10 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर दो दिवसीय किसान पाठशालाएं 12 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर में आयोजित की जाएंगी।

शहद उत्पादक क्षेत्रों का किया दौरा

अमृत विचार, लखनऊ : न्यूजीलैंड कृषि मंत्रालय के मैनेजर ट्रेड प्लान इम्प्लीमेंटेशन एशन जयवर्धने तथा एपीडा के प्रतिनिधि संदीप साहा ने उप्र. के प्रमुख शहद उत्पादक जिलों लखनऊ, बाराबंकी और रायबरेली का दौरा किया है, यह निरीक्षण एपीडा और न्यूजीलैंड के मध्य कृषि एवं शहद उत्पादकता साझेदारी कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित हुआ है। निदेशक उद्यान बीपी राम ने शनिवार को बताया कि बाराबंकी के देवा रोड स्थित फतेहपुर रजौली गांव में निमित सिंह की शहद उत्पादन यूनिट, लखनऊ के गोसाईगंज क्षेत्र में मधुमक्खी पालक बृजेश कुमार वर्मा की यूनिट व रायबरेली में प्रतिनिधिमंडल ने शिवगढ़ स्थित राजकीय औद्यानिक प्रक्षेत्र में निर्माणाधीन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हनी का निरीक्षण किया।

45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती जल्द : मुख्यमंत्री

उप्र. होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर कई घोषणाएं, थानों में बनेगा आरक्षित रूम व कैशलेस हेल्थ बीमा का प्रस्ताव मांगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित होमगार्ड्स की पहचान : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि होमगार्डों के लिए सेवा, अनुशासन और राष्ट्रहित ही सर्वोच्च पहचान है। योगी ने थानों में होमगार्ड के आरक्षित रूम की घोषणा करते हुए कैशलेस हेल्थ बीमा की सुविधा देने के लिए प्रस्ताव भी मांगा।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर भव्य रैतिक परेड की सलामी लेने के बाद बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस बल में 2 लाख 19 हजार से अधिक कार्मिकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। वर्तमान में 45 हजार होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। इसमें प्राथमिकता यह है कि प्रत्येक जवान को उसके ही जनपद में नियुक्ति मिले। आपदा प्रबंधन की ट्रेनिंग लेकर फर्स्ट रिस्पॉन्स पर्सन के रूप में जवान राहत कार्यों में योगदान दे सकें। इस प्रक्रिया को पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

इन अधिकारियों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उप्र. होमगार्ड्स के स्थापना दिवस पर उन अधिकारियों-कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्हें स्वतंत्रता दिवस 2024 पर महामहिम राष्ट्रपति द्वारा विशिष्ट व सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पदक दिया गया। इसमें विनय कुमार मिश्र, घनश्याम चतुर्वेदी, विनोद कुमार यादव, विवेक कुमार सिंह, पीयूष कांत, राजकुमार आजाद, संजय कुमार सिंह, वेदपाल सिंह, शिव कुमार वर्मा, कमलेश चंद गौतम, विजय विक्रम वर्मा, मो. अरशद हुसैन, कृपाल सिंह व महेश प्रसाद शामिल रहे।

उत्तर प्रदेश होमगार्ड के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

उन्होंने जवानों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए घोषणा की कि प्रदेश के सभी थानों में होमगार्ड जवानों के लिए एक आरक्षित कमरा उपलब्ध कराया जाएगा, जहां वे यूनिफॉर्म और आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित रख सकेंगे। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि होमगार्ड जवानों के लिए आयुष्मान भारत की तरह कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा लागू करने का प्रस्ताव तैयार कर भेजें। सरकार इसे आगे बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में विशिष्ट सेवा के लिए 3 और सराहनीय सेवा के लिए 11 जवानों को राष्ट्रपति पदक मिला है। 2025 में भी 3 जवानों को सराहनीय सेवा पदक प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले होमगार्ड की उपेक्षा होती थी, लेकिन अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिल रहा है। योगी ने बताया कि विभाग होमगार्ड मित्र ऐप और वेबसाइट के माध्यम से कार्यों को डिजिटल और पारदर्शी बना रहा है। कोविड काल में श्रमिकों को सुरक्षित लाने में होमगार्ड की भूमिका को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी निष्ठा अमूल्य है। सरकार द्वारा अब तक 2871 दिवंगत जवानों के परिवारों को 143 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि दैनिक व प्रशिक्षण भत्तों में वृद्धि की गई है। अंतर-जनपदीय भत्ते को चार गुना किया गया है। 44 कार्यालय अपने भवनों में संचालित हो रहे हैं, जबकि कई नए भवनों और आवासीय परिसरों का निर्माण जारी है। दुर्घटना में दिवंगत जवानों के आश्रितों को 35-40 लाख रुपये तक की बीमा सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री धर्मवीर प्रजापति, प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिंह, महानिदेशक एमके बशाल सहित पुलिस और होमगार्ड के अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

तीन और सचिवालय अधिकारी कार्यमुक्त

अमृत विचार, लखनऊ : सचिवालय प्रशासन विभाग ने तबादला आदेश का पालन न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखते हुए सचिवालय सेवा के तीन और अधिकारियों को स्वतः कार्यमुक्त कर दिया। ये अधिकारी तबादला आदेश जारी होने के बावजूद अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर रहे थे।

- तबादला आदेश न मानने वालों पर सचिवालय प्रशासन विभाग की सख्ती

विभाग ने तीन दिसंबर को भी इसी आधार पर 11 अधिकारियों को कार्यमुक्त किया था। इस तरह तीन दिनों में कुल 14 अधिकारियों पर कार्रवाई की जा चुकी है। विभाग की लगातार सख्त कार्रवाई साफ संकेत देती है कि शासन तबादला आदेशों की अवहेलना को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा। सचिवालय प्रशासन विभाग ने नियमों के अनुसार उनकी पुरानी तैनाती समाप्त कर दी। इस कार्रवाई के बाद सचिवालय सेवा में सक्रियता बढ़ने और लंबित तबादलों के अनुपालन की गति तेज होने की संभावना है।

बहुजन समाज के 'अच्छे दिन' कब आएंगे : मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने डॉ. आंबेडकर को परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने भारतरत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपरोक्ष रूप से केंद्र सरकार से सवाल करते हुए कहा कि संविधान के मानवतावादी और कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप बहुजन समाज के आत्म-सम्मान और स्वाभिमान वाले "अच्छे दिन" कब आएंगे।

बसपा प्रमुख ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अब तक बहुजन समाज को वह सम्मान नहीं मिल सका, जिसकी अपेक्षा थी। यही कारण है कि देश का बहुजन समाज शासक वर्ग बनने के लिए संघर्षरत है, जबकि उन्हें रोकने के लिए लगातार हर प्रकार के हथकंडे और साजिशें की जा रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बसपा इन चुनौतियों का डटकर मुकाबला करती रहेगी।

लखनऊ : अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, साथ में अन्य पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

रुपये के भारी अवमूल्यन की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए मायावती ने कहा कि यह मामला केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और देशहित से जुड़ा बड़ा मुद्दा है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि आर्थिक सलाहकारों पर निर्भर रहने के बजाय इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए इसके समाधान के ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने देशभर में डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों द्वारा दी गई श्रद्धांजलि के लिए विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के लोगों का आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि देश के करोड़ों दलित, शोषित, पीड़ित बहुजन समाज के लिए बाबा साहेब सदैव प्रेरणा स्रोत रहेंगे।

गंगा एक्सप्रेस-वे का जनवरी में लोकार्पण कर सकते पीएम मोदी

मेरठ से प्रयागराज का सफर सिर्फ 6 घंटे में होगा तय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। प्रदेश की सबसे लंबी हाई-स्पीड सड़क परियोजना अपने निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ से प्रयागराज की यात्रा को न सिर्फ सुगम बनाएगा, बल्कि समय भी लगभग आधा कर देगा। परियोजना के पूरी तरह तैयार होने के बाद यात्रियों को मेरठ से प्रयागराज की दूरी केवल 6 घंटे में तय करने की सुविधा मिलेगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनवरी माह में कर सकते हैं। राज्य सरकार इसे यूपी के बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मान रही है। छह लेन वाले इस एक्सप्रेस-वे का भविष्य में आठ लेन तक विस्तार संभव है। यह मार्ग मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, शाहजहांपुर, हरदोई से होता हुआ प्रयागराज तक पहुंचेगा।

एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से प्रदेश में कनेक्टिविटी का नया युग प्रारंभ होगा। तेज गति से यात्रा करने की सुविधा मिलने से न सिर्फ लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि माल ढुलाई, औद्योगिक गतिविधियों और व्यापार पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सरकार का अनुमान है कि सड़क परिवहन की सुविधा बेहतर होने से निवेश बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

परियोजना धार्मिक और पर्यटन दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रयागराज, काशी और मेरठ जैसे प्रमुख शहरों की पहुंच आसान होने से तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है। गंगा एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में पूर्व से पश्चिम तक तेज, सुरक्षित और सीधे संपर्क का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग बनने जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परियोजना से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

लखनऊ : कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते पार्टी नेता प्रमोद तिवारी, विधायक आराधना मिश्रा, सांसद तनुज पुनिया व अन्य।

बीएलए का सहयोग लें बीएलओ : रिणवा

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि बीएलओ को चिन्हित अनुपस्थित, शिफ्टेड तथा मृत मतदाताओं का एक बार पुनः अपने स्तर पर गहन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं, साथ ही इस कार्य में राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए का पूर्ण सहयोग लेने को भी कहा गया है। शनिवार को उन्होंने अपील की है कि राजनीतिक दल भी बूथों पर नियुक्त बीएलए को अपने स्तर से सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, जिससे प्रदेश की आलेख्य मतदाता सूची में पात्र मतदाताओं के नाम दर्ज हो सकें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक प्रदेश में 34 विधानसभा क्षेत्रों में तथा 91,441 बूथों पर शत प्रतिशत कार्य बीएलओ द्वारा पूर्ण कर लिया गया है।

संविधान बचाने को आंदोलन की जरूरत : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ : डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर अटल चौराहे पर स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल। अमृत विचार

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि लोकतंत्र के लिए सबसे दुखद बात ये है कि संसद में संविधान को बचाने पर बहस हो रही है, जबकि संविधान के हिसाब से देश को आगे बढ़ाने की चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान को बचाने के लिए एक और करो या मरो आंदोलन की जरूरत है। सपा प्रमुख ने शनिवार को परिनिर्वाण दिवस पर डॉ.भीमराव आंबेडकर को याद करते हुए जारी बयान में कहा कि जो संविधान को कमजोर करना चाहते हैं, वो लोकतंत्र को कमजोर करना चाहते हैं।

सपा मुख्यालय में डॉ.आंबेडकर को अर्पित किए गए श्रद्धासुमन : संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को पार्टी मुख्यालय सहित सभी जिला कार्यालयों में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राज्य मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। हजरतगंज स्थित डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

आईएएस कामिनी रतन को राज्य कर विभाग की कमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कामिनी चौहान रतन

अमृत विचार: केंद्र प्रतिनियुक्ति से यूपी लौटने के बाद वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कामिनी चौहान रतन को राज्य सरकार ने प्रमुख सचिव, राज्य कर के पद पर तैनाती दे दी है। 1997 बैच की अधिकारी कामिनी रतन चौहान ने एम. देवराज से पदभार ग्रहण कर लिया है। अब एम. देवराज केवल नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग संभालेंगे।

कामिनी चौहान रतन यूपी की प्रशासनिक सेवाओं में तेज-तर्रार, और साफ-सुथरी छवि के लिए जानी जाती हैं। मेरठ की पहली महिला डीएम रह चुकीं कामिनी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के पद पर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुकी हैं। राज्य कर विभाग में उनकी तैनाती ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में अधिकारियों-कर्मचारियों की अनियमितता, जीएसटी रिफंड और असेसमेंट में लापरवाही से जुड़े कई मामले उजागर हुए हैं। एम. देवराज के कार्यकाल में कई बार अधिकारियों ने उन पर कड़े रुख और दबाव बनाने की शिकायतें भी दर्ज कराई थीं। ऐसे में नई प्रमुख सचिव के सामने सिस्टम को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना बड़ी चुनौती होगी।

अगवा करने आए बदमाशों से हुई मुठभेड़, एक घायल, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देवरिया के सलेमपुर महदहां पुल के पास एसटीएफ से मुठभेड़ दोनों तरफ से की गई फायरिंग

अमृत विचार : देवरिया के सलेमपुर महदहां पुल के पास एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। दोनों तरफ की फायरिंग में एक बदमाश घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी दबोच लिए गए। इस दौरान चार अन्य बदमाश कार से फरार होने में सफल रहे। आरोपी सलेमपुर कस्बे के तीन व्यापारियों के अपहरण की योजना बना रहे थे। घायल बदमाश हिमांशु यादव मऊ का रहने वाला है, जबकि उसके साथियों में एक देवरिया और दूसरा मऊ का निवासी है।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी डीके शाही ने बताया कि मऊ जिले का कुख्यात बदमाश हिमांशु यादव उर्फ गोविंद यादव देवरिया, कुशीनगर, मऊ और गाजीपुर में लूट समेत कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है। गिरोह ने राजस्थान में भी बड़ी लूट की थी। यह गिरोह बड़े व्यापारियों का अपहरण कर उन्हें नेपाल ले जाकर फिरौती वसूलता है। डिप्टी एसपी के अनुसार, गिरोह ने हाल ही में ईंट भट्ठा मालिक राजकमल तिवारी, उनके भाई युवराज तिवारी और होटल व्यापारी चुन्नू तिवारी का अपहरण कर फिरौती मांगने की योजना बनाई थी।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी धर्मेश शाही ने बताया कि शुक्रवार की रात गिरोह के सलेमपुर कस्बे में आने की सूचना मिलने पर एसटीएफ ने घेराबंदी की थी। आधी रात को महदहां चौराहे पर बुलेट और कार सवार संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस को देख हिमांशु यादव ने दोनों हाथों से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में हिमांशु के पैर में गोली लगी और वह गिर पड़ा। मौके पर मऊ निवासी मंजीत यादव और महुआडीह क्षेत्र के बरांव निवासी नीतेश यादव भी थे। तीनों को पुलिस ने पकड़ लिया, जबकि कार सवार चार बदमाश फरार हो गए।

फर्जीवाड़ा तीन वर्ष में सात मदरसों में सिर्फ एक की मान्यता हुई रद्द, बाकी पा रहे सरकारी अनुदान

मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की रही विशेष कृपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 35 मदरसों ने ग्राम पंचायतों की जमीन पर कब्जा कर बनवा लिया भवन

अमृत विचार : मानकविहीन मदरसों पर पूर्व रजिस्ट्रार की विशेष कृपा रही है। शासन ने मार्च 2022 में प्रदेश के सात मदरसों के मानक पूरे न होने के कारण अनुदान वापस लेने की संस्तुति की थी। आदेश के डेढ़ वर्ष बाद मदरसा बोर्ड ने सिर्फ एक के खिलाफ कार्रवाई की। वहीं बचे हुए छह मदरसों को करोड़ों रुपये का सरकारी अनुदान दिया जा रहा है। बोर्ड ने सिर्फ संतकबीरनगर के दारुल उलूम अहले सुन्नत फैजुल इस्लाम नाम के मदरसे की मान्यता निलंबित की है। जांच में सामने आया कि 35 मदरसे ऐसे हैं, जिन्होंने ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों पर कब्जा कर भवन बनवा लिये। वहीं, कुछ के मानक अधूरे हैं। कार्रवाई के लिए तीन बार का समय भी दिया गया था। कुछ दिन बाद 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद मदरसों की जांच का आदेश दिया गया। वर्ष 2017 में प्रदेश के ऐसे सभी अनुदानित मदरसे जो सरकारी फंड पा रहे थे। शासन द्वारा उनके मानक को जांचने के निर्देश सभी जिलों में जिलाधिकारियों को भेजे गए। लगभग आठ महीने में जिलों से रिपोर्ट आई। जांच में सामने आया कि पूरे प्रदेश में लगभग 35 मदरसे ऐसे हैं, जो या तो ग्राम पंचायत की सरकारी जमीनों को कब्जा करके बनाए गए हैं। कुछ मदरसा मानक को पूरा ही नहीं करते हैं। शासन द्वारा इन सभी मदरसों को मानक पूरा करने के लिए उन्हें तीन बार का समय भी दिया गया। कुछ समय बीतने के बाद लगभग 25 मदरसों ने मानक पूरा होने का लिखित शपथ पत्र दिया। सरकार ने इन शपथ पत्रों के आधार पर संबंधित मंडलों के मंडलायुक्तों से दोबारा जांच कराने का निर्णय लिया। वर्ष 2021 में सभी मंडलायुक्तों की ओर से जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई, जिसमें सात मदरसे मानकविहीन पाए गए। जिसमें से कुछ सरकारी जमीनों पर कई साल से अवैध कब्जा करके चला रहे थे। इन मंडलों के मंडलयुक्तों ने प्रदेश के कुल सात मदरसों की मान्यता समाप्त करने की संस्तुति की।

मदरसों को दी गई खुली छूट

मंडलायुक्तों की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने 25 मार्च, 2022 को सात अनुदानित मदरसों की मान्यता समाप्त करने का लिखित आदेश जारी किया गया। इस आदेश का अनुपालन कराने के लिए तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड ने सभी सातों मदरसों को नोटिस जारी की। मदरसा बोर्ड नोटिस जारी होते ही इन मदरसों में हड़कंप मच गया। मदरसा माफिया नोटिस को दबवाने के लिए सक्रिय हो गए। इन सात मदरसों में दो मदरसे तो प्रयागराज से थे। जिसकी नोटिस वहां के तत्कालीन उपनिदेशक जगमोहन सिंह बिष्ट के माध्यम से तामील कराई गई थी। सूत्रों की मानें तो इन मदरसों ने मिलकर प्रयागराज में इन्हीं सात मदरसों में से एक मदरसे रहमते निस्वां, अकबरपुर प्रयागराज के प्रबंधक के घर पर बैठक की। जिसमें खुद पूर्व रजिस्ट्रार मौजूद थे। इसी गिरोह ने उपनिदेशक जगमोहन बिष्ट को मदरसा बोर्ड का रजिस्ट्रार बनवाने का ठेका लिया। एक आईएएस की मदद से रजिस्ट्रार के पद पर आसीन कराया। इसके बाद इन मदरसों को खुली छूट मिल गई। साथ ही सरकार की तरफ दिये जाने वाला करोड़ों रुपये का अनुदान खुलेआम दिये जाने लगा। इन मदरसों से मानक के बारे में कोई सवाल-जवाब नहीं किया गया। करीब एक वर्ष तक इस मामले को पूर्व रजिस्ट्रार ने दबाये रखा।

न्यूज ब्रीफ

युवक को मरणासन्न कर लूटी बाइक

अमृत विचार, लखनऊ : चिनहट के हरदासी खेड़ा में दो युवकों ने युवक को बेरहमी से पीटा। मरणासन्न कर बाइक, मोबाइल, रुपये व ब्रेसलेट लूट लिया। घायल को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंदिरानगर के तकरोही निवासी नरेंद्र ने बताया कि 28 नवंबर को बेटा रिषभ बाइक से कुछ काम से हरदासी खेड़ा गया था। शाम 7 :30 बजे वहां पहले से मौजूद अमित ने अपने दोस्त के साथ बेटे को पीटना शुरू कर दिया। रिषभ को मरणासन्न कर आरोपी उसकी बाइक, मोबाइल, इयर पैड, 2400 रुपये और ब्रेसलेट लूटकर भाग निकले। बेटे का नहर किनारे पड़ा देख राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने बेटे के पास से मिले दस्तावेजों के जरिये घरवालों को सूचना दी। घरवालों ने बेटे का अस्पताल में भर्ती कराया। हालत में सुधार होने के बाद नरेंद्र ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि रिषभ की बाइक बरामद कर ली गई है। आरोपियों कि गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं।

दुष्कर्म के आरोपी ने की शादी, फिर पीटा

अमृत विचार , लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज दुष्कर्म के मामले से बचने के लिए आरोपी बिल्डर ने प्रेमिका से मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद घर चलने का दबाव बनाया तो पीड़िता को आरोपी के परिजन ने घर बुलाकर पीटा। आरोप है कि बचाव में पहुंची पीड़िता की मां को भी पीटा गया। दोनों को जान से मारने की धमकी भी दी गई है। पीड़िता ने चिनहट में रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने बताया कि चिनहट के अशरफ विहार कालोनी निवासी सतपाल सिंह ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण किया। इस बीच उसका गर्भपात भी कराया गया। शादी का दबाव बनाने पर उसके साथ मारपीट की। पीड़िता ने 16 मार्च को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, गर्भपात समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी। जेल जाने से बचने के लिए आरोपी ने पीड़िता से 28 मई को अलीगंज स्थित एक मंदिर में शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता घर ले चलने का दबाव बना रही थी, लेकिन आरोपी उसे घर नहीं ले जा रहा था। पीड़िता ने बताया कि जब उसने खुद घर जाने की बात कही तो आरोपी ने 2 दिसंबर को घर बुलाया। इसके चलते पीड़िता अपनी मां के साथ आरोपी सतपाल सिंह के घर पहुंची। आरोप है कि वहां सतपाल के पिता गिरिश कुमार सिंह, मां पंकज सिंह, बहन रिचा सिंह, छोटे भाई की पत्नी सत्यवती सिंह उर्फ अंजू सिंह, नौकर अतुल सिंह ने जान से मारने की नियत से पीड़िता का गला दबाकर बुरी तरह मारा पीटा। बचाने की कोशिश में मां के साथ भी मारपीट करते हुए धमकी दी गयी।

कैटरिंग कारीगर को जहर पिलाकर मार डाला, मौत से पूर्व भाई को दी थी सूचना

एक नामजद और चार अज्ञात पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज, दो भाई हिरासत में

संवाददाता, माल

घटना के बाद रोते बिलखते परिजन (इनसेट में) मृतक कैटरिंग कारीगर महेंद्र उर्फ छोटू। अमृत विचार

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में पकड़ा बाजार स्थित साप्ताहिक बाजार जा रहे कैटरिंग कारीगर महेंद्र उर्फ छोटू (35) को चार युवकों ने पीटने के बाद जबरन जहर पिला कर मार डाला। खुद को बचाने के लिए छोटू ने संघर्ष किया लेकिन कुछ नहीं कर सका। जहर पिलाने के बाद आरोपी भाग निकले। मरने से पहले उसने भाई धीरज को कॉल कर पूरी बात बताई। घटनास्थल स्पष्ट न होने के कारण परिजन रात भर खोजबीन करते रहे। शनिवार सुबह ग्राम अमलौली स्थित आम के बाग में छोटू का शव मिला। सूचना पाकर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर एक नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर दी। पुलिस नामजद आरोपी शुभम और उसके भाई सुबोध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

राजगढ़ निवासी सर्वेश ने बताया कि उसका भाई छोटू कैटरिंग के साथ ही बारातों में खाना बनाने जाता था। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे देवरी गजा गांव निवासी रामचरित्र रावत हिसाब कराने उनके घर आए, लेकिन किसी जरूरी काम के कारण बिना हिसाब किए चले गए। दोपहर करीब 3 बजे छोटू घर से यह कहकर निकला कि वह पकड़ा बाजार साप्ताहिक बाजार जा रहा है। बाजार में ही शुभम और उसका भाई सुबोध छोटू को अपने साथ ले गए।

शाम करीब 4:30 बजे छोटू ने छोटे भाई धीरज के पास कॉल की। रोते हुए कहा कि रनीपारा पुलिया के पास हैं, शुभम के चार साथियों ने जबरदस्ती जहर पिला दिया है। मेरी हालत बहुत खराब है, मुझे बचा लो। यह सुनते ही पूरा परिवार पुलिया की ओर दौड़ा, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। कई बार फोन मिलाया, पहले रिंग बजती रही लेकिन कुछ देर बाद फोन बंद हो गया। परिजन ने पुलिस को सूचना दी और पूरी रात खोजबीन की, लेकिन छोटू का पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह करीब 8 बजे अमलौली गांव में मुख्य मार्ग से लगभग पचास मीटर अंदर स्थित आम के बाग में छोटू का शव मिला। पास में उसकी मोटरसाइकिल खड़ी थी। पास में जहर की पुड़िया का रैपर व पानी की बोतल पड़ी थी। सूचना मिलते ही एसीपी मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे और इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर छानबीन की। मृतक के परिवार में पत्नी काजल और तीन बच्चे हार्दिक, यश और डुग्गू हैं।

घटनास्थल पर मिले संघर्ष के निशान

- पुलिस ने छानबीन की तो घटनास्थल पर संघर्ष के निशान मिले। छोटू की पैंट पास में पड़ी और शर्ट फटी हुई थी। पुलिस को घटनास्थल पर मृतक का मोबाइल भी मिला। मृतक के भाई ने छोटू से हुई आखिरी बातचीत की रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंपी है, जिसमें छोटू ने शुभम के साथियों पर जहर पिलाने की बात कही। पुलिस नामजद आरोपी शुभम और उसके भाई सुबोध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

डॉ. आंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय का प्रतीक : ब्रजेश पाठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कार्यक्रम में मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

अमृत विचार : भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 6 दिसम्बर 2025 को गोमतीनगर के विपुल खंड-2 स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल में श्रद्धांजलि एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्कृति विभाग के निर्देशन में यह आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्यों ने पुष्पांजलि अर्पित कर बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में ब्रजेश पाठक ने कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बाबासाहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सतत प्रयासरत है और संस्कृति विभाग ऐसे आयोजन से समाज को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस मौके पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभावी श्रृंखला प्रस्तुत की गई। लोकगीत प्रस्तुतियों में राम प्रवेश यादव (मऊ), रमेश भंवरा (भदोही) एवं पारसनाथ यादव (गाजीपुर) ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। एक महानायक नाट्य प्रस्तुति योगेंद्र पाल (उन्नाव) द्वारा मंचित की गई। नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति जूही कुमारी (लखनऊ) ने दी। लोक गायन में राज दुलारी (बलिया) ने अपनी कला से कार्यक्रम को विशेष ऊंचाई पर पहुंचाया।

पीजीआई में बाबा साहब को दी गई श्रद्धांजलि

- बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के 69वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर संजय गांधी पीजीआई के एसोसिएशन सदस्यों, कर्मचारियों तथा बाबा साहब के अनुयायियों ने एडम प्लाजा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। सभी साथियों ने बाबा साहब के संघर्ष भरा जीवन व उनके विचारों को बताने का कार्य किया व उन्हें पुष्प अर्पित करके, मोमबत्ती प्रज्ज्वलित करके अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मंजू लता राव, लता सचान, अरविन्द कुमार, ब्रजमोहन, हरिवीर सिंह, कमल किशोर, अमर नाथ (उपज), ललित मोघा, राजकुमार, कुलदीप यादव, एके गौतम, पवन कुमार, प्रकाश नेगी, नंदिनी यादव, सविता, राजेश कुमार गौतम और मोनिका चौधरी आदि ने भाग लिया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मौजूद लोग। अमृत विचार

दृष्टिहीन की हत्या में भाई और पौत्र गिरफ्तार, भतीजे की तलाश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हत्या में प्रयुक्त लाइसेंसी बंदक बरामद
- जमीन की आधी रकम व पेंशन बनी हत्या की मुख्य वजह

अमृत विचार : दुबग्गा के टांड़खेड़ा में जन्मांध वीरेंद्र यादव (48) उर्फ डोंगा की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी भाई नरेंद्र यादव व पौत्र चिराग यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त नरेंद्र की लाइसेंसी बंदूक भी बरामद कर ली है। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि फरार मुख्य आरोपी भतीजे जितेंद्र यादव उर्फ अन्नू की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें बनायी गयी हैं। पुलिस तलाश में दबिशें दे रही है।

मानकनगर के मेहंदी खेड़ा निवासी वीरेंद्र यादव उर्फ डोंगा जन्मजात नेत्रहीन थे। रेलकर्मी पिता बेचालाल की 25 वर्ष पूर्व मौत हो गयी थी। मां अशोका देवी के नाम पर मानकनगर में दो मकान और मायका टांड़खेड़ा में दस बिसवा जमीन है। छह महीने पहले अशोका देवी ने अपने हिस्से की जमीन पचास लाख में बेच दी थी। जिस पर उनके पौत्र जितेंद्र पुत्र नरेंद्र यादव ने कोर्ट में आपत्ति दर्ज कराई थी। दो महीने पहले दोनों पक्षों में जमीन को लेकर विवाद भी हुआ था। जितेंद्र ने आईजीआरएस के साथ साथ कोर्ट में शिकायत भी की थी।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि जितेंद्र अपने बेटे चिराग के साथ शुक्रवार सुबह पशु बाजार से भैंस खरीदने गया था। दोपहर में किसी से फोन पर गर्मागर्मी होने के बाद घर पहुंचा और पिता नरेंद्र की लाइसेंसी बंदूक लेकर बाइक से बेटे चिराग के साथ टांड़खेड़ा पहुंचा। मामा के घर के बाहर बैठे चाचा वीरेंद्र को घर चलने के लिए कहा। मना करने पर गोली मारकर हत्या कर दी थी।

किसी भी दशा में हमें शिक्षित होना जरूरी : अंसारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

समारोह में मौजूद मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी।

अमृत विचार: अवध इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल टेक्नोलॉजी एण्ड हास्पिटल का वार्षिक उत्सव जश्न-ए-अवध धूमधाम से मनाया गया। कॉलेज परिसर में हुए समारोह में मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी थे। दानिश आजाद ने समारोह में स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के विजताओं और नर्सिंग, पैरामेडिकल और फार्मेसी के टॉपर छात्रों को सम्मानित किया। दानिश आजाद ने कहा कि हम शिक्षा के माध्यम से ऊंचा से ऊंचा मुकाम पा सकते हैं, इसलिए किसी भी दशा में हमे शिक्षित होना होगा।

संस्थान के निदेशक शिबली दबीर ने बताया कि फार्मेसी द्वितीय वर्ष में टॉपर पठान गुलाम हैदर, दूसरे स्थान पर तहसीन फातिमा एवं तीसरी स्थान पर सुनील कुमार रहे। वहीं प्रथम वर्ष में पहली रैंक आशुतोष मौर्या, दूसरी रैंक कविशा एवं तीसरी रैंक साहिल हुसैन को मिली।

बीएसएस नर्सिंग में सातवें सेमेस्टर में आंचल यादव, श्वेता शुक्ला, हार्षित पाण्डे, पांचवे सेमेस्टर में लखन कुमार, खुशी मिश्रा और अर्चना यादव, चतुर्थ सेमेस्टर में अंकिता यादव, विधि चौधरी, आशा वर्मा, द्वितीय सेमेस्टर में प्रिया पाल, यशु सिंह, अंशिका वर्मा, प्रथम सेमेस्टर में सूर्यांश, नसवनिता एवं श्वेता को क्रमशः पहली, दूसरी और तीसरी रैंक मिली। इसके अलावा समारोह में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गायन एवं फैशन की प्रस्तुतियां दीं। समारोह में राज्य हज समिति सदस्य कमरुद्दीन जुगनू, संस्थान के फैकल्टी सदस्य, छात्र-छात्राएं और अभिभावक मौजूद रहे।

- अवध इंस्टीट्यूट में जश्न-ए-अवध का हुआ आयोजन

शिक्षक संघ ने सांसदों का जताया आभार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- संसद में टीईटी अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग उठाई

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित टीईटी अनिवार्यता मुद्दे के संबंध में शिक्षक पिछले 3 महीने से आंदोलन करते चले आ रहे हैं। कभी जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपा तो कभी हस्ताक्षर अभियान चलाकर अपनी आवाज बुलंद की जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री,शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा गया। कुछ संगठनों ने दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना दिया जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है। कई सांसदों ने शिक्षकों की सेवाभाव का सम्मान करते हुए संसद में टीईटी अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग उठाई ।

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने सांसदों द्वारा देशहित में आवाज उठाने की सराहना करते हुए बताया कि टीईटी अनिवार्यता समाप्त होने से उत्तर प्रदेश में दो लाख शिक्षकों सहित पूरे देश में लगभग 20 लाख शिक्षकों की सेवा सुरक्षा होगी। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ज्ञापन भेजे गए जिसका परिणाम आज संसद में दिखाई दे रहा है । उन्होंने प्रांतीय पदाधिकारी से कहा है कि सभी अन्य सांसदों से संपर्क करते हुए आग्रह करें कि वह भी इस देशहित के मुद्दे को संसद में उठाकर शिक्षकों को इस अव्यावहारिक आदेश से छूट दिलाने में शिक्षकों की मदद करें।

शराब की दुकान में चोरी

अमृत विचार, लखनऊ: आईआईएम रोड स्थित रायपुर इलाके में चोरों ने शराब की दुकान का ताला तोड़कर नकदी और शराब की बोतलें चोरी कर ली। मड़ियांव पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पारा के सदरौना निवासी रोहित कुमार आईआईएम रोड स्थित शराब की दुकान पर मैनेजर हैं। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर की देर रात 1:05 बजे चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर 16 हजार रुपये की शराब व 12 हजार रुपये चोरी कर लिए।

हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव | स्मृति उपवन में हो रहा आयोजन

सांस्कृतिक मंच पर नृत्य और सम्मान का संगम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

महोत्सव में सम्मानित की गईं विजयी प्रतिभागी। अमृत विचार

अमृत विचार : स्मृति उपवन में मां गायत्री जन सेवा संस्थान और नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में आयोजित हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि पार्षद पूजा जायसवानी, विशिष्ट अतिथि डॉ. मालविका हरिओम, सीमा जायसवानी, अलका जायसवानी तथा आयोजक अरुण प्रताप सिंह, गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह और हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत क्रिएटिव डांस अकैडमी की निर्देशिका अर्पिता सिंह के संयोजन में नृत्य प्रस्तुति से हुई। अविका, आरिका, विद्यांशी, अंशिका, वरा, भूमि, नेहल, समृद्धि और वैष्णवी की प्रस्तुतियों ने मंच पर पारंपरिक कला की सुंदर छटा बिखेरी।

कार्यक्रम में रेयान मंच की ओर से रेयान अस्मिता सम्मान 2025 प्रदान किया गया। पिछले दस वर्षों से प्रति वर्ष 24 उत्कृष्ट महिलाओं को दिए जाने वाले इस सम्मान में इस बार भी विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली महिलाओं को चुना गया। गृहिणी सम्मान, जो अपने परिवार के लिए करियर और शिक्षा का त्याग करने वाली महिलाओं को समर्पित है, इस वर्ष मधु गुप्ता को प्रदान किया गया। सम्मान वितरण में मुख्य अतिथि डॉ. मालविका हरिओम, विशिष्ट अतिथि ऐश्वर्या सिन्हा, अति विशिष्ट अतिथि रेयान सिन्हा और कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अनीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

सम्मानित महिलाओं में विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, मीना भारती, दीप्ति सिंह, अपर्णा तिवारी, नम्रता मिश्रा, प्रिया मित्तल, शिखा श्रीवास्तव सहित अन्य शामिल रहीं। सभी को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र प्रदान किए गए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अद्विका तिवारी का प्रदर्शन सराहा गया। लिरिक्स एकेडमी ऑफ म्यूजिक द्वारा वैष्णवी, अक्षिता और रिधिमा की गणेश वंदना, सिद्धि का भजन तथा समूह नृत्य ने वातावरण को जीवंत बनाया। महोत्सव समिति के मोनालिसा, रोली जयसवाल, मनोज सिंह चौहान और विवेक सिंह की उपस्थिति रही।

बोलेरो की टक्कर से पलटी टेंपो, चालक की दबकर मौत

निगोहां पुलिस ने चालक को पकड़ा, माल में पोल से टकराया बाइक सवार युवक, मौत

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त बोलेरो। अमृत विचार

इसी टेम्पो से हुई टक्कर। अमृत विचार

संवाददाता, निगोहां/माल

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के कस्बे में शनिवार को बेकाबू बोलेरो ने सवारियों के इंतजार में खड़े टेंपो में टक्कर मार दी। टक्कर से टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया और चालक की दबकर मौत हो गयी। पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर बोलेरो को कब्जे में ले लिया। वहीं, माल थाना क्षेत्र में बेकाबू बाइक सवार युवक की पोल से टकराकर मौत हो गयी।

● **परिजन का रो-रोकर बुरा हाल**

निगोहां के दखिना गांव निवासी पुत्तन तिवारी (45) टेंपो चालक था। परिवार में पत्नी लक्ष्मी तिवारी और चार बेटियां सोभा, संजना, ऋचा व अदिति हैं। शनिवार को पुत्तन टेंपो लेकर निगोहां कस्बे में बस स्टैंड के पास सवारियों का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान रायबरेली से लखनऊ की ओर जा रही बोलेरो ने टेंपो में टक्कर मार दी। जिससे टेंपो पलट गया और पुत्तन नीचे दब गया। हादसा देख ग्रामीण दौड़े और पुलिस को सूचना दी। आनन-फानन में घायल को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने पुत्तन को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

वहीं, मलिहाबाद के चतुरी खेड़ा गांव निवासी विनोद (40) शुक्रवार देर रात बाइक से हरदा गांव स्थित ससुराल से वापस घर आ रहा था। रास्ते में माल थाना क्षेत्र के आदमपुर गांव के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गयी। हादसे में विनोद की मौके पर ही मौत हो गयी। शनिवार तड़के राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने हादसे की सूचना परिजन को दी। मृतक के परिवार में पत्नी विमला और तीन बच्चे प्रशांत, प्रतीक और आदित्य हैं।

सूचना

मेरा हाई स्कूल वर्ष 2019 अनुक्रमांक 1096526 का प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है। **विनोद कुमार पुत्र गंगा भक्त निवासी ग्राम किलकिली पोस्ट बासित नगर तहसील शाहाबाद हरदोई**

लकड़ी माफियाओं ने खोजा फल पट्टी को नष्ट करने का नया तरीका

शाखा तराशी के नाम पर काटे गये पेड़। अमृत विचार

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : डिजिटल इंडिया के दौर में लकड़ी माफियाओं ने तकनीक और सरकारी छूट का दुरुपयोग करते हुए आम के बागों की अवैध कटाई का नया सिस्टम ईजाद कर लिया है। रहमानखेड़ा उद्यान विभाग की शाखा तराशी (प्रूनिंग) की अनुमति को आधार बनाकर कुसमौरा रोड क्षेत्र में तीस से अधिक पेड़ों को ऊपर से काट दिया गया। माफिया इसे मात्र छंटाई बताकर बचने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि कटान की शैली साफ तौर पर अवैध कटाई दर्शाती है।

ग्रामीणों के अनुसार पिछले दो हफ्तों में वन विभाग की मिलीभगत से करीब दस बीघा आम के बाग छंटाई के नाम पर काटकर जड़ों सहित सूखने के लिए छोड़ दिए गए हैं। नियमों के अनुसार छंटाई के दौरान डालें फटना नहीं चाहिए, पतली आरी का उपयोग अनिवार्य है, कटे हिस्सों पर रसायन का लेप लगाया जाना चाहिए और बाग में नमी बनाए रखने के लिए पानी भरना जरूरी है लेकिन मौके पर इनमें से एक भी नियम का पालन नहीं मिला।

● **शाखा तराशी की अनुमति का दुरुपयोग, दस बीघा बागों का अवैध सफाया**

उद्यान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि परमिशन में सभी नियम स्पष्ट रूप से लिखे जाते हैं, लेकिन जिन बागों में कटाई हुई है, वहां पेड़ों की दहनियों को आरामशीन से काटा गया है, जांघें फटी हैं और कहीं भी शाखाएं नहीं छोड़ी गईं।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

- उद्यान अधिकारी का कहना है कि छंटाई की परमिशन फ्री है, परंतु बचे पेड़ों की सुरक्षा वन विभाग की जिम्मेदारी है। वन रेंज अधिकारी सोनम दीक्षित ने कहा कि यदि शाखा तराशी का दुरुपयोग कर बाग नष्ट किए जा रहे हैं, तो कार्रवाई निश्चित रूप से होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/ लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु, आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है :– (1) ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2025-191 (Two Packet System), कार्य का नाम : कवर शेड के साथ रैंप के साथ पहले फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान (स्टेशन 4), एनएसजी–3 स्टेशन– बभनजोतिया (बीएनजीजे), रफीनगर (आरएफआर) और सिहापार (एसआईपीआर) और एनएसजी–6 स्टेशन– चिल्हिया (सीआईएच), अनुमानित लागत (₹) : 14,58,36,182.00, अग्रिम धन (₹) : 8,79,200.00, समापन अवधि –15 माह (2) ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2025-192, कार्य का नाम : (1) गोंडा–सुभागपुर–TRR(P)-4.600 Km. (Km 213/4-218/0=4.6 Kms). (2) आनंदनगर–बढ़नी–TRR(S) BG-लूप्स–7.3 km. सीनियर DEN-HQ-LJN के अधिकार क्षेत्र में. (3) गोरखपुर–नकहा जंगल ISD-5.900 km (GKP-JEA-लाइन–km 0/0-0/9 में = 0.90 kms और 1/5-6/5=5.00 kms) सीनियर DEN/I/LJN के अधिकार क्षेत्र में., अनुमानित लागत (₹) : 3,90,06,450.00, अग्रिम धन (₹) : 3,45,000.00, समापन अवधि –09 माह

1. उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2025-191 - 192 के लिये ई–निविदा दिनांक 30.12.2025 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी।
2. उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम् अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाईट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग, मुजाधि/डब्ल्यू–357 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

योग और एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

ट्रॉफी के साथ विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ स्कूल गेम्स के पूर्व समापन दिवस पर शनिवार को विद्यार्थियों ने कौशल, अनुशासन और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। जहां योग प्रतियोगिता में 15 विद्यालयों ने भाग लिया, वहीं एथलेटिक्स स्पर्धाओं में 12 विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चौक स्टेडियम में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर दौड़ के साथ-साथ शॉट पुट और भाला फेंक जैसी स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें लगभग 165 खिलाड़ियों ने अपनी शक्ति, गति, फुर्ती और समर्पण का प्रदर्शन विभिन्न वर्गों में किया। टीम इवेंट्स के पुरस्कार वितरण समारोह में अतिथि आरएसएस के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख मनोज और एलजेके उपाध्यक्ष ऋतु मिश्रा ने विद्यार्थियों के अनुशासन, निष्ठा और खेल भावना की सराहना की। लखनऊ स्कूल गेम्स के संयोजक अनुज तिवारी ने सभी अधिकारियों, अतिथियों और भाग लेने वाले विद्यालयों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर उन्होनें कहा कि हमारा उद्देश्य हर बच्चे को एक जीवंत खेल मंच उपलब्ध कराना है, लखनऊ इस खेल संस्कृति को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

● **पूर्व समापन दिवस पर ऊर्जा से भरपूर प्रतिभा का प्रदर्शन**

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

नई वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी की शुरुआत

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा गोमती नगर – सहारनपुर – गोमती नगर के बीच नई वंदे भारत एक्सप्रेस की नियमित सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है :–

26504/26503 गोमती नगर-सहारनपुर-गोमती नगर वंदे भारत एक्सप्रेस (सप्ताह में 6 दिन)

रेलगाड़ी सं. 26504 आगमन	रेलगाड़ी सं. 26504 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 26503 आगमन	रेलगाड़ी सं. 26503 प्रस्थान
----	15:10	गोमती नगर	14:05	----
15:28	15:38	डालीगंज जं.	13:34	1344
16:33	16:35	सीतापुर जं.	12:36	12:38
18:08	18:10	शाहजहाँपुर जं.	11:07	11:09
19:05	19:07	बरेली जं.	09:40	09:42
20:35	20:40	मुरादाबाद जं.	08:00	08:05
21:54	21:56	नजीबाबाद जं.	06:25	06:27
22:42	22:44	रूड़की	05:40	05:42
23:50	----	सहारनपुर जं.	----	05:05

चलने के दिन: **26504 गोमती नगर** से प्रतिदिन दिनांक 09.12.2025 से (सोमवार छोड़कर)। और **26503 सहारनपुर** से प्रतिदिन दिनांक 10.12.2025 से (मंगलवार छोड़कर)।

स्थान : चेयर कार एवं एक्जीक्यूटिव चेयर कार।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलवे पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें :– www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

3792/25 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डंपर की टक्कर से तीन युवक घायल

अमृत विचार, बख्शी का तालाब : महिगंवा इलाके में शुक्रवार रात बेकाबू डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीन युवक छिटककर सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में तीनों घायल हो गए। घटना के बाद चालक डंपर लेकर भाग गया। पुलिस ने बताया कि डंपर बीकेटी से कुंहरावा मार्ग पर जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार सिरसा कमालपुर निवासी अनिल यादव, सागर यादव, विकास यादव बेहटा से शादी समारोह से वापस घर आ रहा था। टक्कर से तीनों घायल हो गए। गंभीर हालत में सागर को रामसागर मिश्र सौ शैय्या अस्पताल बीकेटी भेजा गया। जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहीं, कुम्हरावा बाबागंज मार्ग स्थित मुसपिपरी गांव के निकट संजय यादव कार से बाबागंज की ओर जा रहे थे। रास्ते में नील गाय कार पर छलांग लगाते हुए निकल गई। जिससे गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी और चालक घायल हो गया।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियां संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

03010 नई दिल्ली–हावड़ा जं. विशेष रेलगाड़ी 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 03010 आगमन	गाड़ी सं. 03010 प्रस्थान
नई दिल्ली	---	07:30
हावड़ा जं.	13:30	---

चलने के दिन : **03010 नई दिल्ली** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., सासाराम, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल, दुर्गापुर एवं बर्द्धमान स्टेशन।

01016 लखनऊ जं.–लोकमान्य तिलक (ट.) विशेष रेलगाड़ी 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 01016 आगमन	गाड़ी सं. 01016 प्रस्थान
लखनऊ जं.	---	19:30
लोकमान्य तिलक (ट.)	23:30	---

चलने के दिन : **01016 लखनऊ जं.** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) को
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., बीना जं., भोपाल जं., इटारसी जं., खंडवा, भुसावल जं., जलगांव जं., नाशिक रोड, इगतपुरी, कल्याण जं. एवं ठाणे स्टेशन।

01020 ह. निज़ामुद्दीन–छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.) विशेष रेलगाड़ी 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 01020 आगमन	गाड़ी सं. 01020 प्रस्थान
ह. निज़ामुद्दीन	---	17:30
छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.)	13:30	---

चलने के दिन : **01020 ह. निज़ामुद्दीन** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) को
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : मथुरा जं., सवाई माधोपुर, कोटा जं., नागदा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं., सूरत, वसई रोड, ठाणे एवं दादर स्टेशन।

01409/01410 पुणे जं.– ह. निज़ामुद्दीन – पुणे जं. विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 01409 आगमन	गाड़ी सं. 01409 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 01410 आगमन	गाड़ी सं. 01410 प्रस्थान
---	20:20	पुणे जं.	09:00	---
01:00	---	ह. निज़ामुद्दीन	---	05:00

चलने के दिन : **01409 पुणे जं.** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **01410 ह. निज़ामुद्दीन** से दिनांक **09.12.2025** (मंगलवार) को।
स्थान : 3 टियर वाता.
ठहराव : दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड़ जं., भुसावल जं., खंडवा, ईटारसी जं., भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर एवं आगरा कैंट स्टेशन।

06259/06260 यशवंतपुर – ह. निज़ामुद्दीन – बेंगलूरु कैंट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 06259 आगमन	गाड़ी सं. 06259 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 06260 आगमन	गाड़ी सं. 06260 प्रस्थान
---	---	बेंगलूरु कैंट	19:45	---
---	07:00	यशवंतपुर	---	---
03:00	---	ह. निज़ामुद्दीन	---	23:50

चलने के दिन : **06259 यशवंतपुर** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **06260 ह. निज़ामुद्दीन** से दिनांक **09.12.2025** (मंगलवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : येलहंका, धर्मावरम जं., अनंतपुर, डोन, कर्नूलु सिटी, काचीगुडा, काज़ीपेट, बल्हारशाह, नागपुर, भोपाल जं., बीना जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट एवं मथुरा जं. स्टेशन।

04474/04473 गाजियाबाद – सहारनपुर – गाजियाबाद अनारक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 04474 आगमन	गाड़ी सं. 04474 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04473 आगमन	गाड़ी सं. 04473 प्रस्थान
---	05:15	गाजियाबाद	17:20	---
08:45	---	सहारनपुर	---	14:00

चलने के दिन : **04474 गाजियाबाद** से तथा **04473 सहारनपुर** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) को।
स्थान : सामान्य
ठहराव : नया गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर, मोहिउद्दीनपुर, परतापुर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, पाबली खास, दौराला, सकौती टाँडा, खतौली, मन्सूरपुर, जड़ौदा नारा, मुज़फ़्फ़नगर, बामनहेरी, रोहाना कलां, देवबंद, तलहेड़ी बुजुर्ग, नागल एवं टपरी स्टेशन।

04476/04475 गाजियाबाद – सहारनपुर – गाजियाबाद अनारक्षित एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 04476 आगमन	गाड़ी सं. 04476 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04475 आगमन	गाड़ी सं. 04475 प्रस्थान
---	16:30	गाजियाबाद	16:00	---
20:00	---	सहारनपुर	---	12:30

चलने के दिन : **04476 गाजियाबाद** से तथा **04475 सहारनपुर** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) को।
स्थान : सामान्य
ठहराव : नया गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर, मोदीनगर, मोहिउद्दीनपुर, परतापुर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, पाबली खास, दौराला, सकौती टाँडा, खतौली, मन्सूरपुर, जड़ौदा नारा, मुज़फ़्फ़नगर, बामनहेरी, रोहाना कलां, देवबंद, तलहेड़ी बुजुर्ग, नागल एवं टपरी स्टेशन।

02417/02418 प्रयागराज जं. – नई दिल्ली – प्रयागराज जं. विशेष रेलगाड़ी 03 फेरे

गाड़ी सं. 02417 आगमन	गाड़ी सं. 02417 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02418 आगमन	गाड़ी सं. 02418 प्रस्थान
---	23:20	प्रयागराज जं.	04:30	---
11:40	---	नई दिल्ली	---	14:00

चलने के दिन : **02417 प्रयागराज जं.** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) तथा **02418 नई दिल्ली** से दिनांक **07 एवं 09.12.2025** (रविवार एवं मंगलवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : फतेहपुर, गोविंदपुरी, ईटावा, टुण्डला एवं अलीगढ़ स्टेशन।

02275/02276 प्रयागराज जं. – नई दिल्ली – प्रयागराज जं. विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 02275 आगमन	गाड़ी सं. 02275 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02276 आगमन	गाड़ी सं. 02276 प्रस्थान
---	23:20	प्रयागराज जं.	04:30	---
11:40	---	नई दिल्ली	---	14:00

चलने के दिन : **02275 प्रयागराज जं.** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **02276 नई दिल्ली** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : फतेहपुर, गोविंदपुरी, ईटावा, टुण्डला एवं अलीगढ़ स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

01082/01081 बनारस – लोकमान्य तिलक (ट) – बनारस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 01082 आगमन	गाड़ी सं. 01082 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 01081 आगमन	गाड़ी सं. 01081 प्रस्थान
---	19:40	बनारस	16:05	---
19:55	20:05	वाराणसी जं.	15:25	15:35
06:25	---	लोकमान्य तिलक (ट)	---	08:25

चलने के दिन : **01082 बनारस** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **01081 लोकमान्य तिलक (ट)** से दिनांक **09.12.2025** (मंगलवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : वाराणसी जं., मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, ईटारसी जं., खंडवा, भुसावल जं., नाशिक रोड एवं कल्याण जं. स्टेशन।

02559/02560 बनारस – आनंद विहार (ट) – बनारस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 02559 आगमन	गाड़ी सं. 02559 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02560 आगमन	गाड़ी सं. 02560 प्रस्थान
---	20:15	बनारस	04:15	---
10:30	---	आनंद विहार (ट)	---	12:20

चलने के दिन : **02559 बनारस** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **02560 आनंद विहार (ट)** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : ज्ञानपुर रोड, प्रयागराज जं., गोविंदपुरी एवं गाजियाबाद स्टेशन।

08760/08761 दुर्ग – ह. निज़ामुद्दीन – दुर्ग एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 08760 आगमन	गाड़ी सं. 08760 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 08761 आगमन	गाड़ी सं. 08761 प्रस्थान
---	10:45	दुर्ग	15:00	---
11:10	---	ह. निज़ामुद्दीन	---	12:30

चलने के दिन : **08760 दुर्ग** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **08761 ह. निज़ामुद्दीन** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता. इकोनॉमी
ठहराव : रायपुर जं., उस्लापुर, पेन्ड्रा रोड, अनूपपुर जं., शहडोल, उमरिया, कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी एवं आगरा कैंट स्टेशन।

08403/08404 पुरी – दिल्ली जं. – भुवनेश्वर विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 08403 आगमन	गाड़ी सं. 08403 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 08404 आगमन	गाड़ी सं. 08404 प्रस्थान
---	11:45	पुरी	---	---
12:50	12:55	भुवनेश्वर	22:00	---
13:30	---	दिल्ली जं.	---	18:30

चलने के दिन : **08403 पुरी** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) तथा **08404 दिल्ली जं.** से दिनांक **09.12.2025** (मंगलवार) को।
स्थान : 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : खोरधा रोड, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर केन्द्रुझर रोड़, भद्रक, बालेश्वर, जलेश्वर, हिजली, मेदिनीपुर, बिष्णुपुर, बांकुड़ा जं., आद्रा जं., नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, कोडरमा, गया, डेहरी ओन सोन, सासाराम, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., मिर्ज़ापुर, प्रयागराज जं., फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, टूंडला एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन।

04206/04205 वाराणसी जं. – नई दिल्ली – वाराणसी जं. आरक्षित सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 04206 आगमन	गाड़ी सं. 04206 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04205 आगमन	गाड़ी सं. 04205 प्रस्थान
---	14:50	वाराणसी जं.	01:20	---
05:15	---	नई दिल्ली	---	10:55

चलने के दिन : **04206 वाराणसी जं.** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **04205 नई दिल्ली** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को।
स्थान : प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., रायबरेली जं., लखनऊ जं., बरेली, मुरादाबाद एवं गाजियाबाद स्टेशन।

04462/04461 नई दिल्ली – हावड़ा जं. – नई दिल्ली आरक्षित विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 04462 आगमन	गाड़ी सं. 04462 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04461 आगमन	गाड़ी सं. 04461 प्रस्थान
---	18:15	नई दिल्ली	08:20	---
23:30	---	हावड़ा जं.	---	01:30

चलने के दिन : **04462 नई दिल्ली** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **04461 हावड़ा जं.** से दिनांक **09.12.2025** (मंगलवार) को।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी
ठहराव : गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., ईटावा जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी, पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद, आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल स्टेशन।

04580 चंडीगढ़–तिरुवनंतपुरम सेंट्रल आरक्षित सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 04580 आगमन	गाड़ी सं. 04580 प्रस्थान
चंडीगढ़	---	07:15
तिरुवनंतपुरम सेंट्रल	14:45	---

चलने के दिन : **04580 चंडीगढ़** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) को
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य
ठहराव : अंबाला कैंट जं., सहारनपुर जं., मेरठ सिटी जं., गाजियाबाद जं., ह. निज़ामुद्दीन जं., कोटा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं., उधना जं., वसई रोड, पनवेल, रोहा, रतनागिरी, थिविम, मडगांव जं., कारवार, कुमता, मूकांबिका रोड बैन्दूर, कुन्दापुरा, उडुपी, मंगलूरु जं., कासरगोड, कन्नूर, कोझीकोड, षोरणूर जं., तृश्शूर, आलुवा, एरणाकुलम टाउन, कोट्टायम, चेंगन्नूर, कायमकुलम, कोल्लम जं. एवं वर्कला शिवगिरी स्टेशन।

04004/04003 नई दिल्ली – मुंबई सेंट्रल – नई दिल्ली आरक्षित सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी 02 फेरे

गाड़ी सं. 04004 आगमन	गाड़ी सं. 04004 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04003 आगमन	गाड़ी सं. 04003 प्रस्थान
---	22:40	नई दिल्ली	20:50	---
21:00	---	मुंबई सेंट्रल	---	23:30

चलने के दिन : **04004 नई दिल्ली** से दिनांक **07.12.2025** (रविवार) तथा **04003 मुंबई सेंट्रल** से दिनांक **08.12.2025** (सोमवार) को।
स्थान : 3 टियर वाता. इकोनॉमी
ठहराव : मथुरा, कोटा, नागदा, रतलाम, वडोदरा, सूरत एवं बोरीवली स्टेशन।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 7 दिसंबर 2025 www.amritvichar.com

मानवाधिकार

समानता की ओर एक कदम

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस (10 दिसंबर विशेष)

हर वर्ष 10 दिसंबर को हम सब अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाते हैं। यह दिवस केवल औपचारिकताओं के लिए नहीं, बल्कि मानव इतिहास के उन संघर्षों, बलिदानों और चेतन प्रयासों की स्मृति है, जिनका उद्देश्य था, मानव मात्र की गरिमा, स्वतंत्रता और समानता की रक्षा अर्थात जहां मानव गरिमा सुरक्षित नहीं, वहां सभ्यता भी सुरक्षित नहीं हो सकती। मानव इतिहास के प्रत्येक युग में शक्ति, सत्ता और व्यवस्था रही है, परंतु हर युग में मनुष्य की गरिमा सुरक्षित रही हो, ऐसा नहीं कहा जा सकता। अनेक सभ्यताएं विकसित हुईं, पर अनेक मानवाधिकारों के अभाव में नष्ट भी हो गईं। इसलिए मानवाधिकारों की अवधारणा केवल आधुनिक राजनीतिक विमर्श नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व और मानवता की प्रथम शर्त भी है। आज जब विश्व तकनीकी रूप से उन्नत है, पर नैतिक रूप से अस्थिर, जब कानून लिखे जा रहे हैं, पर समान रूप से लागू नहीं हो पा रहे, तब मानवाधिकार दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है।

आलोक तिवारी
लेखक, लखनऊ

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पेरिस में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अंगीकार किया। यह वही दस्तावेज है, जिसने पहली बार समस्त मानव जाति के लिए समान अधिकारों का वैश्विक घोषणापत्र प्रस्तुत कर मनवाधिकारों का उद्घोष किया था। इस घोषणा के निर्माण की पृष्ठभूमि अत्यंत पीड़ादायक थी। प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध– नाजी जर्मनी का यहूदी नरसंहार, औपनिवेशिक शोषण, नस्लीय भेदभाव और दासता इन सभी ने मानवता को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि मनुष्य के मूल अधिकारों को संरक्षित नहीं किया गया, तो सभ्यता स्वयं नष्ट हो सकती है। 1948 की मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा में कहा गया कि सभी मनुष्य स्वतंत्र और समान गरिमा व अधिकारों के साथ जन्म लेते हैं अर्थात "कुछ अधिकार ऐसे हैं, जो किसी राज्य द्वारा नहीं, बल्कि मनुष्य को अपने जन्म के साथ प्राप्त होते हैं।"

मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद–30 में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, समानता और भेदभाव–निषेध, विचार, अभिव्यक्ति और धर्म की स्वतंत्रता, न्याय, निष्पक्ष सुनवाई और कानून के समक्ष समानता, कार्य, शिक्षा और गरिमापूर्ण जीवन का उल्लेख है। यद्यपि यह घोषणा कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि नहीं है, फिर भी इसने अंतर्राष्ट्रीय कानून–राष्ट्रीय संविधान–मानवाधिकार न्यायशास्त्र की दिशा तय की है। घोषणा का यही दर्शन आधुनिक मानवाधिकार सिद्धांत की नींव बना, जिसे आज लगभग सभी राष्ट्र कागज पर ही सही, लेकिन स्वीकार तो करते ही हैं।

भारतीय संस्कृति में मानवाधिकार की अवधारणा

मानवाधिकार को अक्सर पश्चिमी अवधारणा बताने का प्रयास किया जाता है, किंतु यह ऐतिहासिक रूप से अधूरा और बौद्धिक रूप से एक भ्रमित दृष्टिकोण है। भारतीय संस्कृति में मानवाधिकारों की भावना हजारों वर्ष पुरानी है। वसुधैव कुटुंबकम् "संपूर्ण पृथ्वी एक परिवार है" यह केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि मानव समानता का वैश्विक सिद्धांत है। हर प्रार्थना में उद्घोष किया जाने वाला वाक्य सर्वे भवंतु सुखिन :, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, स्वयं में मानवाधिकारों का दर्पण है।" राजनीति शास्त्र के सिरमौर आचार्य चाणक्य का अर्थशास्त्र मात्र मानवाधिकारों का घोषणापत्र नहीं है।

अपितु मानव गरिमा पर आधारित राज्य कर्तव्यों का प्राचीन संविधान है। सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में धार्मिक सहिष्णुता दया, पशु अधिकार और नारी सुरक्षा जैसे सिद्धांतों को राज्य नीति बनाया। अशोक के शिलालेख और धम्म आज भी मानवाधिकारों का प्रारंभिक दस्तावेज माने जा सकते हैं।

भारतीय संविधान : मानवाधिकारों का जीवित दस्तावेज

भारत का संविधान आधुनिक विश्व में मानवाधिकारों के सबसे व्यापक ढांचों में से एक है, जो नागरिकों के मौलिक अधिकारों की बात करता है। संविधान का अनुच्छेद 14 से 18 समानता का अधिकार देता है, वहीं अनुच्छेद 19 से 22 स्वतंत्रता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता की बात करता, वहीं अनुच्छेद 21 को, तो भारतीय न्यायपालिका ने "मानवाधिकारों की आत्मा" कहा है, जो नागरिकों के जीवन और गरिमा की बात करता है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। विश्व में भारत अकेला ऐसा देश है, जिसने मानवाधिकारों के साथ–साथ नागरिक कर्तव्यों को भी संवैधानिक दर्जा दिया है, जो भारतीय दृष्टिकोण की प्राचीन परंपरा एवं परिपक्वता को दर्शाता है। भारतीय संविधान के नीति–निदेशक तत्व राज्य को यह निर्देश देते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय गरिमापूर्ण जीवन के अभिन्न अंग हैं, जिसे प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध कराया जाए।

वैश्विक वर्तमान परिदृश्य में मानवाधिकारों की स्थिति

आज मानवाधिकार केवल नैतिक विषय नहीं रहे। ये राजनयिक दबाव और कूटनीति का हथियार बन गए हैं। आर्थिक प्रतिबंधों का आधार बन जाते हैं और कभी-कभी तो सैन्य हस्तक्षेप का औचित्य भी बनते हैं। मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकार किए हुए दशकों बीत गए, लेकिन आज भी दुनिया के कई देशों में नागरिक अपने अधिकारों के लिए भीख नहीं, संघर्ष कर रहे हैं। यह विडंबना नहीं, बल्कि आधुनिक विश्व व्यवस्था पर एक कठोर आरोप है कि जहां मानवाधिकारों की सबसे अधिक बातें होती हैं, वहीं मनुष्य सबसे अधिक असुरक्षित है। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि मानवाधिकार केवल कमजोर देशों की समस्या नहीं है। कई जगह वे सत्ता की सुविधा बन चुके हैं, जहां स्वीकार हों, तो मानवाधिकार और असहज हों, तो "राष्ट्रीय हित"। ईरान में मानवाधिकार उल्लंघन किसी युद्ध या आपातकाल का परिणाम नहीं, बल्कि राज्य की घोषित नीति बन चुका है। यहां प्रश्न वस्त्र का नहीं, बल्कि उस अधिकार का है कि क्या महिला को अपने शरीर, जीवन और अभिव्यक्ति पर अधिकार है या नहीं। अफगानिस्तान में बालिकाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि भविष्य को अपराध घोषित करने जैसा है। जब किसी समाज की आधी आबादी को सोचने, पढ़ने और सपने देखने से रोका जाए, तो वहां मानवाधिकार नहीं केवल भय शेष रहता है। म्यांमार का अनुभव बताता है कि जहां लोकतंत्र छीना जाता है, वहां मानवाधिकार स्वतः दम तोड़ देते हैं। सेना के शासन में नागरिक स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा तीनों औपचारिक शब्द बन जाते हैं। चाहे यूक्रेन हो या अन्य युद्धग्रस्त क्षेत्र, हर संघर्ष में सबसे पहले मानवाधिकार ही मारे जाते हैं। गोली किसी संविधान, किसी अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज या किसी दिवस को नहीं पहचानती। वर्तमान की वैश्विक सच्चाई यह है कि कुछ देश मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं, कुछ देश मानवाधिकारों की राजनीति करते हैं और कुछ देश तो ऐसे हैं, जो मनवाधिकारों का उल्लंघन ही नहीं उस पर राजनीति भी करते हैं। इसी दोहरे मानदंड के कारण मानवाधिकार की अवधारणा पर ही प्रश्न उठते हैं। यह मानवाधिकार विमर्श की सबसे बड़ी कमजोरी है। विश्व के देश और राज्य जब अपने कर्तव्यों में विफल होते हैं, जब न्यायालय भी दबाव में होते हैं, जब नागरिक, महिलाएं या बच्चे असहाय होते हैं, तब मानवाधिकार ही अंतिम नैतिक सुरक्षा कवच बनकर प्रस्तुत होता है।

आज के दौर की प्रमुख मानवाधिकार चुनौतियां

डिजिटल युग में निजता का संकट, आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम मानवाधिकार, शरणार्थी और प्रवासी अधिकार, नारी और बाल अधिकारों का व्यावहारिक हनन, सोशल मीडिया ट्रायल और सम्मान का अधिकार मानवाधिकार केवल सरकारों के लिए चुनौती नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक परीक्षा है।

भारत और मानवाधिकार संतुलन की आवश्यकता

भारत जैसे विविध देश में मानवाधिकार का प्रश्न सदैव संतुलन से जुड़ा रहा है। अधिकार बनाम कर्तव्य, स्वतंत्रता बनाम सुरक्षा और अभिव्यक्ति बनाम उत्तरदायित्व। भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर यह स्पष्ट किया है कि मानवाधिकार निरंकुश स्वतंत्रता नहीं, बल्कि एक गरिमामय अनुशासन है। मानवाधिकारों की रक्षा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में 48 देशों ने हस्ताक्षर किए थे, जिनमें भारत भी शामिल था, लेकिन भारत में मानवाधिकारों से जुड़ी एक स्वतंत्र संस्था बनाने में 45 वर्ष लग गए। 12 अक्टूबर 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 के तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का गठन किया गया था।

केवल उत्सव नहीं, चेतावनी

10 दिसंबर का दिन केवल भाषण देने और घोषणाएं करने के लिए नहीं है, बल्कि हमारे आत्मचिंतन के लिए भी महत्वपूर्ण है। क्या हम दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हैं? क्योंकि दूसरों के अधिकारों का सम्मान ही मानवाधिकार की पहली सीढ़ी है फिर चाहे वो पत्नी हो, पड़ोसी हो या आपका अधीनस्थ हो। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या हम असहमति को सहर्ष स्वीकार कर पाते हैं? और फिर क्या शक्ति का उपयोग न्याय के लिए हो रहा है? यदि आप इन प्रश्नों के उत्तर से असहज हैं, तो मानवाधिकार दिवस का उद्देश्य अभी अधूरा ही है। मानवाधिकार न तो केवल पश्चिम की देन हैं, न ही केवल कानून की उपज। वे मनुष्यता की आत्ममानव सभ्यता की नैतिक रीढ़ हैं। भारत की संस्कृति, उसका संविधान और उसका दर्शन तीनों मानवाधिकारों को केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य आधारित गरिमा के रूप में देखते हैं।

मानवाधिकार दिवस का असल अर्थ यह नहीं कि हम दूसरों से क्या मांगते हैं, बल्कि यह है कि हम दूसरों को क्या देते हैं। यही भारतीय दृष्टि है, यही वैश्विक आवश्यकता है। भारतीय दर्शन में अधिकारों से पहले कर्तव्यों की चर्चा है। यही कारण है कि राजा को "राज–धर्म" का पालनकर्ता और सेवक कहा गया है न कि निरंकुश शासक। मानवाधिकार दिवस हमें स्वयं के किए गए प्रयासों के आत्मचिंतन को विवश करता है। क्या हम असहमति का सम्मान करते हैं? क्या हम कमजोर की आवाज सुनते हैं? क्या हम अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को याद रखते हैं? यदि उत्तर ईमानदार नहीं है, तो मानवाधिकार दिवस अधूरा है।

साइबर इंश्योरेंस

डिजिटल ठगी से रक्षा का नया हथियार

पटना की अंबिका (बदला हुआ नाम) हर सुबह की तरह उस दिन भी मोबाइल पर बैंक बैलेंस चेक कर रही थीं। स्क्रीन पर नजर गई, तो दिल सहम गया–अकाउंट से 42,000 रुपये गायब थे। एक दिन पहले ही उन्हें एक ईमेल आया था, जिसमें बैंक अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट करने को कहा गया था। अंबिका ने बिना सोचे क्लिक किया और अपनी जानकारी भर दी। उन्हें लगा था कि यह बस एक साधारण प्रक्रिया है, लेकिन यह एक गहरा साइबर जाल था। घबराहट, पछतावा और डर–तीनों ने एक साथ घेर लिया। पर उनकी सबसे बड़ी राहत यह रही कि उन्होंने कुछ महीने पहले साइबर इंश्योरेंस ले रखा था। शिकायत दर्ज होते ही कंपनी ने तुरंत मदद शुरू की, राशि वापस मिली और तकनीकी टीम ने उनका अकाउंट सुरक्षित भी कर दिया। अंबिका जैसे लाखों लोग रोज डिजिटल दुनिया से जुड़े हैं। हम मानते हैं कि मोबाइल पर आ रही हर नोटिफिकेशन, हर मैसेज और हर लिंक सुरक्षित है, लेकिन हकीकत कहीं ज्यादा खतरनाक है। साइबर अपराधी हमारी एक छोटी–सी चूक का फायदा उठाकर हमारे पैसे, पहचान और निजता तक पर हमला कर देते हैं। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस डिजिटल युग का वह कवच बनकर सामने आता है, जो न केवल हमारे नुकसान की भरपाई करता है, बल्कि हमें तकनीकी और मानसिक सहारा भी देता है।

डॉ. मोनिका राज
लेखिका

क्या है साइबर इंश्योरेंस और क्यों जरूरी है

साधारण शब्दों में कहें, तो साइबर इंश्योरेंस वह सुरक्षा पॉलिसी है, जो ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, डेटा चोरी या किसी भी तरह के साइबर अपराध से होने वाले आर्थिक नुकसान की भरपाई करती है, लेकिन इसकी उपयोगिता सिर्फ पैसों की वापसी तक सीमित नहीं रहती। यह पॉलिसी आपको तकनीकी सहायता, कानूनी मदद, डेटा रिकवरी और जरूरत पड़ने पर मानसिक तनाव से निपटने के लिए काउंसलिंग जैसे महत्वपूर्ण सहारे भी प्रदान करती है। यानी डिजिटल दुनिया चाहे जितनी तेज और आधुनिक क्यों न हो, उसके साथ आने वाले छिपे जोखिमों को कम करने का जिम्मा साइबर इंश्योरेंस ही निभाता है। आज के समय में यह सुरक्षा इसलिए और जरूरी हो गई है, क्योंकि डिजिटल जीवन में हम हर दिन ऐसे सूक्ष्म खतरों से घिरे रहते हैं, जिनका अंदाजा भी नहीं होता। न जाने कौन-सा ईमेल असली है या नकली, कौन-सी लिंक सुरक्षित है या जाल बिछाकर बैठी है, किस ऐप में मालवेयर छुपा है या कब कोई ठग हमारी पहचान चुराकर उसका गलत इस्तेमाल कर ले। साइबर हमले अचानक होते हैं और एक पल में बड़ा नुकसान करा सकते हैं। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस एक भरोसेमंद ढाल बनकर खड़ा होता है, जो मुसीबत में न केवल आपका आर्थिक सहारा बनता है, बल्कि डिजिटल जीवन के प्रति आपका आत्मविश्वास भी कायम रखता है।

डिजिटल सुविधा के साथ बढ़ता खतरा

ऑनलाइन काम जितने तेज हुए हैं, साइबर अपराधियों की चालें उससे भी ज्यादा चतुर हो गई हैं। डिजिटल सुविधाओं ने जिंदगी आसान की है, पर अनदेखे जोखिम कई गुना बढ़ा दिए हैं। एक फर्जी ईमेल या लिंक बैंक अकाउंट खाली कर सकता है, मालवेयर चुपचाप डेटा मिटा सकता है और ठग पहचान चुराकर आपके नाम पर लोन तक खुलवा सकते हैं। ये हमले अचानक होते हैं और एक क्लिक महीनों की मेहनत को खतरे में डाल सकता है। ऐसे समय में साइबर इंश्योरेंस अनिवार्य सुरक्षा ढाल बनकर आर्थिक नुकसान की भरपाई ही नहीं करता, बल्कि यह भरोसा भी देता है कि डिजिटल संकट में आप अकेले नहीं हैं।

किन-किन ऑनलाइन खतरों में देता है साइबर इंश्योरेंस मदद

- **अकाउंट से पैसे चोरी होना :** फिशिंग, स्पूफिंग या हैकिंग जैसे साइबर हमलों में एक गलत क्लिक आपका बैंक खाता खाली कर सकता है। ऐसे हालात में साइबर इंश्योरेंस आपका आर्थिक सहारा बनता है। आप जितनी राशि का कवर लेते हैं, नुकसान की भरपाई उसी सीमा तक की जाती है। यानी यदि आपने 5 लाख का कवर लिया है, तो उतने तक का वित्तीय सुरक्षा कवच आपको मिलता है।
- **पहचान की चोरी (Identity Theft) :** आजकल साइबर ठग आधार नंबर, पैन, मोबाइल नंबर और सोशल मीडिया प्रोफाइल जैसी संवेदनशील जानकारियां चुराकर आपकी नकली पहचान तैयार कर लेते हैं। इससे वे फर्जी लोन, क्रेडिट कार्ड या बैंक खाते खोलकर भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस पहचान मॉनिटरिंग, डेटा रिकवरी, क्रेडिट स्कोर निगरानी, कानूनी सहायता और आय के नुकसान की भरपाई जैसे महत्वपूर्ण सहारे प्रदान करता है।
- **मालवेयर या डेटा ब्रीच :** मोबाइल, लैपटॉप या किसी भी स्मार्ट डिवाइस में मालवेयर घुसने पर फाइलें खराब हो सकती हैं, डिवाइस बेहद स्लो होकर काम करना बंदकर सकता है और महत्वपूर्ण डेटा भी मिट सकता है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस आईटी विशेषज्ञों की सहायता, डेटा रिकवरी, मालवेयर हटाने और सिस्टम को पहले जैसी सुरक्षित स्थिति में बहाल करने की सेवाएं प्रदान कर आपकी डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **आपकी गलती से दूसरों को नुकसान (Third Party Liability) :** यदि आपके डिवाइस से अनजाने में भेजा गया वायरस किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान पहुंचा दे, तो वह आप पर दावा कर सकता है। ऐसी स्थिति में साइबर इंश्योरेंस तीसरे पक्ष के नुकसान की भरपाई के साथ वकील की फीस और अन्य कानूनी खर्चों का भी सहारा देता है।
- **साइबर बुलिंग या स्टॉकिंग :** ऑनलाइन हैरसमेंट, खासकर बच्चों के लिए, गहरा मानसिक तनाव पैदा कर सकती है और उनके आत्मविश्वास पर असर डालती है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस काउंसलिंग, जरूरत पड़ने पर स्कूल बदलने का खर्च और सुरक्षा से संबंधित अन्य आवश्यक सहायता प्रदान कर परिवार का सहारा बनता है।
- **साइबर एक्सटॉर्शन :** हैकर्स अक्सर सिस्टम लॉक कर रैनसम की मांग करते हैं और संवेदनशील डेटा लीक करने की धमकी देते हैं। ऐसी स्थिति में साइबर इंश्योरेंस सिस्टम अनलॉक कराने, एक्सटॉर्शन से निपटने की प्रक्रिया, डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने और कुछ मामलों में रैनसम की राशि तक कवर करने में मदद करता है।
- **ऑनलाइन शॉपिंग का धोखा :** नकली वेबसाइट, फर्जी ऑफर और गलत क्यूआर कोड जैसी ऑनलाइन धोखाधड़ी अब बहुत आम हो गई है, जिससे लोग तुरंत आर्थिक नुकसान झेलते हैं। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस सीधे हुए नुकसान की भरपाई करता है। बशर्ते घटना की जानकारी 48 घंटे के भीतर बैंक को दी जाए और रिफंड लेने का प्रयास किया गया हो।
- **स्मार्ट होम डिवाइस में साइबर अटैक :** आज कई घर स्मार्ट लॉक, स्मार्ट कैमरा, स्मार्ट लाइटिंग और होम ऑटोमेशन जैसे उपकरणों पर निर्भर हो चुके हैं, लेकिन इनमें मालवेयर घुसने पर पूरा सिस्टम अचानक बिगड़ सकता है। ऐसे मामलों में साइबर इंश्योरेंस मरम्मत, सिस्टम को दोबारा सामान्य स्थिति में लाने और तकनीकी खर्च की भरपाई जैसी सहायता प्रदान करता है।

किन स्थितियों में नहीं मिलता है इंश्योरेंस

साइबर इंश्योरेंस हर नुकसान नहीं भरता। कुछ खास स्थितियां कवर में नहीं आतीं–

- पॉलिसी लेने से पहले मौजूद कोई समस्या
- जानबूझकर की गई गलती या फ्रॉड
- बिजनेस से संबंधित साइबर घटना (पर्सनल प्लान में)
- डिवाइस का फिजिकल डैमेज
- शेयर/क्रिप्टो ट्रेडिंग का नुकसान
- क्रिप्टोकरेंसी का खो जाना
- परिवार के अंदर आपसी दावा
- युद्ध या किसी सैन्य घटना से नुकसान
- जुआ/सट्टेबाजी से नुकसान

आज के दौर में डिजिटल इंडिया में साइबर इंश्योरेंस अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। हम ऑनलाइन दुनिया में जितने सक्रिय हैं, उतना ही जरूरी है कि हम अपने आपको सुरक्षित रखें। साइबर इंश्योरेंस न सिर्फ आर्थिक सुरक्षा देता है, बल्कि डिजिटल हमलों के बाद उठने वाले तनाव और परेशानियों में भी साथ खड़ा रहता है। डिजिटल जीवन का विस्तार हो रहा है और उसके साथ बढ़ते जोखिमों से बचने के लिए साइबर इंश्योरेंस एक समझदार, जिम्मेदार और जरूरी कदम है।

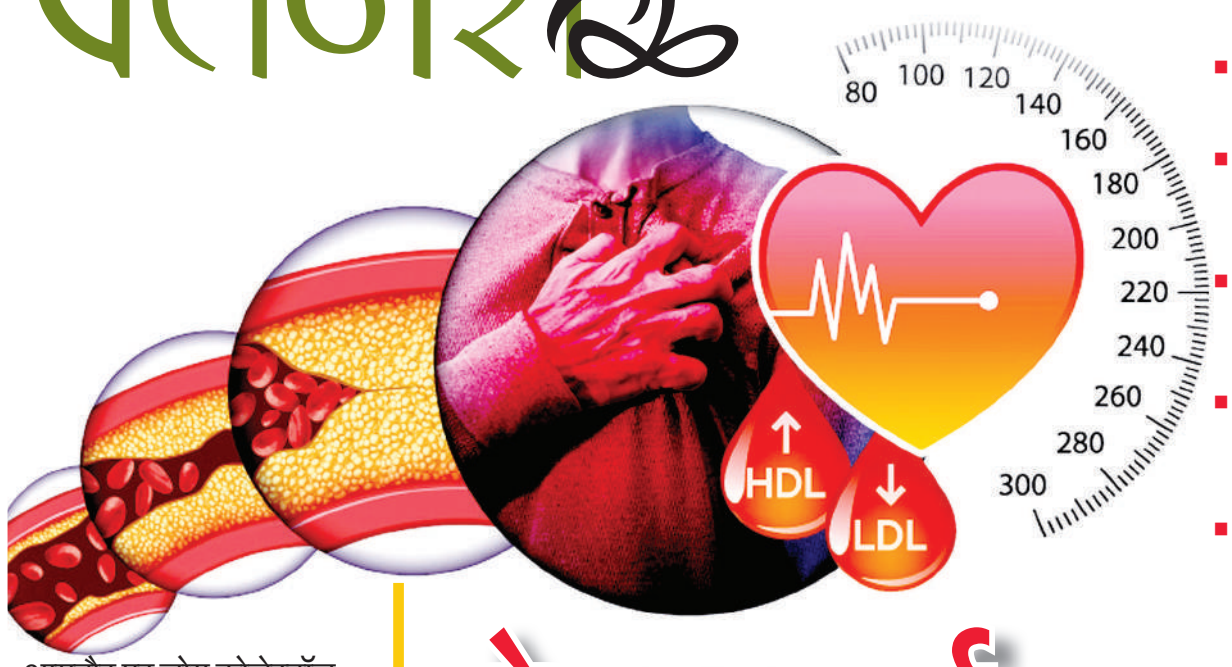

आमतौर पर लोग कोलेस्ट्रॉल को केवल हानिकारक मानते हैं, मगर वास्तविकता यह है कि यह शरीर के लिए जरूरी चर्बी है। कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया तो खतरा, लेकिन कम लोग जानते हैं कि यह हार्मोन विशेषकर पुरुष एवं स्त्रियों के जीवन रक्षक स्टेरॉयड हार्मोन, सेक्स हार्मोन आदि बनाता है और कोशिकाओं की सुरक्षा करता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह अपनी सीमाओं से बाहर चला जाता है। यानी-संतुलन बिगड़ा, स्वास्थ्य बिगड़ा। आयुर्वेद में इसे "रक्त मेद दुष्टि" कहा गया है-जहां शरीर में 'मेद' (फैट) की गुणवत्ता खराब हो जाती है और रक्त को चिपचिपा बनाकर उसकी गति धीमी कर देती है।

हेल्थ अलर्ट: खराब और अच्छा कोलेस्ट्रॉल

कैसे ठीक रखें कोलेस्ट्रॉल को

- सुबह 1 गिलास गुनगुना पानी और नींबू लें। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड वसा को घोलने में मदद करता है। आयुर्वेद में इसे "आमनाशक" कहा गया है यानी चिपचिपाहट हटाने वाला।
- दिन में 5 बादाम+1 अखरोट-HDL बढ़ाने का आयुर्वेदिक-वैज्ञानिक कॉम्बो, इसमें मौजूद हेल्दी फैट और विटामिन-ई खराब कोलेस्ट्रॉल को नूट्लाइज करते हैं। यह रेयर टेस्टटेड कॉम्बो है।
- मेथी के दाने रातभर भिगोकर सुबह खाना, इस मेथी LDL और ट्राइग्लिसराइड्स दोनों कम करती है। ये बात कई शोधों में साबित है। इसमें ओमेगा-3 पॉली अनसैचुरेटेड फैट्स होते है, जिससे यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है।
- लहसुन खाली पेट लेना- धमनियों से चर्बी हटाने में चमत्कारी लहसुन में एलिसिन नामक तत्व जमा वसा को घोलकर रक्त प्रवाह तेज करता है। 1-2 कली सुबह दूध के साथ अच्छी तरह मुंह में चबाने के बाद निगलना आयुर्वेद में 'रसोन क्षीरपाक' अत्यंत प्रभावी औषधि है।
- रात में 1 कप गुनगुना हल्दी वाला दूध लेना बहुत फायदेमंद होता है। यह धमनियों की सूजन कम करती है और ऑक्सीडेशन रोकती है।

  इससे प्लाक बनने की गति धीमी होती है। इसमें पाया जाने वाला 'कर्कुमिन' शरीर की चर्बी को नियंत्रित करने में सर्वश्रेष्ठ है।
- प्रतिदिन 20 मिनट तेज वॉक- HDL को बढ़ाने का सबसे सस्ता तरीका, रिसर्च कहती है कि सिर्फ 20 मिनट तेज चलने से गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) 5-7 प्रतिशत बढ़ जाता है।
- खाना हमेशा 70 प्रतिशत पेट भरकर-अधिक खाना कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का सबसे बड़ा कारण।

  आयुर्वेद का सिद्धांत है- "अतिमात्रा हि भोजना-मेदवृद्धि का मूल कारण।"
- हफ्ते में दो बार सत्तू या जौ का शर्बत, जौ प्राकृतिक "चर्बी-शोषक" कहा गया है। यह ट्राइग्लिसराइड्स को तेजी से गिराता है।
- तली चीजें और मिठाई कभी एक साथ न खाएं, दोनों मिलकर रक्त को चिपचिपा बनाते हैं और इंसुलिन स्पाइक को तेज करते हैं। इसे शरीर तुरंत ट्राइग्लिसराइड्स में बदल देता है।
- धनिया- रात में 1 चम्मच धनिया भिगोकर सुबह उबालकर पिएं। यह लीवर की सफाई करता है और रक्त की चर्बी को संतुलित रखता है। आयुर्वेद में इसे "रक्त-शोधक" माना गया है।

क्या कहता है आयुर्वेद

"पथ्य ही औषधि है।" यानी अगर खाना सही कर लिया, तो 70 प्रतिशत काम आप वहीं जीत लेते हैं। कोलेस्ट्रॉल दुश्मन नहीं-असंतुलन दुश्मन है कोलेस्ट्रॉल शरीर का जरूरी "कर्मचारी" है, लेकिन जब इसका कामकाज बिगड़ता है, तो यह धीरे-धीरे दीवारें चढ़कर दिल की राहें बंद करने लगता है। सही खाना, सही समय पर खाना, और सही जीवनशैली यही इसकी चाबी है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार

- LDL (बेड कोलेस्ट्रॉल) यह धमनियों की दीवारों में चिपकता है और धीरे-धीरे प्लाक बनाता है।
- ज्यादा बढ़ जाए तो दिल की नलियां संकरी हो जाती हैं।
- HDL (गुड कोलेस्ट्रॉल) यह शरीर का सफाईकर्मी है।
- LDL को उठाकर लिवर तक पहुंचाता है ताकि शरीर उसे बाहर कर सके।
- ट्राइग्लिसराइड्स आपकी बॉडी में अतिरिक्त खाई गई शक्कर और कार्ब्स यहीं जमा होते हैं। सर्दियों में मीठा ज्यादा खाने से ये अक्सर तेजी से बढ़ जाते हैं।
- कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कई कारण होते हैं। गलत खानपान जैसे तली चीजें, अधिक वसा वाले खाद्य पदार्थ, मीठा, जंक फूड और मैदे से बने उत्पाद LDL बढ़ाते हैं। सुस्त जीवनशैली और व्यायाम की कमी भी HDL को कम करने और वसा जमा करने में बड़ी भूमिका निभाती है। तनाव, मोटापा, धूम्रपान, शराब तथा आनुवंशिक कारण भी इस समस्या को बढ़ाते हैं। जब कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाता है, तो शरीर में थकान, भारीपन, सांस फूलना, सीने में दर्द, ब्लड प्रेशर बढ़ना, फैटी लिवर और दिल से जुड़े रोग जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। धीरे-धीरे धमनियों में प्लाक जमा होने लगता है, जिससे रक्त प्रवाह रुकावट का कारण बनता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

क्यों खतरनाक है कोलेस्ट्रॉल बढ़ना

- धमनियां धीरे-धीरे "जंग" खाती हैं -LDL का अतिरिक्त जमा होना ऑक्सीडेट होकर जंग की तरह दिल की नलियों को कठोर बना देता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है, जो हार्ट अटैक की जड़ है।
- दिमाग तक ऑक्सीजन का प्रवाह कम हो जाता है- कोलेस्ट्रॉल जमा होने से ब्रेन-फॉग, भूलने की आदत और सिर में भारीपन बढ़ता है। यह संकेत है कि दिमाग तक खून सही से नहीं पहुंच रहा।
- दिल का दबाव अचानक बढ़ता है- दिल को संकरी नलियों से खून पंप करने में ज्यादा ताकत लगती है, इससे बीपी बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है।

  जीवनशैली बदलाव भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिसमें रोजाना 30-45 मिनट तेज चलना, योग और प्राणायाम करना, वजन नियंत्रित रखना, तनाव घटाना और पर्याप्त नींद लेना शामिल है। इन उपायों से LDL कम और HDL बढ़ने लगता है, जिससे हृदय की सुरक्षा बेहतर होती है और शरीर ऊर्जा से भरपूर बना रहता है।

  समग्र रूप से देखा जाए तो कोलेस्ट्रॉल शरीर का दुश्मन नहीं, बल्कि आवश्यक तत्व है। इसका असंतुलन ही रोगों का कारण बनता है। यदि व्यक्ति संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, तनाव रहित जीवन और सही आयुर्वेदिक दृष्टिकोण अपनाता है, तो वह बिना दवाओं के भी अपने कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रित रख सकता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा कई मामलों में सबसे सुरक्षित और असरदार सिद्ध होता है, जिससे हृदय और संपूर्ण स्वास्थ्य दोनों का दीर्घकालिक संरक्षण संभव हो पाता है।

हृदय स्वास्थ्य के क्षेत्र में **रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली,** महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां चिकित्सक रोगियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारणों को संपूर्ण प्रकृति, आहार-अभ्यास, पाचन शक्ति, जीवनशैली और कफ-मेद दोषों के संदर्भ में समझते हैं। अस्पताल में औषधियों का वैज्ञानिक एवं नियंत्रित उपयोग किया जाता है, पंचकर्म विभाग में उद्वर्तन, स्वेदन, बस्ती और विशेष तेल अभ्यंग जैसे उपचार उपलब्ध हैं, जो शरीर से अतिरिक्त कफ-मेद को घटाकर चयापचय (मेटाबॉलिज्म) बढ़ाते हैं। संस्थान नियमित रूप से हृदय-स्वास्थ्य जागरूकता शिविर, लिपिड प्रोफाइल जांच, मोटापा प्रबंधन परामर्श और जीवनशैली सुधार कार्यक्रम भी चलाता है, जिससे मरीजों को भोजन, व्यायाम, योग, प्राणायाम और तनाव-नियंत्रण पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय का उद्देश्य दवाओं के बजाय रोगी की जीवनशैली को सुधारकर कोलेस्ट्रॉल के मूल कारण पर कार्य करना है, ताकि लोग दीर्घकाल तक स्वस्थ हृदय के साथ बेहतर जीवन जी सकें।

आयुर्वेदिक दिनचर्या: स्वास्थ्य का रहस्य

आयुर्वेद हमेशा एक बात बहुत स्पष्ट रूप से सिखाता है। अगर आपकी दिनचर्या सही है, तो आपका स्वास्थ्य हमेशा सही रहेगा। दिनचर्या का मतलब है अपने दिन को प्रकृति के अनुसार जीना। छोटी-छोटी आदतें भी बहुत बड़ा बदलाव लाती हैं। सूर्योदय से पहले उठें या जितना जल्दी हो सके उठें। यह एक आदत आपका मूड, पाचन, ऊर्जा सब कुछ सुधार देती है। सूर्योदय से पहले उठना कई लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए शुरुआत में रोज 20 मिनट पहले उठें और धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाएं। इस समय प्रकृति शांत होती है, इसलिए आपका मन भी शांत होता है।

साक्षी मित्तल
आयुर्वेदिक चिकित्सक

- गुनगुने पानी से दिन की शुरुआत करें, सुबह खाली पेट एक कप गुनगुना पानी (इससे ज्यादा नहीं) अग्नि यानी पाचन शक्ति को जागृत करता है और पेट को स्वस्थ रखता है।
- इंद्रियों की सफाई करें- तांबे की जीभ साफ करने वाली से जीभ साफ करें।
- चेहरा और आंखें धोएं- शरीर की जरूरत के अनुसार नाक में 1-2 बूंद घी या तेल डालें, यह आदत एलर्जी, सिरदर्द को कम करती है और सांस लेने की क्षमता बढ़ाती है।
- अभ्यंग- तेल मालिश बस 5 मिनट, गर्म तेल पूरे शरीर पर लगाएं या कम से कम पैरों, जोड़ों और सिर पर। यह नसों को शांत करता है, नींद सुधारता है और तुरंत वात को संतुलित करता है।
- हल्का व्यायाम- अधिक जोर लगाने की जरूरत नहीं। सूर्य नमस्कार या हल्की तेज चाल से 10-15 मिनट चलना बस इतना काफी है कि शरीर हल्का गर्म हो जाए।
- गर्म पानी से स्नान और साधारण नाश्ता- गुनगुने पानी से स्नान शरीर को तरोताजा करता है, लेकिन बालों को कभी भी गर्म पानी से न धोएं। हमेशा सामान्य नल के पानी का उपयोग करें।
- नाश्ता हल्का होना चाहिए कुछ गरम, ताजा और पचने में आसान। पैकेट वाला और ठंडा खाना सुबह के समय न खाएं।
- दोपहर का खाना सबसे मुख्य भोजन- आपकी अग्नि दोपहर में सबसे अधिक मजबूत होती है। यह दिन का सबसे भारी भोजन होना चाहिए। दाल, रोटी, चावल, सब्जियां, घी सब संतुलित मात्रा में लें। यह पाचन को बहुत स्थिर बनाता है।
- धीमी शामें अपने जैविक घड़ी के साथ तालमेल बैठाएं- सूर्यास्त के बाद स्क्रीन टाइम कम करें। हल्का टहलें, संगीत सुनें, परिवार से बात करे। शरीर को आराम की ओर जाने दें।
- जल्दी रात का भोजन अपनी भूख का आधा खाएं-रात का खाना हल्का रखें और कोशिश करें कि 9 बजे से पहले कर लें। यह एक आदत नींद, त्वचा, पाचन और वजन सबकुछ सुधार देती है।
- खाने के बाद लंबी वॉक नहीं आयुर्वेद कहता है शतपद, यानी सिर्फ सौ कदम। सोने से पहले- पैरों के तलवों पर घी लगाएं, फोन दूर रखें और जल्दी सो जाएं। आयुर्वेद कहता है अच्छी नींद ही सबसे अच्छी दवा है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। यदि बीते कुछ समय से किसी के साथ अनबन चल रही थी तो किसी व्यक्ति विशेष की मदद से आपके रिश्ते पटरी पर आ जाएंगे। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह ठीक-ठाक जाने वाला है। इस संबंध में की गई यात्राएं शुभ और मनचाहा फल देने वाली साबित होंगी।

वृष
इस सप्ताह हर कदम फूंक-फूंक कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। सावधानी हटी तो दुर्घटना घटी। इस बात को आपको हर समय याद रखना होगा। आप किसी पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और अहम फैसले बहुत सोच-समझकर लें।

मिथुन
इस सप्ताह आपको अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा आपको मिलने वाले लाभ और सफलता का प्रतिशत कम हो सकता है। आपकी महत्वाकांक्षा बढ़ी हुई रहेगी। हालांकि करियर और कारोबार की आपाधापी के बीच आपको शारीरिक एवं मानसिक थकान बनी रह सकती है।

कर्क
इस सप्ताह आपको बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। यदि आप लंबे समय से पदोन्नति अथवा मनचाहे स्थान पर तबादले के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है। बेरोजगार लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।

सिंह
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हैं। इस सप्ताह आप अपनी जीवन को खूब आनंद उठाते हुए नजर आएंगे। सप्ताह की शुरुआत में आपको किसी धार्मिक अथवा मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। इस दौरान आपकी लंबे अरसे बाद किसी प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात संभव है।

कन्या
यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। सप्ताह की शुरुआत करियर और कारोबार की दृष्टि से अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का पूरा सहयोग मिलेगा। सीनियर आपके कामकाज से प्रसन्न होकर कोई अहम जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। व्यवसाय के संबंध में की गई यात्राएं अत्यंत ही शुभ रहने वाली है।

तुला
इस सप्ताह की शुरुआत में किसी भी कार्य को असमंजस की स्थिति में करने से बचना चाहिए। इस सप्ताह आप यदि आप किसी चीज भाग्य भरोसे छोड़ते हैं तो आपको उसमें खासा नुकसान झेलना पड़ सकता है। आपको कामकाज में कुछेक अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
इस सप्ताह आपको किसी भी काम में लापरवाही बरतने और नियमों का उल्लंघन करने से बचना होगा अन्यथा बेवजह की आर्थिक औरमानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। घर के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत और परिवार में भाई-बहनों के साथ किसी बात को लेकर हुआ मतभेद आपकी चिंता का कारण बनेगा।

धनु
यह सप्ताह जरा ज्यादा ही भागदौड़ भरा रह सकता है। यदि आप इस सप्ताह अपने काम को समय पर योजनाबद्ध तरीके से करते हैं तो आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा सफलता और लाभ प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह करियर-कारोबार के सिलसिले में अपने जन्मस्थान से कहीं दूर यात्रा करनी पड़ सकती है।

मकर
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं, जिसके चलते आपका बना बनाया बजट बिगड़ सकता है। यह पूरा सप्ताह खर्चीला रहने वाला है। आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए आपको इस सप्ताह अधिक मेहनत और प्रयास करने होंगे।

कुंभ
यह सप्ताह सामान्यत: अनुकूल फलप्रद रहने वाला है। इस सप्ताह आप किसी नई योजना में धन निवेश कर सकते हैं, जिसका भविष्य में आपको लाभ प्राप्त होगा। सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। इस सप्ताह आपको दूर स्थान अथवा विदेश आदि से करियर-कारोबार को लेकर बड़ा अवसर मिल सकता है।

मीन
यह सप्ताह राहत भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपके द्वारा किए प्रयासों के सकारात्मक फल मिलते हुए नजर आएंगे। इस सप्ताह आपकी रुचि रचनात्मक कार्यों में रहेगी। आप करियर-कारोबार को चमकाने के लिए आप दो कदम आगे बढ़कर कार्य करेंगे। इस संबंध में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा भी संभव है।

ठंड में राहत का सहारा
गुनगुनी धूप और स्वास्थ्य

सर्दियां शुरू होते ही ज्यादातर लोग जोड़ों के दर्द और शरीर की नसों में होने वाली अकड़न-जकड़न की शिकायत करने लगते हैं। बहुत से लोगों का तो खून भी गाढ़ा होने लगता तो वे उसकी वजह से शरीर में अकड़न-जकड़न का अनुभव करते और परेशान रहते हैं। दरअसल इन दिनों शीत लहर व तापमान में गिरावट होने के कारण सभी के शरीर में रक्त का संचार सही ढंग से नहीं हो पाता, तो उसकी वजह से सुन्नपन और ऐंठन आदि भी महसूस होती है। जैसे-जैसे सर्द हवा बढ़ती जाती है वैसे-वैसे ही लोगों को उसकी वजह से अपने शरीर के जोड़ों में भी तनाव और खिंचाव महसूस होता है तो वे इसे लेकर दर्द में तड़पते रहते हैं।

सभी को इन दिनों सुबह की धूप में कुछ देर जरूर बैठना चाहिए। हड्डियों और रीढ़ में धूप की गर्माहट को धीरे-धीरे उतरने दें, इससे हर एक नस में गर्माहट पहुंचती और नसे धीरे-धीरे खुलने लगती हैं। इसके अलावा घुटने व उंगलियों के जोड़ों को भी आराम अनुभव होता और रक्त संचार में भी कुछ तीव्रता आती, जिससे संपूर्ण शरीर में एक नूतन ताजगी भर जाती है।

सर्दियों में धूप सबको भली लगती और सुबह की हल्की गुनगुनी धूप तो प्रकृति का वरदान है, जिसमें नहाकर शरीर का रोम-रोम नाचने लगता है। जैसे-जैसे धूप के कण त्वचा के छिद्रों से धीरे-धीरे भीतर समाते हैं वैसे-वैसे ही हमारे शरीर की हर एक नस में ऊर्जा व ऊष्मा का संचार होता, जो तन को सर्दियों में गर्मियों के अहसास से जागृत कर देता है। इसके अलावा हर रिसर्च में यही सामने आता है कि लोगों के शरीर में विटामिन-डी की कमी भी पाई जा रही, जिसकी वजह से उन्हें हड्डियों के जोड़ों व शरीर की नसों में तकलीफ होने लगती है। यह भी हम सब बेहतर तरीके से जानते हैं कि सूरज ही विटामिन-डी का प्राकृतिक स्त्रोत, जिसमें कुछ समय बिताने से हमारे शरीर को प्राकृतिक ढंग से विटामिन-डी प्राप्त होता है, जिसकी पूर्ति भले हम सप्लीमेंट्स लेकर कर सकते हैं, पर यदि उसे सही तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करें, तो यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। वैसे भी आयुर्वेद में धूप स्नान की महिमा का वर्णन किया गया, जो कहता है कि, सुबह की हल्की धूप हमारे तन-मन दोनों के लिए ही बेहद जरूरी और रोज यदि कुछ समय इसे लिया जाए, तो हड्डियां मजबूत बनी रहती हैं।

इंदु सिंह
लेखिका

सर्दियों में तो धूप लेना वैसे भी सबको भला लगता पर, समय अभाव का बहाना करके बहुत से लोग इससे बचते हैं। अतः सबको सुबह जितना संभव हो समय निकालने का प्रयास करना चाहिए। समय का न होना कहकर इससे बचना हमारे लिए दिक्कतें पैदा कर सकता है। बेहतर है कि समय का ऐसा प्रबंधन करें कि तन और मन धूप में नहाकर अपने आपको तरोताजा महसूस कर सकें।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 37

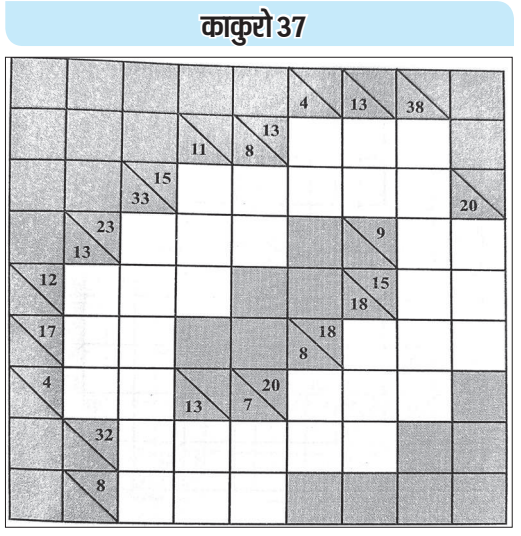

काकुरो 36 का हल

		8	6		37	14		
	3	2	1	4 38	1	3		
	35	6	5	7	8	9	14	4
			21	1	6	2	9	3
	4	8	13	6	7	6	5	1
4	1	3	10 14	8	2			
15	3	5	1	2	4	10	16	
		35	6	5	9	8	7	
		16	7	9	11	2	9	

कहानी

एक थी मालती

मालती सत्रह बरस की थी-उजली, शांत और अल्हड़। उसकी आंखों में कुछ ऐसा था, जो किसी को भी थाम ले, लेकिन उनमें छिपा एक दर्द कोई नहीं पढ़ पाता था। बनखेड़ी गांव की यह लड़की अपनी पढ़ाई में अव्वल थी, पर अपने अंदर जैसे किसी अनकहे डर का बोझ उठाए फिरती थी।

उसकी मां विधवा थी-दिन-रात दूसरों के घरों में काम करके बेटी को पढ़ा रही थी। मालती को कॉलेज भेजना उसके लिए किसी तपस्या से कम नहीं था। गांव की औरतें अक्सर कहतीं- "लड़की को इतना पढ़ाकर क्या करोगी? आखिर तो ब्याह ही करना है।" पर मां बस मुस्कुराकर रह जाती। उसे उम्मीद थी कि मालती उसका अधूरा सपना पूरा करेगी।

इसी बनखेड़ी में कुछ लड़के 'मोबाइल गैंग' के नाम से मशहूर थे। दिनभर वीडियो बनाते और यूट्यूब पर डालते। उनमें एक था विनोद, जो अपने चैनल की बदौलत गांव में 'सेलिब्रिटी' बन गया था। स्मार्टफोन, बाइक, ब्रांडेड कपड़े और रोज नई वीडियो-यही उसकी पहचान थी।

वाजिद हुसैन सिद्दीक़ी
कहानीकार

विनोद की नजरे अक्सर मालती पर टिक जाती। कॉलेज जाते-आते वह उसे देखता, बातें करने की कोशिश करता। एक दिन उसने मौका पाकर कहा- "मालती, एक बात कहूं?" "कहो।"

"तुम बहुत समझदार हो, पर मुझे लगता है, तुम्हारी मां को तुम्हारी पढ़ाई का खर्च उठाने में मुश्किल होती होगी।"

मालती चौंकी। उसकी आवाज धीमी पड़ गई- "हां, कुछ हद तक सही कहा तुमने।"

विनोद ने चालाकी से मुस्कुराते हुए कहा- "तुम बहुत सुंदर हो, तुम्हारी आंखें नशीली हैं। अगर तुम यूट्यूब पर अपने वीडियो डालो, तो लोग तुम्हें स्टार बना देंगे। दौलत तथा शोहरत तुम्हारे क़दम चूमेगी।

"मालती ने झिझकते हुए कहा -पर मेरे पास मोबाइल नहीं है, और न ही इतनी खर्च करने की औकात।" विनोद हंसा- "वह मेरी ज़िम्मेदारी है।"

कुछ दिन बाद उसने मालती से कहा- "देखो, मैंने यूट्यूब से अच्छी खासी आमदनी की है। यही खुशी तुमसे साझा करने का मन है।" उसने खुशी में एक मोबाइल मालती को उपहार में दिया- "मेरे लिए बनखेड़ी का तुम मस्त वीडियो बनाना-जब अपलोड करने का टाइम हो, मैं मिलुंगा वहीं-जहां कोई आता-जाता नहीं।"

पहली बार मालती के चेहरे पर सपनों की लहर दौड़ी। उसने मोबाइल को चोली में छुपा लिया। मालती उन्हीं ख्यालों में खोई थी कि उसका मोबाइल बज उठा- "मैं आ रही हूं।" और फोन कट हो गया था। मालती ने इतनी चतुराई से फोन निकाला, अंदर डाला। शायद ही उस पर किसी की नजर गई हो।

उसने अपना रूप-रंग संवारा, वेशभूषा बदली और अगले ही पल वह बनखेड़ी से गायब हो चुकी थी।

"किसी ने देखा तो नहीं तुम्हें आते हुए।" विनोद ने चांद की मधुर रोशनी में मालती से कहा। धीरे-धीरे कॉलेज छूटने लगा। मालती हर दूसरे दिन विनोद से मिलती। फिर यह उनका रोज का शगल बन गया था। दोनों नहर किनारे, खेतों की पगडंडियों पर वीडियो बनाते- डांस, रील्स, हंसी मजाक। विनोद उससे बार-बार कहता, "देखना, एक दिन तेरे लाखों फॉलोअर्स होंगे।" पर उसे नहीं बताया कि वह वीडियो कैसे और किन चैनलों पर अपलोड हो रहे हैं।

मालती के हाव-भाव, कपड़े और बोलने का तरीका बदलने लगा। अब वह गांव की लड़की नहीं, किसी अजनबी ग्लैमर की दुनिया का हिस्सा लगती थी।

फिर एक दिन किसी ने उसकी मां से कहा- "तेरी बेटी कॉलेज नहीं जा रही। रोज उस विनोद के साथ घूमती रहती है।"

मां का चेहरा राख हो गया। रात को उसने मालती से पूछा- "बेटी गांव वाले बातें बना रहे हैं। अगर तू चाहे तो मैं गिरधर से तेरा विवाह कर दूं, वही जो परचून की दुकान चलाता है। अच्छा लड़का है।"

मालती ने दृढ़ आवाज में कहा, "अब शादी के लिए 'जी और घी' लगाने का समय नहीं रहा। मैं अब वह नहीं, जो पुराने ढर्रे पर चलूं, जो सच्ची ताकत और समझदारी रखेगा, वही मेरा जीवनसाथी बनेगा।

मां के होंठ कांप उठे। आंखों में आंसू ढलके, पर शब्द नहीं निकले। कुछ दिन बीते। एक शाम गांव में शादी थी। डीजे की धुन पर सब झूम रहे थे, पर मालती का मन कहीं और था। वह बार-बार फोन देखती। तभी विनोद का मैसेज आया- "आज पूरा चांद खिला है। चलो नहर किनारे- कुछ रील्स बनाते हैं।"

मालती बिना किसी को बताएं चुपचाप निकल गई। नहर के पास चांदनी फैल रही थी। हवा में ठंडक थी, लेकिन उसका दिल तेजी से धड़क रहा था। वहां विनोद पहले से मौजूद था- साथ में उसके दो दोस्त भी।

विनोद ने मुस्कुराकर कहा- "डर क्यों रही

हो, हम बस शूट करेंगे। पर उसकी आंखों में वह चमक नहीं थी, जो पहले हुआ करती थी।

सुबह जब सूरज उगा, नहर के पानी में एक शव तैर रहा था। गांव के लोग जमा थे। पुलिस आई। इंस्पेक्टर ने पूछा-"किसी को इस लड़की के बारे में जानकारी है?"

मौन छा गया। कोई नहीं बोला कि यह गांव की बेटी है। इस समय शव की चोली से मोबाइल बज उठा। महिला कांस्टेबल ने झुककर मोबाइल निकाला। स्क्रीन पर नाम चमका, "अम्मा कॉलिंग..."

कांस्टेबल ने फोन उठाया, पर बोल नहीं पाई। दूसरी ओर से बस एक थकी हुई मां की आवाज आई- "मालती... तू लौट क्यों नहीं रही?"

हवा में एक अजीब सन्नाटा था। नहर की सतह पर चांदनी थरथरा रही थी- मानो वह भी उसे मासूम चेहरे को ढक लेना चाहती हो। भीड़ में से किसी ने व्यंग्य किया- "देखो, यही है पाश्चात्य सभ्यता का असर।"

कविता/गीत

स्लीप डाइवोर्स

हां आज एक नया फैशन बन गया है
जोड़ों के बीच, मुख्य कारण
दोनों में से किसी एक का
बाहर प्रेम संबंध
जब कोई एक का बाहर रिश्ता
मजबूत होने लगता है
तब साथ ही घर के भीतर संबंध
खोकला होने लगता है
एक दिन में ही नहीं संपन्न हो
जाता है स्लीप डायवोर्स
पहले व्यक्ति मन से अलग
होता है
फिर बगल में सोने से कोफ्त
होती है
उसे कोफ्त को कम करने के
लिए दूर सोना शुरू कर देता है
और फिर एक समय बाद
ये आदत में शामिल हो जाता है
दोनों तरफ से स्वीकार कर
लिया जाता है
स्त्री पहले तो सकुचाती है
फिर स्वीकार कर लेती है
हक जताना छोड़ देती है
अब दुनिया के समक्ष
दोनों साथ हैं, पर अलग हैं
एक ही छत के नीचे, पर दूर हैं
न कोई झगड़ा, न कोई बहस
बस एक शांति, एक
उदासीनता

स्लीप डायवोर्स, एक नया नाम
एक नई दिशा, एक नया काम
दोनों अपनी दुनिया में मग्न
एक दूसरे के बिना भी, अकेले

न कोई प्रेम, न कोई आकर्षण
बस एक सहजीवन, एक
मजबूरी का बंधन
दोनों साथ हैं, पर अलग हैं
एक ही छत के नीचे, पर दूर हैं

स्लीप डायवोर्स, एक नई सोच
एक नई दिशा, एक नया मोड़
दोनों अपनी दुनिया में खुश
एक दूसरे के बिना, भी अकेले
नहीं।
अब स्पेस ही स्पेस है
दोनों तरफ
न कोई प्रश्न न उत्तर

सीमा मधुरिमा
लखनऊ

सूरज गढ़ना है

लगता है इस घर से निकलने
में सालों लगेंगे
जुबां चुप है पर आंखों को कैसे
ताले लगेंगे,

समझना अभी चल रहा है बड़े
जोर-जोर से
पर दुख है कुछ इल्जाम तेरे भी
हवाले लगेंगे,

तख्तो -ताज पर बैठे हैं सत्ता
के भूखे-प्यासे
उनको तो इंसानियत
समझाने वाले लगेंगे,
क्यों नजर से उतारकर
बुरा बन रहे हो
सब बदलते हैं...जब चार
लोग आने लगेंगे,

वक्त बुरा है, सब दिल भर बुरा
कर लो
अच्छे वक्त में तुम्हीं हमारे गीत
गाने लगोगे।

रेखा शाह
बलिया

गिराओ मत, साथ चलो

अब, यहां कौन गिराएगा?
यहां कोई नहीं है ऐसा

न कोई डर, न कोई भय है,
मैं सबका और सब मेरे हैं,
जिंदगी बिंदास है यहां,
आसमान में भी धुंधली नहीं
है यहां,
सभी को दूर तक साफ
दिखता है यहां,
इसीलिए तो सब के दिल शीशे
की तरह साफ हैं यहां,
इस जहां को रोशन के लिए
सभी की चमकती आंखें
है यहां,
जिसको जितना मिल जाता है,
उसी में जीभर जी लेते हैं यहां,
मतलब साफ है, सब खुलकर
जीते हैं अपनी जिंदगी यहां,
मेरा-मेरा नहीं, "हमारा है"
की थ्योरी है यहां,
अब इन प्रेम भरे हालातों में
कौन गिराएगा यहां?
गिराने वाले नहीं, साथ चलने
वाले है यहां!
फिर भी गिराओगे? तो
वक्त तुम्हारा भी जाया होगा,
तो क्यों न हम साथ चलें!
जो तुम अकेले नहीं कर पाए,
उम्मीद है मिलकर कर लेंगे
पूरा उसे, यहां।

डॉ बी. पी. सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय
क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

लघुकथा

किसका घर

"सुनों प्रतिभा, कुंभ स्नान के लिए चलते हैं। कुछ दिन घर से बाहर रहेंगे, तो सुकून मिलेगा। बेटे और बहुओं में आए दिन की कलह से बचे भी रहेंगे।" देवेश ने पत्नी से कहा। पत्नी ने पति को लाचार निगाहों से देखा। कुछ क्षण मौन रही। फिर कहने लगी- "आत्मिक शांति के लिए अध्यात्म ने प्रयास तो बहुत किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। चार दिन बाद वापस यहीं लौटकर आना पड़ेगा। चार दिन की खुशियों से बाकी बचा जीवन तो कटने वाला नहीं?"

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

"आस्था के मार्ग से भटक जाना ही दोष है। क्या पता, इस मार्ग से हम भी भटक रहे हों? और वहां सुकून के अच्छे दिनों में क्या मालूम, हम भगवान को प्यारे हो जावें। पहले चल तो पड़ें। वहां तय कर लेगें कि कहां समय बिताना है? और कैसे बचे दिनों को जीना है?"

"नहीं। जिस औलाद को जन्म दिया। समझा कि बुढ़ापे में ये हमारा ख्याल रखेंगे। वही बेकद्री करने लगें, तो बात समझ से परे हो जाती है।... उस दिन, तीनों लड़कों के बीच नौंक-झौंक के बाद जो झगड़ा हुआ, उसे बर्दाश्त करने की हिम्मत न तुम्हारी रही, ना मेरी?"

"अभी तक तो इनके खर्चे हम ही कर रहे हैं। इतने पर भी ये हालत? खर्च करना बंदकर देगें, तब देखना-ये न तुम्हारे रहेंगे, न मेरे?"

"बात तो ठीक है। अब मोह, प्रीत और ममता मिटती जा रही है। यहां भी रहने को मन नहीं है। सोचा नहीं था, ऐसे भी दिन देखने पड़ जाएंगे। जैसा आपको अच्छा लगे, वही ठीक। आगे नसीब में जो होगा, देखा जाएगा?"

अगली सुबह। कंधों पर बैग लादे दोनों पति-पत्नी घर से बाहर निकल लिए। बेटे और बहुएं तो नींद से जागे भी नहीं थे। वे सोकर ही देर से उठते हैं। उन्हें तो मालूम भी नहीं कि मां-बाप कहीं बाहर जाने की तैयारी में हैं। घर से निकले और दस-पन्द्रह कदम ही चले थे कि पत्नी पीछे मुड़कर घर की तरफ अजीब-सी नजरों से देखने लगी।

देवेश ने पूछा- "पीछे मुड़कर क्या देख रही हो प्रतिभा?"

"देख रही हूं, इस बसेरे को बनाने में, पूरा एक जन्म बीत गया। कितना परिश्रम किया और पसीना बहाया। तिनका-तिनका जोड़कर इसे पूरा किया। सुख के दिन और रातें बीत गई। हमारा मोह था, इसे बनाने और संवारने में। यह कभी हमारे सपनों का महल था। आज सोचती हूं- "जानते नहीं थे कि यह घर कभी हमारा नहीं रहेगा?"

कुछ अलग

तलाश आत्मा की

प्रत्येक आत्मा के दो हिस्से होते हैं और ये दोनों हिस्से किन्हीं अलग-अलग दो शरीरों में कहीं न कहीं समाये रहते हैं। आत्मा के इसी मिलन के प्रयास में अक्सर मनुष्य का सारा जीवन गुजरता है, जिसे हम आज आधुनिक युग की भाषा यानी अंग्रेजी में "बैटर हाफ कहते हैं"। पर मैं जहां तक समझती हूं, यदि इसी अंग्रेजी शब्द के सही एवं तार्किक अर्थ की सही व्याख्या की किया जाए, तो वह सही शब्द "बैस्ट हाफ होना चाहिए"। क्योंकि उसी बैस्ट हाफ की सच्ची तलाश का नाम ही तो जीवन है।

सरल शब्दों में यदि समझा जाए तो सुनिए! एक राजा था और

सीमा शर्मा "तमन्ना"
नोएडा

उसकी आत्मा किसी पक्षी में निवास करती थी अर्थात जीवन का संचालन कहीं दूर जाकर बैठे पक्षी पर निर्भर था। ठीक वैसे ही, जैसे प्रत्येक आदमी अपनी जिंदगी में, उसी पक्षी रूपी आत्मा की खोज करता रहता है। वैसा ही जीवन अपनी "बेटर हाफ" (दांपत्य) में खोजता है।

अब यहां ध्यान देने योग्य बात यह है कि, जिसकी यह कोशिश पूरी हो जाती है, उसका जीवन सुखमय हो जाता है, अन्यथा जीवनभर उसी की खोज में भटकता रहता है। एक के बाद दूसरा, दूसरे के बाद तीसरा और जब तक आत्मा का वह हिस्सा, मिल नहीं जाता तब तक, उसकी खोज में लगा रहता है। किसी को भी धन यश और यौवन की चाहत न हो, यदि उसकी यह खोज पूरी हो जाए। अपना सब कुछ दान करने वाले राजा हरिश्चंद्र का जीवन, जिन्हें रहने के लिए जगह मिली भी तो वह बनारस के श्मशान घाट पर, वे अपनी पत्नी के साथ घास-फूस की झोपड़ी में रहने लगे। एक रात जब बारिश में झोपड़ी टपक रही थी, तो राजा ने पत्नी से कहा- "हे प्रिये! देखो मैं तुम्हें कितनी तकलीफ दे रहा हूं, राज महल छोड़कर तुम्हे यहां रहना पड़ रहा है। जानते हैं राजा हरिश्चंद्र के इस प्रश्न के उत्तर रानी ने क्या दिया? रानी बोली-"हे आर्य! जब कोई अपने प्रिय के सानिध्य में है, तो उसे क्या फर्क पड़ता है? फिर उसके लिए महल और झोपड़ी एक समान ही प्रतीत होती हैं।" यदि सच पूछो तो दोस्तों जब आधी आत्मा हमारे साथ है, तो हमें किसी बात से क्या फर्क पड़ता है। सत्य है इसी सकारात्मक निर्मल निश्छल भाव को रख यदि हम अपनी खोज में कहीं एक स्थान पर संतुष्ट हो जाएं, तो भटकना ही न पड़े, किंतु उससे पहले स्वयं के मन-मस्तिष्क द्वारा यह तय करना पड़ेगा कि हम जो खोज रहे क्या हम स्वयं भी उस खोज की कसौटी पर खरे उतरते हैं, जिसके कारण हम उसके अंत (संतुष्टी) तक नहीं पहुंच पाते।

समीक्षा

खूबसूरत कहानियां

वीना सिंह साहित्य के आकाश पर एक चमकता हुआ ऐसा सितारा है, जो साहित्य की सभी विधाओं पर अधिकार रखती हैं। वह समसामयिक विषयों पर जितना सटीक और सकारात्मक लेख लिखती हैं, उतना ही ज्ञानवर्धक निबंध और कल्पनाओं की उड़ान से परिपूर्ण कहानियां भी लिखती हैं और इसी के साथ-साथ उनकी तीखी, चुटकीली और व्यंग्यात्मक शैली इतनी प्रभावशाली होती है कि पाठक उसे गहराई से महसूस करने को मजबूर हो जाता है। गौरतलब है कि व्यंग्य संग्रह "हल्के में ना लो जी" उनकी पांचवी पुस्तक है, जो कि उनका साहित्य के प्रति समर्पण एवं रुचि को प्रदर्शित करती है। पुस्तक के मुख्य पृष्ठ पर दृष्टि डालें, तो वह स्वयं में बहुत कुछ कहता हुआ नजर आता है और शीर्षक तो नारी के व्यक्तित्व को कमतर आंकने की भूल न करने का संदेश देता हुआ है। जैसा कि समाज में भ्रम है कि महिलाएं शारीरिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से कमजोर अर्थात अबला होती हैं, उन्हें ईश्वर ने केवल हल्के कामों के लिए ही बनाया है। इसलिए वह कभी भी पुरुषों के बराबरी नहीं कर सकती हैं। यह सच है कि ईश्वर ने महिलाओं को शारीरिक रूप से पुरुषों से कमजोर अवश्य बनाया है, परंतु वे मानसिक, बौद्धिक और आर्थिक रूप से पुरुषों की अपेक्षाकृत अधिक मजबूत होती है, ऐसे ही नहीं कहा जाता है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवताः" अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवता का वास होता है। लेखिका ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज में व्याप्त इस भ्रम को दूर करने का सफल प्रयास किया है। संग्रह के सभी व्यंग्य 'गागर में सागर' की तरह छोटे अवश्य हैं, मगर सभी कुछ न कुछ सामाजिक संदेश देते हुए हैं। सच कहें, तो हर व्यंग्य पाठक के मानस पटल पर चोट करता हुआ है, जो कि लेखिका के विषय पर गहरी पकड़ को प्रदर्शित करता है। कम शब्दों में बहुत कुछ लिखना उनकी लेखनी का कमाल है। उनकी लेखन कार्य निरंतर अबाध गति से चलती रहे और वह अपने व्यंग्यों के माध्यम से साहित्य प्रेमियों को ऐसे ही हसांती रहें, गुदगुदाती रहें और समाज में फैली विषमताओं को अपनी धारदार लेखनी से उजागर कर जनमानस का जीवन सरल और सहज बनाती रहें।

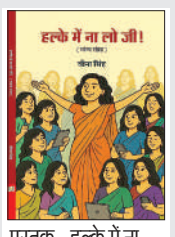

पुस्तक -हल्के में ना लो जी
विधा-व्यंग्य संग्रह
लेखिका-वीना सिंह
प्रकाशन- इंडिया नेटबुक्स प्राइवेट लिमिटेड
मूल्य-रु. 299
समीक्षिका- श्रीमती सुषमा मिश्रा, लखनऊ

व्यंग्य

भैय्या का सूट

वैसे तो राहुल के भैय्या लीडिंग क्रिमिनल लायर हैं, लेकिन प्रोफेसर भाभी के आगे 'मैं तो जोरू का गुलाम' वाले मोड में ही रहते हैं। भाभी के मायके से संबंधित किसी फंक्शन में या ऐसे किसी आयोजन में जहां से निमंत्रण पत्र भाभी के संबंध से आया हो, वहां भैय्या क्या पहनेंगे?, किससे-किससे क्या-क्या बात करेंगे या क्या-क्या करेंगे? सब कुछ भाभी ही फाइनल करती हैं।

भाभी के मायके में नववर्ष पर प्रतिवर्ष रंगा-रंग कार्यक्रम आयोजित होता है, जिसमें भाभी की सभी बहनें, रिश्तेदार बुलाए जाते हैं। चार दिन पहले ही भाभी ने विद्यालय से फोन किया था- "भैय्या के यहां आपको नए सूट में चलना है। विद्यालय आते समय टेलर को कपड़ा दे आई हूं। कचहरी से लौटते हुए नाप दे आना।" वैसे तो भैया बहुत भुलक्कड़ हैं, घर में किसी अन्य सदस्य द्वारा कही बात का चेत जल्दी नहीं रखते पर भाभी की बात विस्मृत हो जाएं, यह संभव नहीं है। वे विद्यालय से सीधे टेलर के यहां ही गए थे। घर आने पर बहन ने जब अपने सूट के विषय में पूछा, जिसे वह टेलर के यहां दे आई थी और आज भैया से उसने भी ले आने बाबत फोन किया था, तो राहुल ने चुटकी ली थी- "सिर्फ भाभी की किसी भी बात में 'का चुप साधि रहे बलवाना' नहीं कहना पड़ता, बाकी हम किस खेत की मूली हैं। भैया कसमसा कर रह गए थे।

आज समयावधि में टेलर द्वारा सूट न देने से भाभी का पारा सातवें आसमान पर जाना ही था।

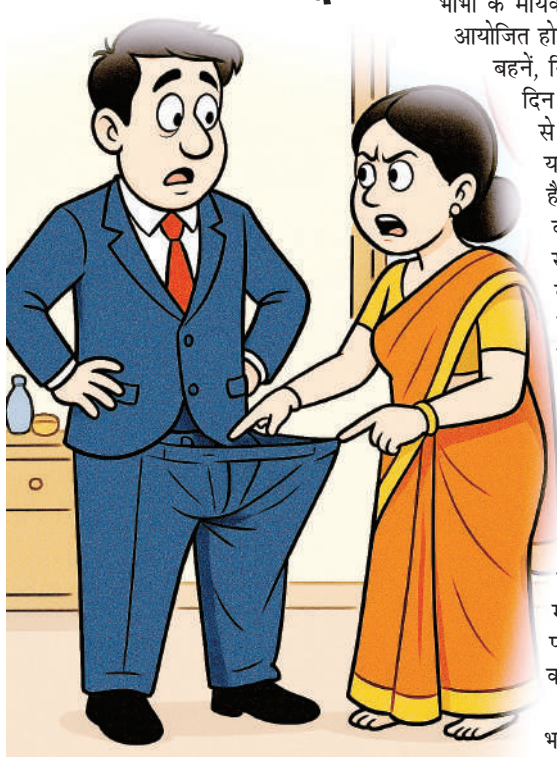

राजेश ओझा
गोण्डा

दुर्वासा या परशुराम के क्रोध भाभी के क्रोध के आगे पानी भरते नजर आ रहे थे। क्रोध अपने सम्मानित स्थान नाक और भौं पर एक साथ बैठने की जादुई कला का प्रदर्शन प्रारंभ कर चुका था। भैय्या विवाह के इत्ते दिन बाद भाभी के आरोह-अवरोह तथा उसके प्रभाव से परिचित हो चुके थे, साथ में गुस्से के पौराणिक आख्यानों से भी बखूबी परिचित हैं। चुपके से बगल वाले शर्मा अंकल के यहां खिसक गए।

"राहुल चल मेरे साथ टेलर के यहां अभी।" भाभी के फरमान को न कहने की हिम्मत शायद राहुल में भी नहीं थी। मरता क्या न करता, रात्रि के नौ बज रहे थे, पर जाना पड़ा उसे। देखते ही टेलर हड़बड़ा गया। बोला- "आइए मैम! बैठिए, सूट कारखाने से आ रहा होगा। भाभी सूट के तैयार हो जाने की सूचना से कुछ कूल हो चलीं थीं। बैठे-बैठे दस बज चुके थे। धैर्य के बांध का अस्तित्व बचाने के उद्देश्य से राहुल ने कहा- "भाभी क्यों न हम कारखाने चलकर सूट स्वयं ले लें।" कारखाना पहुंचते ही देखा, भैय्या का एक हाथ नीचे पड़ा था, तो दूसरे हाथ में तुरपायी चल रही थी। कालर छुटका लिए कुछ कर रहा था, तो पीठ मास्टर लिए थे। देखते ही राहुल को हंसी आनी चाहिए थी, लेकिन भाभी के सामने उसकी इतनी औकात कहां?

"बस मैम दो मिनट..अभी जोड़े देते हैं।" टेलर शायद अपने मास्टर को फोनिक संदेश दे चुका था कि आंधी पहुंचने वाली है। रात्रि बारह बजे वे सूट लेकर घर आईं। बैग में सीधा खड़ा सूट अपने भाग्य पर इतरा रहा था। भाभी हाथ में लिए ही गाड़ी में बैठीं। रात्रि में ही निकलना था। थकान चरम पर थी। राहुल फेसबुक पर व्यस्त। भैय्या 'अनाम दास का पोथा' में व्यस्त...भाभी सूट संभालने में व्यस्त...सुबह तक ससुराल पहुंच ही गए। भाभी ने सूट बैग टांगा और मुस्कुराते हुए अपनी मम्मी से ऐसी मिलीं जैसे पानीपत की लड़ाई बाबर ने नहीं इन्होंने ही जीती हो।

सायं काल कार्यक्रम उफान पर आवै, उसके पहले भाभी का आदेश मिल चुका था- "जाकर फटाफट नहाकर सूट पहन लीजिए और हां इत्र भैरवी ही लगाना। जल्दी करो मेहमान आने प्रारंभ हो गए हैं। आपको कोई इन कपड़ों में देखेगा तो मैं किसी से मुंह दिखाने लायक नही रहूंगी।" मैं किशोर से युवा हो रही कोई ऐसी कन्या नहीं हूं, जिसे कुछ भान नहीं होता। भैय्या ने मन में सोचा था और तौलिया लेकर सीधे बाथरुम में घुस गए थे। खूब रगड़कर नहाया और जैसे ही नहाकर बाथरुम से निकले कि भाभी सूट लिए खड़ी मिलीं। भाभी ने सूट भैया को पकड़ाया ही था कि सासु जी ने भाभी को अपने पास बुला लिया। दोनों भाई तैयार होने लगे। तेल, क्रीम, इत्र जो भी लगाना था लगाया पर जैसे ही भैया ने सूट की पैंट पहनी, भैया की चीख निकल गई- "राहुल!"

भैय्या की कातर आवाज ने राहुल को चौंकाया था। फिर ठहाके और केवल ठहाके, हंसी रुक ही नहीं रही थी। भैय्या की कमर 32 इंच, सूट के पैंट की कमर 38 इंच..पीछे कमर के नीचे का फैलाव ऐसा जैसे दो छोटे-छोटे झोले लटक रहे हों। वे दोनों भाई चुपके से पीछे के दरवाजे से घर लौट आए। अब यह बात अलग है कि कल भाभी के लौटने पर भैय्या कहां छुपेंगे? देखा जाएगा।

आधी दुनिया

मन की मजबूती तनाव नियंत्रण की कुंजी

आज की आधुनिक महिला कई भूमिकाओं को एक साथ निभाती है-घर, परिवार, करियर, रिश्ते, समाज और कभी-कभी अपनी ही अपेक्षाएं। इन सभी जिम्मेदारियों के बीच तनाव का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसे पहचानना और संतुलित करना अत्यंत आवश्यक है। तनाव प्रबंधन केवल एक कौशल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है, जो मन और शरीर दोनों को मजबूत बनाती है। जब महिला मानसिक रूप से सशक्त होती है, तो वह अपने निर्णयों में अधिक स्पष्टता महसूस करती है, रिश्तों को बेहतर बनाए रखती है और अपने लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ प्राप्त कर सकती है। तनाव नियंत्रण का पहला कदम है खुद को सुनना-अपनी थकान, भावनाओं और सीमाओं को समझना। इसके बाद आते हैं वे छोटे-छोटे उपाय जो मन को संतुलित करते हैं: अपने लिए समय निकालना, गहरी सांस लेने की आदत, रोज कुछ मिनट ध्यान या योग, संतुलित दिनचर्या, सकारात्मक सोच और जरूरत पड़ने पर मदद मांगना। आज के तेज रफ्तार जीवन में यह समझना बेहद जरूरी है कि मानसिक मजबूती कमजोरी छिपाने से नहीं, बल्कि सच को स्वीकार कर उससे निपटने से आती है। इसलिए तनाव प्रबंधन केवल तनाव हटाने का तरीका नहीं, बल्कि खुद को बेहतर बनाने, खुश रहने और जीवन को संपूर्णता से जीने की कुंजी है।

मेघा राठी
भोपाल

तनाव क्या है और क्यों होता है

तनाव एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, जो तब उत्पन्न होती है जब व्यक्ति किसी चुनौती, बदलाव या ऐसी स्थिति का सामना करता है, जो उसकी क्षमता से अधिक लगती है। यह प्रतिक्रिया शरीर और मन दोनों को प्रभावित करती है। महिलाओं में यह तनाव कई बार जिम्मेदारियों के बोझ, सामाजिक अपेक्षाओं और समय की कमी के कारण और अधिक बढ़ जाता है।

तनाव प्रबंधन का महत्व

- शारीरिक स्वास्थ्य की सुरक्षा- लगातार रहने वाला तनाव हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, नींद की कमी और इम्यून सिस्टम कमजोर होने का कारण बन सकता है। तनाव प्रबंधन शरीर में हार्मोनल संतुलन बनाए रखता है।
- मानसिक और भावनात्मक संतुलन- अत्यधिक तनाव चिंता, अवसाद और मानसिक थकान को जन्म देता है। तनाव कम होने से आत्म-विश्वास बढ़ता है और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित होता है।
- रिश्तों में सुधार- जब मन शांत होता है, तो संवाद बेहतर होता है। इससे पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों में सामंजस्य बढ़ता है और महिला को भावनात्मक सहारा मिलता है।

तनाव प्रबंधन की प्रभावी रणनीतियां

- नियमित शारीरिक व्यायाम- योग, ध्यान, तेज चलना या मनपसंद खेल एंडोर्फिन को बढ़ाते हैं, जो तनाव कम करते हैं। प्रतिदिन 30 मिनट का व्यायाम मानसिक-शारीरिक व्यायाम दोनों रूप से आराम देता है।
- ध्यान और माइंडफुलनेस- गहरी सांसें, मेडिटेशन और माइंडफुलनेस मन को स्थिर और शांत बनाते हैं। इससे आत्म-जागरूकता बढ़ती है और एकाग्रता बेहतर होती है।
- समय प्रबंधन- काम, परिवार और स्वयं के लिए समय का संतुलन बेहद जरूरी है। प्राथमिकताएं तय करें और अनावश्यक कार्यों को कम करें।
- रचनात्मक गतिविधियां- कला, संगीत, लेखन, पेंटिंग या किसी भी शौक में समय बिताना मन को हल्का करता है और सकारात्मकता बढ़ाता है।
- सामाजिक समर्थन- परिवार, दोस्तों या सहकर्मियों से अपनी बात साझा करने से मानसिक बोझ कम होता है। जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से मदद लेना भी बेहद लाभकारी है।
- स्वस्थ आहार और पर्याप्त नींद- संतुलित भोजन और 7-8 घंटे की नींद शरीर और मन दोनों को ऊर्जा देती है, जिससे तनाव स्वाभाविक रूप से कम होता है।

महिलाओं में तनाव के प्रमुख स्रोत

- **पारिवारिक जीवन-** पारिवारिक जिम्मेदारियां, रिश्तों का समन्वय और घर-परिवार की देखभाल अक्सर महिलाओं के जीवन का बड़ा हिस्सा होता है। जब अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं या प्रयासों की सराहना नहीं मिलती, तो तनाव बढ़ना स्वाभाविक है।
- **कार्यस्थल का दबाव-** महिलाओं के लिए नौकरी, घरेलू कार्य और परिवार-तीनों को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण होता है। डेडलाइन, सहकर्मियों की अपेक्षाएं और कैरियर की चिंता तनाव के प्रमुख कारण बनते हैं।
- **आर्थिक चिंताएं-** घर के बजट से लेकर बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की योजना तक, आर्थिक दबाव महिलाओं के मानसिक बोझ को बढ़ा सकता है।
- **स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं-** हार्मोनल बदलाव, थायरॉइड, पीसीओएस, एनीमिया या मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे भी तनाव को बढ़ा सकते हैं। स्वास्थ्य की अनिश्चितता मन पर अतिरिक्त दबाव डालती है।

तनाव प्रबंधन कोई जादुई उपाय नहीं, बल्कि जीवनशैली में किए गए छोटे-छोटे सकारात्मक बदलावों का परिणाम है। आधुनिक समय में महिलाओं की भूमिकाएं कई गुना बढ़ गई हैं -घर, परिवार, करियर और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। ऐसे में तनाव का बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन इसे पहचानकर समय रहते सही कदम उठाना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

जब महिलाएं अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देती हैं, चाहे वह उचित नींद हो, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम या कुछ क्षणों का आत्मचिंतन, तो मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता दोनों बढ़ती हैं। तनाव प्रबंधन के उपाय जैसे ध्यान, प्राणायाम, माइंडफुलनेस, समय प्रबंधन और सामाजिक समर्थन, जीवन को व्यवस्थित और संतुलित बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं।

हर दिन उठाया गया एक छोटा-सा कदम, चाहे वह सुबह की सैर हो या कुछ मिनटों का ध्यान, मन को हल्का करता है और सकारात्मक ऊर्जा देता है। धीरे-धीरे ये छोटे बदलाव जीवन में बड़ा सुधार लाते हैं।

जब महिला स्वयं को समझती है, अपने भावनात्मक स्वास्थ्य का सम्मान करती है और अपने लिए समय निकालती है, तब वह न केवल तनाव को मात देती है, बल्कि एक आत्मविश्वासी, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की नींव भी रखती है।

दैनिक दिनचर्या में अपनाने योग्य छोटे-छोटे कदम

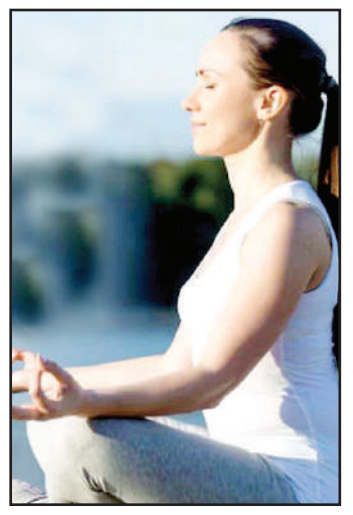

- दिन की शुरुआत ध्यान या प्राणायाम से करें।
- वास्तविक और छोटे लक्ष्य निर्धारित करें।
- काम के बीच छोटे-छोटे ब्रेक लें।
- अपनी भावनाओं को पहचानें और व्यक्त करें।
- हर परिस्थिति में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की कोशिश करें।

किड्स विंटर स्टाइल गर्माहट भी, फैशन भी

सर्दियों का मौसम अपने साथ ठंडी हवाओं का एहसास तो लाता ही है, साथ ही लेकर आता है ढेर सारी स्टाइलिश और रंगीन एक्सेसरीज का मजा। खासकर बच्चों के लिए यह मौसम बेहद खास हो जाता है, क्योंकि इस समय वे अपनी पसंदीदा रंग-बिरंगी टोपियां, मुलायम स्कार्फ और फुलफुली ईयर मफलर पहनकर न सिर्फ गर्म रहते हैं, बल्कि एकदम क्यूट, आकर्षक और बेहद स्टाइलिश भी दिखते हैं। बच्चों पर चमकदार रंग, छोटे-छोटे डिजाइन और कार्टून प्रिंट वाले विंटर एक्सेसरीज बेहद प्यारे लगते हैं और उनमें उत्साह भी भरते हैं।

सर्दियों की तैयारी करते समय माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे आरामदायक भी रहें और फैशन में भी पीछे न रहें। यही कारण है कि बीनी, स्कार्फ और ईयरमफ़ बच्चों के विंटर वॉर्डरोब का जरूरी हिस्सा बन जाते हैं। ये न केवल ठंड से बचाते हैं, बल्कि हर आउटफिट को आकर्षक बनाते हैं। इन एक्सेसरीज़ को आराम से कैरी कर सकते हैं और सर्दियों में भी फैशन में आगे नज़र आ सकते हैं।

ईयर मफलर

- नर्मी से भरी गर्माहट- ईयर मफलर बच्चों के कानों को ठंड से बचाने का बेस्ट तरीका हैं और वो भी बिना बाल खराब किए।

ऐसे पहनाएं

- फरी (फुलफुली) ईयरमफलर- सफेद, पिंक, ब्लू या पर्पल- ये सभी रंग बच्चों पर बेहद प्यारे लगते हैं। खासकर छोटी बच्चियों को ये बहुत पसंद आते हैं।
- कैरेक्टर ईयरमफलर- बियर, बन्नी, कैट-ईयर डिजाइन। खेलने, पिकनिक या फोटोशूट में बिल्कुल परफेक्ट।
- स्पोर्टी ईयरमफलर (हेडबैंड स्टाइल)- बड़े बच्चों के लिए। स्कूल जैकेट या स्वेटशर्ट के साथ बहुत स्मार्ट लुक देता है।

बीनी (टोपी): बच्चों का फेवरेट विंटर साथी

बीनी बच्चों की सबसे पसंदीदा विंटर एक्सेसरी है। यह सिर को गर्म रखती है और हर तरह की ड्रेस के साथ प्यारा-सा लुक देती है।

ऐसे पहनाएं

- **कार्टून प्रिंट बीनी-** सुपरमैन, मिनियन, स्पाइडरमैन, एल्सा, जो भी उनके फेवरेट हों, फोटो में भी बहुत शानदार लगते हैं।
- **पोम-पोम वाली बीनी-** ऊपर लगी फुलफुली बॉल बच्चों को बेहद क्यूट बनाती है, छोटे बच्चों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है।
- **रंग-बिरंगी स्ट्राइप बीनी-** प्लेग्राउंड या स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए, हर जैकेट के साथ अच्छी लगती है।
- **स्टाइल टिप-** बीनी को हल्का आगे की ओर रखें ताकि माथा ढका रहे और कान भी हल्के गर्म रहें।

स्कार्फ: सर्दियों का रंगीन जादू

स्कार्फ बच्चों को सिर्फ गर्म ही नहीं रखते, बल्कि उन्हें सबसे अलग और स्टाइलिश भी बनाते हैं।

किस तरह से पहनाएं

- छोटा और हल्का वूलन स्कार्फ – बच्चों के लिए हमेशा हल्का स्कार्फ चुनें। बहुत लंबा स्कार्फ खेलते समय परेशानी दे सकता है।
- ब्राइट कलर स्कार्फ – लाल, पीला, हरा, नीला, पिंक, जो भी रंग बच्चे पसंद करें, फोटो और आउटफिट दोनों में चमक बढ़ाता है।
- कार्टून या पैटर्न वाले स्कार्फ – स्टार, दिल, कार, डायनासोर या प्रिंसेस प्रिंट। इसे बच्चों को खुद पहनने में मजा आता है।

कैसे बांधें

- एक लूप में हल्का-सा घुमा दें या सिर्फ गर्दन के आगे छोड़ दें।
- बच्चों को इंडोर में स्कार्फ न पहनाएं, सिर्फ आउटडोर में स्कार्फ पहनाएं।

तीनों का साथ: बच्चों का परफेक्ट विंटर लुक

- बीनी + स्कार्फ – सबसे प्यारा जोड़ा
- स्कूल, मार्केट, फैमिली आउटिंग हर जगह परफेक्ट।
- ईयर मफलर + जैकेट- क्यूटनेस ओवरलोड
- खासकर छोटी बच्चियों के लिए।
- बीनी + ग्लव्स + स्कार्फ – फुल विंटर स्टाइल
- फोटोशूट, पिकनिक और विंटर फन डे के लिए।

बच्चों के लिए कुछ खास स्टाइलिश टिप्स

- उम्र के हिसाब से हल्की, आरामदायक और इच-फ्री सामग्री चुनें।
- रंग हमेशा ब्राइट रखें- बच्चे रंगों में ही सबसे प्यारे लगते हैं।
- लंबे स्कार्फ से बचें- फंसने का डर होता है।
- ईयर मफलर हेयरस्टाइल को भी सुंदर दिखाते हैं।
- बीनी पर नाम का टैग लगाना अच्छा रहता है (स्कूल/प्लेग्राउंड के लिए)।

सर्दियों का फैशन बच्चों के लिए सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है। सही बीनी, प्यारे ईयर मफलर और रंग-बिरंगे स्कार्फ उनके लुक को न सिर्फ गर्माहट देते हैं, बल्कि उन्हें सबसे अलग और मनमोहक भी बनाते हैं। जब बच्चे खुश होकर अपनी पसंद से एक्सेसरी पहनते हैं, तो वे सर्दियों को और मजेदार बना लेते हैं।

खाना खजाना

सरसिया खाजा

गुजरात का पारंपरिक स्वाद जब थाली में उतरता है, तो हर कौर में एक अलग ही आनंद घुल जाता है। ऐसा ही लाजवाब और करारा व्यंजन है सरसिया खाजा- मसालेदार, तीखा और कुरकुरा, जिसे खासतौर पर सूरती लोग आमरस के साथ बड़े चाव से खाते हैं। बाहर से खस्ता और अंदर से मुलायम यह गुजराती स्नैक हर मौसम में खाने वालों का दिल जीत लेता है। सरल सामग्री और थोड़ी सी मेहनत से घर पर भी इसका असली स्वाद तैयार किया जा सकता है। एक बार इसे बनाकर देखिए, इसका जायका आपको बार-बार इसे बनाने पर मजबूर कर देगा। आइए आपको बताते हैं, यह कैसे बनता है।

सामग्री

- ढाई कप मैदा
- आधा कप तेल
- 1 कप पानी
- 1 टेबलस्पून काली मिर्च पाउडर
- आधा टेबलस्पून सफेद मिर्च पाउडर
- 1 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटी चम्मच बेकिंग सोडा
- नमक स्वादानुसार

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में तेल और आधा कप पानी को गर्म करें और अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद उसमें हल्दी और नमक मिलाकर एक उबाल आने दें। उबाल आने पर गैस बंद करके पानी को ठंडा होने दें।

अब इसमें बेकिंग सोडा मिक्स करके धीरे-धीरे 5 से 7 मिनट तक मिलाएं। अब इसमें कालीमिर्च, सफेद मिर्च व नमक मिलाएं। अब इसमें मैदा मिलाकर के आटे जैसा गूंथ लें। आधे घंटे के लिए ढक्कन लगाकर रख दें। अब इस आटे के तीन भाग कर लें। दो भाग अलग रखें।

एक कढ़ाई में आधा कप गर्म पानी करें। अब एक भाग आटा लें और छोटी-छोटी लोई करके 3 से 4 मिनट तक गर्म पानी में पका लें। 3-4 मिनट में आटा और पानी एकसार हो जाएगा।

अब इस आटे को दो भाग वाले आटे में मिलाकर अच्छे से गूंथ लें। हाथ से छोटी-छोटी लोई बनाएं और चकले पर रखकर पूरी जैसा बेल लें। हाथ से ही बेले। अंगुली या बेलन की सहायता से गोल-गोल छेद कर ले ताकि तलते समय हमारा खाजा पूरी तरह से अंदर तक तला जाए। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें और धीमी से मीडियम आच पर खांजे को एक-एक करके 8 से 10 मिनट तक तलें। सुनहरा होने पर खाजे को कड़ाही से निकालें और अच्छे से ठंडे होने पर आम के रस के साथ सर्व करें। आप इन्हें एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके रख सकते हैं।

प्रीतम कोठारी
फूड ब्लॉगर

लोकतंत्र की मजबूती को एसआईआर जरूरी : ब्रजेश पाठक

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे और ठेठ अवधी भाषा में बोलकर अलग ही अंदाज दिखाया। यहां उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ एसआईआर प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए एसआईआर महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पहले भी कई बार हो चुका है। वर्ष 2003 में प्रदेश में चुनाव आयोग ने एसआईआर कराया था, तब विपक्ष ने आपत्ति नहीं जताई थी। उन्होंने एसआईआर को राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री प्रियंका सिंह रावत, जिला प्रभारी अवनीश सिंह पटेल, राज्य मंत्री सतीश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, एमएलसी अंगद सिंह आदि मौजूद रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर डिप्टी सीएम का स्वागत करते भाजपा जिलाध्यक्ष व अन्य।

बैठक में बूथ प्रवासियों के कार्यों की विवेचना

लखनऊ, अमृत विचार : मतदाता गहन पुनरीक्षण एसआईआर अभियान के अंतर्गत पश्चिम विधानसभा के कार्यालय में महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, अवध क्षेत्र के उपाध्यक्ष/पश्चिम विधानसभा प्रवासी अमित गुप्ता,पश्चिम विधानसभा के संयोजक प्रकाश मिश्रा के साथ पश्चिम विधानसभा कार्यालय पर 'कुंडी खटकाओ अभियान' अंतर्गत अब तक किए गए कार्यों की विवेचना की गई। चिन्हित बूथों पर गहन समीक्षा करते हुए विशेष सहयोगियों को जिम्मेदारी देते हुए शेष बचे हुए बूथों पर तीव्र गति से शत् प्रतिशत गणना फॉर्म जमा करने के दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष दीप प्रकाश सिंह, सोमेंद्र पांडे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजेश मिश्रा राजन, अजय सोनी, अरविंद मिश्रा, सुशील निगम गज्जी, राहुल शुक्ला संजू आदि मौजूद रहे।

बूथ प्रवासियों के कार्यों की हुई समीक्षा। अमृत विचार

चलती ट्रेन पर चढ़ा युवक, 40 मिनट तक जाम रहा ट्रैक

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन के करीब शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे एक युवक चलती ट्रेन पर चढ़कर हाई वोल्टेज ड्रामा करने लगा। इस घटना से रेल महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि कोई अनहोनी नहीं हुई। युवक को सकुशल बचा लिया गया। बताया गया कि संत कबीर नगर निवासी मोहम्मद अनस नामक युवक काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के डिब्बे के ऊपर चढ़ गया। ऊपर जाने के बाद वह नीचे उतरने से मना कर दिया। खतरे की स्थिति देखते हुए रेलवे कंट्रोल रूम ने तुरंत ओवरहेड लाइन की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। इससे संभावित हादसा टल गया और युवक की जान बच गई। करीब

40 मिनट तक रेलवे ट्रैक पर अफरा-तफरी रही। ट्रेन के रुकने से वाराणसी – लखनऊ मार्ग की कई ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। इस घटना से आसपास के रेलवे फाटक पर लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंच कर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने युवक को नीचे उतरने के लिए मनाने का प्रयास किया। बावजूद इसके वह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अब कैमरे से गंगाघाट रेलवे स्टेशन की होगी निगरानी

शुक्लागंज, अमृत विचार : कानपुर-लखनऊ रेलमार्ग स्थित गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से लग रहे हाईटेक कैमरों का कार्य पूरा हो गया है। कंपनी के तकनीशियन स्टेशन पर वायरिंग व कैमरा इंस्टॉलेशन का कार्य कर रहे थे। जिसे शनिवार को अंतिम रूप दिया गया। इसके साथ ही आज से स्टेशन परिसर की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से शुरू हो जाएगी। स्टेशन पर कुल 8 नाइट विज़न व वॉइस फीचर वाले 360 डिग्री घूमने वाले अत्याधुनिक कैमरे लगाए गए हैं। स्टेशन परिसर में कैमरों की वायरिंग, टेस्टिंग और अन्य तकनीकी कार्य भी संपन्न हो गए हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डिरंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक(इंजी0)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते है।
ई–निविदा सूचना सं0:–एनईआर–बीएसबी–2025–118, कार्य का नाम: झुसी एवं प्रयागराज रामबाग मे माघ मेला 2026 के लिए टेन्ट किराये पर लेने का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 1,37,60,000/– बिड सिक्योरिटी: ₹ 2,18,800.00, निविदा बन्द होने की तिथि: 18.12.2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 01 माह।
ई–निविदा सूचना संः–एनईआर–बीएसबी–2025–119, कार्य का नाम: झुसी एवं प्रयागराज रामबाग मे माघ मेला 2026 के लिए विविध कार्य। अनुमानित लागत: ₹ 59,28,063/– बिड सिक्योरिटी: ₹ 1,18,600.00, निविदा बन्द होने की तिथि: 18.12.2025, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 01 माह। निविदा सूचना सं:–एनईआर–बीएसबी–2025–118 से एनईआर–बीएसबी–2025–119 दिनांक 18.12.2025 को 14.30 बजे तक ऑनलाइन जमा कर सकेगें। पूर्ण विवरण एवं निविदा के प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मंडल रेल प्रबंधक/(इंजी)
मुजाधि/डब्लू–356 वाराणसी
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं मीना देवी पत्नी स्व0 शिवमंगल, **निवासिनी–ग्राम ईशापुर परगना व तहसील मलिहाबाद जनपद लखनऊ।** मेरे बैंक खाता सं0 7997936022 जिसमे मेरा नाम आशा देवी दर्ज है। जो गलत है। जबकि आधार कार्ड सं0 8768 6587 5786 मे मेरा नाम मीना देवी दर्ज है। जो कि सही है मेरी खाता संख्या उपरोक्त मे दर्ज मेरा नाम गलत आशा देवी को हटाकर सही नाम मीना देवी दर्ज किया जाय।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम कय्यूम (Kyyum) व कय्यूम (KAYYOOM) पुत्र शाकिर अली ग्राम सिसैया चक,पोस्ट रायपुर रिसिया ब्लाक चित्तौरा जनपद बहराइच है। मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना
मैने अपना नाम ABDUL WAHID से बदलकर ABDUL WAHEED ANSARI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-ABDUL AJEEJ ANSARI ADD-109, KATAHARIYA CHOWK POST-GONDA DIST-GONDA-271001 (U.P.)

सूचना
पहले मेरा नाम ARUN KUMAR था अब मैने बदलकर अपना नाम ARUN KUMAR HAIKERWAL रख लिया है भविष्य में मुझे ARUN KUMAR HAIKERWAL के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: PRASANT KUMAR HAIKERWAL R/O : B-33, AJAY ENCLAVE GHORU KA PURWA JUGGAUR CHINHAT, LUCKNOW

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित करना है कि मेरे आधार एवं पैन कार्ड में मेरा नाम मोहम्मद हयात खान लिखा है जबकि पासपोर्ट में हयात खान मोहम्मद लिख गया है। दोनों एक ही शख्सियत हैं। मुझे मोहम्मद हयात खान के नाम से ही जाना पहचाना जाए। **मोहम्मद हयात खान पुत्र मोहम्मद सफी खान, निबकौनी, बलरामपुर।**

सूचना
मेरे पुत्र प्रशांत तिवारी की बुरी आदतों से आजिज होकर उसे अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। मेरे पुत्र प्रशांत तिवारी द्वारा कोई लेने देन या कोई मुकदमेबाजी होती है तो उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। इसमें मेरा या मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **प्रार्थी– श्रीमती किरन मिश्रा पत्नी गनेश तिवारी निवासी मोहल्ला रमेड़ी तरौस हमीरपुर उ. प्र.**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शैक्षणिक अभिलेख में मेरा नाम **KHAN ABDURRAHMAN KHALEE QUZZAMA** अंकित है जो की सही है जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम **KHAN ABDURRAHAMN KHALEE QUZZAMA** जो कि गलत है। आधार कार्ड में भी मेरा नाम शैक्षणिक अभिलेख वाला ही दर्ज किया जाए। **खान अब्दुर्रहमान खलीकुज्जमा पुत्र खलीकुज्जमा ग्राम दतलुपुर पोस्ट सरायखास तहसील उतरौला जनपद बलरामपुर।**

सूचना
मैं मो0 ताहिर पुत्र अब्दुल सबूर, निवासी–ग्राम दतलूपुर तहसील उतरौला जनपद बलरामपुर, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरी माता का नाम Farhan Khatoon अंकित है, जबकि मेरी माता के आधार कार्ड में उनका नाम Farahana दर्ज है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति, अर्थात मेरी माता के हैं। अतः निवेदन है कि मेरी माता के आधार कार्ड में अंकित नाम Farahana को ही मेरे पासपोर्ट में अभिलेखित किया जाए।

सूचना
सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि मैं रजिया पुत्री श्री अब्दुल सत्तार मैं एक अनपढ़ महिला हूं और मैं पूरे होश और हवास में घोषणा करती हूं की मेरा नाम आधार कार्ड संख्या 816786767185 में रजनी एवं पिता के स्थान पर पति राजकुमार चढ़ा हुआ है जबकि मेरा नाम रजिया पुत्री पिता का नाम अब्दुल सत्तार है आज दिनांक 6.12.2025 से मुझे रजिया पुत्री अब्दुल सत्तार के नाम से जाना वह पहचान जाएगा। **निवासी डी –1318 पारा–1 डी ब्लाक पारा कालोनी राजाजीपुरम लखनऊ है**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं राम अवतार पुत्र कृषू, निवासी ग्राम– पूरे मंजूशाह, मजरा– हसवा सुरवन, परगना– जगदीशपुर, तहसील–मुसाफिरखाना, जनपद– अमेठी हूँ। मेरे आधार कार्ड संख्या– 6258 7872 6682 तथा पैन कार्ड पर मेरा नाम RAM AVATAR अंकित है, जबकि मेरी रिलायंस पॉलिसी संख्या 50461714 में मेरा नाम (RAM AUTAR) दर्ज हो गया है। यह दोनों नाम RAM AVATAR तथा RAM AUTAR मेरे ही हैं। भविष्य में उपरोक्त नामों के अंतर से यदि कोई वाद– विवाद होता है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़, रायबरेली

पत्रांक :– 1506/अधि0अधि0 / न0पं0शिवा / निर्माण/2025–26 दिनाँक – 05/12/2025

निविदा सूचना

समस्त राजकीय विभागों में पंजीकृत समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत शिवगढ़ को राज्य वित्त आयोग से उपलब्ध धनराशि से निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्यों को कराये जाने हेतु शीलबन्द निविदा दिनांक 06/12/2025 से 26/12/2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़ में आमन्त्रित की जाती है. जो दिनांक 27/12/2025 को पूर्वान्ह 4.00 बजे उपस्थित/अनुपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेगी। जिससे सम्बन्धित निविदा प्रपत्र दिनाँक 25/12/2025 तक निर्धारित शुल्क जमाकर कार्यालय नगर पंचायत से प्राप्त किये जा सकते है, एक अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्तखारी में निहित होगा। कार्यो का विवरण व नियम शर्तो निम्नवत् है–

क्र. सं.	कार्य का नाम	आगणन की धनराशि	5% जमानत राशि	निविदा मूल्य	कार्यावधि
1	नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत कार्यालय परिसर की दक्षिण साइड की बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	996000.00	49800.00	1000.00	1 माह
2.	नगर पंचायत शिवगढ़ के अन्तर्गत कान्हा गौशाला के उत्तर साइड में इण्टरलांकिंग का कार्य।	962000.00	48100.00	1000.00	1 माह
3	नगर पंचायल शिवगढ़ के अन्तर्गत वार्ड नं0 06 मोहल्ला पूरे पाण्डेय में डामर रोड से बृज बिहारी अवस्थी के मकान तक सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	271900.00	13595.00	300.00	1 माह

नियम व शर्ते –

1. निविदादाताओं को अनिवार्य रूप से जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी अद्यतन हैसियत व चरित्र प्रमाण पत्र (T4 T5) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. निविदादाता को निविदा के साथ T6 प्रारूप पर शपथ–पत्र, 100 रू0 के स्टाम्प पर निविदा वैद्यता शपथ पत्र, 10 रु0 के स्टाम्प पर निविदा की शर्तो को अनुपालन करने का शपथ पत्र तथा सभी अभिलेखों के स्वप्रमाणित कर संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. निविदादाताओं द्वारा निविदा प्रपत्र में दर प्रतिशत आधार पर भरे जायेगें। BOQ में उल्लिखित आइटमों हेतु रेट अलग–अलग नहीं भरे जायेगें। किसी एक अथवा समस्त निविदा को बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4. आगणन दर से कम की दर प्रस्तुत करने वाले निविदाओं को शासनादेश संख्या 622/23–12–20125–2 आडिट/08टी सी–2 दिनांक 08 जून 2012 में की गयी व्यवस्था के अनुसार परफारमेन्स गारन्टी की धनराशि निविदा खोले जाने की तिथि से तीन दिनों के अन्दर कार्यालय नगर पंचायत शिवगढ़, जनपद–रायबरेली में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि उक्त समय सीमा के अन्दर परफारमेन्स गारन्टी की धनराशि जमा नहीं की जाती है तब जमानत की धनराशि जब्त कर ली जायेगी तथा फर्म/व्यक्ति को काली सूची में डाले जाने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
5. निविदा के साथ 5 प्रतिशत जमानत धनराशि EPVG, FDR, NSC मूल रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा।
6. निविदा स्वीकृति पत्र प्राप्त होने के पश्चात एक सप्ताह के अन्दर निर्धारित स्टाम्प पेपर पर अनुबन्ध सम्पादित व अवशेष 05 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करना अनिवार्य होगा।
7. ठेकेदार द्वारा निर्धारित समय के अन्दर कार्य पूर्ण न किये जाने की दशा में अनुबन्ध के अनुसार बिलम्ब पर नियमानुसार अर्थ दण्ड देय होगा एवं जमानत धनराशि जब्त कर ठेका निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।
8. कार्यो की विस्तृत जानकारी व अन्य शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत शिवगढ़ कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
9. कार्य हेतु ठेकेदार अथया उसके सहयोगी द्वारा निविदा इत्यादि कार्य में व्यवधान, अभद्रता, दुर्व्यवहार इत्यादि करने पर सम्बन्धित को ब्लैक लिस्टेड (काली सूची) में करते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट सम्बन्धित थाने में दर्ज करायी जायेगी।
10. ठेकेदारों को कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व कार्य की प्रगति के दौरान तथा कार्य समाप्ति के उपरान्त कार्य स्थल का फोटो ग्राफ कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
11. निविदा के साथ 100.00 रु0 का जनरल स्टाम्प एवं रसीदी टिकट संलग्न करना होगा।
12. नगर पंचायत से विवरण प्राप्त कर लोकार्पण पत्थर लगाया जाना अनिवार्य होगा।
13. कार्य पूर्ण के 12 माह के पश्चात ठेकेदार द्वारा निविदा के समस्त शर्तो के अनुसार कार्य पूर्ण कर कार्य सन्तोषजनक होने की स्थिती में अवर अभियन्ता/सहायक अभियन्ता की जांचोपरान्त जमानत धनराशि अवमुक्त की जायेगी।
14. सभी नियम व शर्ते निदेशालय के पत्र संख्या TC/314/8/DLB/2020 दिनांक 01.01.2021 के अनुसार ही मान्य होगी।
15. कार्य पूर्ण, होने अथवा भुगतान से पूर्व लिखित रूप से सूचित करना अनिवार्य होगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत–शिवगढ़
रायबरेली

अध्यक्ष
नगर पंचायत–शिवगढ़
रायबरेली

लखनऊ नगर निगम

3, त्रिलोकनाथ मार्ग, लालबाग, लखनऊ. ई-मेलः nnlko@up.nic.in

संख्याः 264/मु0अ0/2025-26 दिनांकः 06.12.2025

अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर निगम लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु 19.12.2025 को मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र 18.12.2025 तक अपरान्हन 2:00 बजे तक कार्यालय दिवस की अवधि में फार्म कीपर कार्यालय के अतिरिक्त, मुख्य अभियन्ता एवं मुख्य वित्त लेखाधिकारी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा नगर निगम की बेवसाइट lmc.up.nic.in से टेण्डर नोटिस डाउनलोड किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र मण्डलायुक्त महोदय लखनऊ के कार्यालय, जिलाधिकारी महोदय के कार्यालय एवं मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 19.12.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक रखे निविदा बाक्स में डाले जा सकते हैं। प्राप्त निविदाओं को उसी तिथि को अपरान्ह 4:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस को डाली एवं खोली जायेगी। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित होगा। पेवर कार्य हेतु निविदादाता के पास स्वयं का कम्पूटराइज हाट मिक्स प्लान्ट व ब्राइवेटर रोलर होना आवश्यक है।

क्र सं.	कार्य का नाम	आगणन धनराशि रू० में	जमानत धनराशि रू० में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	18 प्रतिशत जी.एस.टी.	कुल निविदा मूल्य
1	श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी वार्ड के अन्तर्गत सुल्तानपुर रोड से इन्द्रसेन यादव के घर तक नाली का निर्माण कार्य।	810395.00	81040.00	2 माह	810.00	145.00	955.00
2	हिन्दनगर वार्ड के अन्तर्गत सेक्टर डी में इकबाल सिंह के सामने स्थित पार्क में क्षतिग्रस्त पाथवे का पुन: निर्माण कार्य।	836530.00	83653.00	2 माह	837.00	151.00	988.00
3	इब्राहिमपुर प्रथम वार्ड के अन्तर्गत अर्जुनगंज प्राथमिक विद्यालय में एक कक्ष एवं बाउण्ड्रीवाल का कार्य।	778522.00	77852.00	2 माह	779.00	140.00	919.00
4	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत बिरूरा में कमलेश के घर से मनोज के घर तक सड़क का कार्य।	381201.00	38120.00	2 माह	381.00	69.00	450.00
5	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत जगतखेड़ा में रामनरेश के घर से सत्येन्द्र यादव के घर तक नाली का निर्माण कार्य।	306881.00	30688.00	2 माह	307.00	55.00	362.00
6	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत रायबरेली रोड से धनी सिंह के घर तक नाली का कार्य।	595903.00	59590.00	2 माह	595.00	107.00	702.00
7	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत पुरसैनी में जाकिर के घर से हाशिम के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	845160.00	84516.00	2 माह	845.00	152.00	997.00
8	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय पुरसैनी में रामचन्द्र यादव के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	846153.00	84615.00	2 माह	846.00	152.00	998.00
9	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत शाहिद के घर से मिथुन के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	759765.00	75977.00	2 माह	760.00	136.00	896.00
10	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत पुरसैनी में बुद्धू के घर से मुन्नी के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	345622.00	34562.00	2 माह	346.00	62.00	408.00
11	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत बंगाली टोला में उमेश के घर से बबलू के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	843786.00	84379.00	2 माह	844.00	152.00	996.00
12	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत बंगाली टोला में रोशन के घर से उमेश के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	845955.00	84596.00	2 माह	846.00	152.00	998.00
13	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत वृन्दावन से0–2ए में म0नं0–2ए/243 से 2ए/247 तक सड़क निर्माण का कार्य।	536477.00	53648.00	2 माह	536.00	96.00	632.00
14	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत वृन्दावन सें0–4 में अरविंद कुमार वर्मा के घर से आरती वर्मा के घर तक सी0सी0 सड़क का कार्य।	312301.00	31230.00	2 माह	312.00	56.00	368.00
15	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत धनपाल खेड़ा में गुरूप्रसाद के घर से अनिल कुमार के घर तक नाली व सी0सी0 सड़क का कार्य।	844698.00	84470.00	2 माह	844.00	152.00	996.00
16	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत माधवखेड़ा में अशोक के घर से मिठाई लाल के घर होते हुए राजेन्द्र के घर तक सी0सी0 सड़क का कार्य।	845271.00	84527.00	2 माह	845.00	152.00	997.00
17	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत जगत खेड़ा में राजू के घर से सन्तोष दास पार्क आश्रम तक नाली व सी0सी0 सड़क का निर्माण कार्य।	642965.00	64297.00	2 माह	643.00	116.00	759.00
18	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत श्यामनगर कालोनी में रायबरेली रोड से हरिओम मन्दिर तक नाली का निर्माण कार्य।	352362.00	35236.00	2 माह	352.00	63.00	415.00
19	इब्राहिमपुर द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत बिरूरा गॉव में मॉ पीताम्बरा शक्तिपीठ के पीछे सी0सी0 रोड का निर्माण कार्य।	845604.00	84560.00	2 माह	845.00	152.00	997.00
20	इब्राहिमपुर वार्ड प्रथम के अन्तर्गत शंकर विहार कालोनी में मिश्रा जी के मकान से चौधरी साहब के घर की ओर सी0सी0रोड नाली व फुटपाथ कार्य।	525722.00	52572.00	2 माह	526.00	95.00	621.00

शर्तें:- (01) निविदा में प्रतिभाग हेतु नगर निगम में पंजीकृत होना आवश्यक नही है। न्यूनतम निविदा धारक को सफल होने पर नियमानुसार पंजीकरण कराना आवश्यक होगा। (आवेदक निविदादाता को शासनादेश संख्या 3890/नौ–5–19–149सा0/2019 दिनांक 20.09.2019 का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। (02) शासनादेश सं0 6738/23–7–06–176(सा0)/06 दिनांक 31.01.2007 का पालन करते हुए रू0 40.00 लाख की धनराशि पर 10 प्रतिशत की दर से जमानत धनराशि निविदा के समय ही जमा करायी जायेगी। शासनादेश संख्या:– 692/23–07–2024 दिनांक 09–08–2024 के अनुसार यदि न्यूनतम निविदादाता की निविदित लागत, स्वीकृति (बी0ओ0व्यू0) लागत से 10 प्रतिशत से अधिक कम (Below) है तो 10 प्रतिशत से अधिक कमी (Below) के सापेक्ष 1 प्रतिशत प्रति प्रतिशत कम (Below) दर पर अतिरिक्त परफार्मेन्स सिक्योरिटी ली जायेगी जिसे ठेकेदार से अनुबन्ध गठन के समय जमा कराया जायेगा। अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्यूरिटी ऑनलाइन इण्टरनेट बैंकिग/आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी/डयूली प्लेज्ड एफ0डी0आर0/बैंक गारण्टी के माध्यम से स्वीकार की जायेगी। (03) कार्य पूर्ण होने के 1 वर्ष की डिफेक्ट लायबिलिटि पीरियड के उपरान्त कार्य सन्तोशजनक पाये जाने पर ही जमानत धनराशि अवमुक्त किया जायेगा। (04) 15 प्रतिशत से अधिक की न्यून दर की निविदाओं में अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड पूर्ण होने एवं कार्य सन्तोषजनक पाये जाने पर के उपरान्त ही अवमुक्त की जायेगी। (05) किसी कार्य में एक से अधिक निविदादाताओं की एक समान दर पर सर्वन्यून निविदा प्राप्त होने पर इन निविदादाताओं के मध्य लाटरी के माध्यम से सफल निविदादाता का चयन किया जायेगा। (06)15 प्रतिशत से अधिक न्यून निविदाओं की स्वीकृति के पूर्व सम्बन्धित निविदादाता द्वारा शपथ–पत्र पर गुणवत्तापरक कार्य करने हेतु अपनी कार्ययोजना/बारचार्ट निविदा समिति के समक्ष प्रस्तुत करना होगा एवं निविदा समिति द्वारा गुण दोष के आधार पर निविदा स्वीकृति/अस्वीकृत पर निर्णय लिया जायेगा।

मुख्य अभियन्ता

श्रद्धालुओं की बस को ट्रेलर ने मारी टक्कर, महिला की मौत, कई घायल

कूरेभार, सुलतानपुर : शनिवार अलसुबह कूरेभार चौराहे पर बड़ा हादसा हो गया। अयोध्या से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक प्राइवेट टूरिस्ट बस को तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और ट्रेलर दोनों पलट गए। मौके पर अफरातफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत बचाव कार्य में जुट गए। जानकारी के अनुसार बस में करीब 40 श्रद्धालु सवार थे, जो महाराष्ट्र के जलगांव ज़िले के कलाने, तालुका दरंगा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। सभी अयोध्या में रामलला के दर्शन कर लौट रहे थे कि कूरेभार चौक के पास यह हादसा हो गया। ट्रेलर अनियंत्रित होकर सामने से बस में भिड़ गया। दुर्घटना में लगभग 15 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस से कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां डॉ. प्रवेश दीक्षित की टीम इलाज कर रही है। उपचार के दौरान 45 वर्षीय महिला श्रद्धालु, जिन्हें छोटी के नाम से पहचाना गया, की मौत हो गई।

कॉलेज के डॉक्टर पर नर्सिंग छात्रा से बैड टच का आरोप

नवाबगंज : सोहरामऊ थानाक्षेत्र के श्री राम मूर्ति स्मारक मेडिकल कॉलेज में एमएस (मेडिकल सुप्रीटेंडेंट) पर नर्सिंग छात्रा से बैड टच का आरोप लगा था। जिसमें कार्रवाई न होने आक्रोशित छात्राओं ने हंगामा किया। पुलिस चिकित्सक से माफी मंगवाने बाहर लाई तो आक्रोशित छात्राओं व उनके परिजनों ने मारपीट का प्रयास किया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी नर्सिंग की छात्रा का आरोप था कि कालेज के एक चिकित्सक ने गलत नियत से उसे पकड़ने का प्रयास किया। इसकी शिकायत पर जब प्राचार्य ने कार्रवाई का प्रयास किया तो उनसे व वार्डन से इस्तीफा लिया गया। शनिवार को आक्रोशित छात्राओं ने कॉलेज गेट पर हंगामा शुरू कर दिया। कालेज प्रशासन की सूचना पर पहुंची पुलिस मामला शांत कराने के उद्देश्य से आरोपी चिकित्सक को बाहर लाई। जहां चिकित्सक के कुछ कहने पर छात्राएं व उनके परिजन भड़क गए। मारपीट की नौबत देख एसओ संदीप शुक्ला ने उसे बचाने का प्रयास किया। सीओ हसनगंज अरविंद चौरसिया ने बताया कि छात्राएं अधिक गुस्से में थीं।

तस्बीह फिरी पर दिल न फिरेया
लैना की तस्बीह हाथ फेर के

बाबा बुल्लेशाह कहते हैं, तुम तस्बीह यानी माला के इर्द-गिर्द गए, लेकिन अपने दिल में कभी नहीं गए। जपने वाली तस्बीह को हाथ में रखकर फिर तुम्हें क्या हासिल हुआ।

बाबा साहब आंबेडकर और आर्य आक्रमण का झूठ

संप्रति राष्ट्र डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर वास्तव में भारत रत्न हैं। प्रख्यात् मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान हैं। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आंबेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे।

> डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।'

वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगमय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रंथ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागिरी का प्रतिकार किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में हैं। आर्यों और दस्युओं में युद्ध हुआ, यह साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं है। फिर दस्युओं का शूद्रों से कुछ लेना-देना नहीं है।' (डॉ. बाबा साहब आंबेडकर राइटिंग्स एंड स्पीचेज खंड 7 पृष्ठ 420) आर्यों को विदेशी मानने का झूठ अभी भी जारी है।

डॉ. आंबेडकर की पुस्तक 'हू वेयर शूद्राज' (शूद्र कौन थे?) (1946) पठनीय है। उन्होंने एक विद्वान अधिवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार दिए हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मुख्य स्थापनाएं बनाईं- 1. जिन लोगों ने वैदिक साहित्य रचा था, वे आर्य नस्ल के थे। 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु रूप में जाने जाते थे और ये आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त की। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए गए और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्वर्ण्य का निर्माण किया।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वहीं, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों विचार बिंदुओं की सभी स्थापनाओं को गलत बताया। ऋग्वेद के उद्धरण दिए और लिखा 'इन (शब्दों) के प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द नस्ल के अर्थ में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुए' (वही पृष्ठ 70) वे आर्यों को विदेशी बताने का तर्क काटते हैं, 'जहां तक वैदिक साहित्य का संबंध है, वह इस सिद्धांत के प्रतिकूल है कि आर्यों का मूल निवास भारत से कहीं बाहर था।' (वही) आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे। डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्व भी श्याम वर्ण के थे।' आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम और श्रीकृष्ण सांवले थे। महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे। समूचा आर्य समाज एक था। हिंदू प्राचीन आर्य समाज की संज्ञा है।

डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'हिंदुओं से अछूतों को अलग करने की मांग पर मुसलमानों ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी हिंदुओं की संख्या के अनुसार निश्चित न किया जाना चाहिए, वरन् सवर्ण हिंदुओं की संख्या के अनुरूप ही निश्चित होना चाहिए। उनका कहना था कि अछूत हिंदू नहीं हैं।' (बाबा साहब राइटिंग्स एंड स्पीचेस, खंड 5 पृष्ठ 7) लिखा, '1909 में मुसलमानों की ओर से आगा खां ने वायसराय मिंटो के सामने आवेदन पेश किया था- राजनीतिक संस्थाओं और सार्वजनिक सेवाओं में मुसलमानों को पृथक् और पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। 1901 में जो मर्दुमशुमारी हुई थी, उसमें मुसलमान कुल आबादी का चौथाई या पांचवां हिस्सा थे। यदि हिंदू समुदाय से अस्पर्श्य अंगों को निकाल दिया जाए, जो प्रकृति पूजक हैं या छोटे-मोटे धर्म मानने वालें हैं, वे निकाल दिए जाएं, तो बहुसंख्यक हिंदुओं के मुकाबले मुसलमानों की संख्या का अनुपात पहले से बढ़ जाता है।' (खंड 7, पृष्ठ 311-12)

ऋग्वेद में कहीं भी चार वर्ण नहीं है। शब्द ब्राह्मण का भी वर्ण के अर्थ में प्रयोग नहीं हुआ। डॉ. रामविलास शर्मा ने लिखा (भारतीय संस्कृति और हिंदी प्रदेष, पृष्ठ 53) है, 'ऋग्वेद में ब्रह्मन् शब्द बहुत बार आया है। इसका अर्थ ब्राह्मण वर्ण नहीं है। ब्रह्मन् की तरह अनेक बार ब्रह्मा का भी प्रयोग हुआ है। इसका मूल अर्थ प्रषस्तिपरक काव्य है। कवि इंद्र से कहता है, हम तेरे लिए अभूतपूर्व स्तोत्र कहते हैं। (8.90.3) ब्रह्मन् की तरह ब्रह्मा भी कवि, गायक, स्तोता हैं। वशिष्ठ इसी अर्थ में ब्रह्मन् हैं। (8.90.3) इंद्र वशिष्ठ से कहते हैं- हे वशिष्ठ, ब्राह्मन्, तू उर्वषी के मन से उत्पन्न हुआ है। (7.33.11) इन तमाम संदर्भों में स्तुति और स्तोत्र की चर्चा है। ब्राह्मणाम् का अर्थ ब्राह्मण जाति या वर्ण नहीं, कवि, ब्रह्मकार गायक है।'

राष्ट्र सर्वोपरि आस्था है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'भारत एक भौगोलिक इकाई है। इस इकाई का निर्माण प्रकृति ने किया है। यह सही है कि भारतवासी आपस में झगड़ते रहते हैं, परंतु इन झगड़ों से उस एकता का नाश नहीं हो सकता, जो प्रकृति के समान ही सनातन है। भौगोलिक एकता के साथ ही यहां सांस्कृतिक एकता भी है।' डॉ. आंबेडकर के निष्कर्ष रोमांचकारी हैं। भारत प्रकृति निर्मित राष्ट्र है। राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता प्रकृति के समान सनातन है। संविधान निर्माण के आखिरी दिन (25.11.1949) उन्होंने भावुक भाषण दिया। अंत में कहा, 'यहां मैं अपना भाषण खत्म कर देता, किंतु मेरा मस्तिष्क देश की भविष्य चिंता से परिपूर्ण है। क्या भारत अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने में कामयाब होगा? जाति और मत-मतांतर राजनीतिक पक्ष बन रहे हैं। क्या भारतीय मत-मतांतरों को राष्ट्र से श्रेष्ठ मानेंगे या राष्ट्र के मत मतांतरों से ऊपर?' डॉ. आंबेडकर की आस्था का केंद्र राष्ट्र था। हम सबको अपने भारत रत्न पर गर्व है।

सत्ता, सियासत व सनातन

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व का एक ऐसा प्रखर चेहरा बन चुके हैं कि अब इनका कोई विकल्प नजर नहीं आता। यूपी के मुख्यमंत्री के प्रशंसकों की धारणा है कि योगी जैसा कोई नहीं। यदि पूरे देश की सत्ता और सियासत भी धार्मिक, आध्यात्मिक और सनातन रंग में रंग जाए पर हिंदुत्व का सबसे बड़ा चेहरा योगी आदित्यनाथ ही बने रहेंगे। पवित्र भगवा का ओज, प्रताप, वैभव और सम्मान योगी ने इतना बढ़ा दिया है कि साधुओं और भगवाधारियों के कदम सत्ता और सियासत को फलने-फूलने का मार्ग प्रशस्त करने लगे हैं। यूपी के अगले भाजपा अध्यक्ष की दस्तक यही बता रही है।

यदि किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न ही सियासत, क्योंकि लोकतंत्र नंबर गेम पर आधारित है और कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि सांस्कृतिक विकास की धारा, राष्ट्रवादी फिजाएं, श्रीराम की भक्ति और भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

धर्म और आध्यात्म की दुनिया में भी कुछ लाइंस पंचलाइन बन जाती हैं। जैसे- 'सबका मालिक एक है'। इसी तरह अब हिंदुत्व की रक्षा-सुरक्षा और सम्मान के पैरोकारों को लगने लगा है कि देश-दुनिया में हिंदुत्व का चेहरा तो सिर्फ एक ही है। वो चेहरा है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। देश भर में योगी का विकल्प कोई नहीं। हां, ये जरूर है कि अब धर्म से लेकर सत्ता और सियासत में भगवा के भाव बढ़ रहे हैं, सम्मान और स्वीकृति भी खूब बढ़ने लगी है।

यदि साध्वी निरंजन ज्योति को भाजपा उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाती है, तो इसके निहितार्थ यही हैं कि आने वाले समय में पार्टी अपने पुराने हिंदुत्व के एजेंडे को नई धार देने जा रही है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के एजेंडे के रथ का इंजन भले ही विकास हो, पर सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा और हिंदुत्व के सम्मान के पहियों से इस रथ को दौड़ाया जाएगा। अखिलेश यादव के पीडीए वर्सेज योगी आदित्यनाथ के हिंदुत्व की लड़ाई नजर आने लगी है। सनातनियों की रक्षा-सुरक्षा के लिए यूपी से घुसपैठियों को खदेड़ने का सिलसिला तेज हो या एक साध्वी को सम्मान मिले, ये सारे संकेत बता रहे हैं और भाजपा की रणनीति भी साफ दिख रही है।

> किसी राज्य का मुख्यमंत्री एक योगी हो और पार्टी अध्यक्ष साधु, तब समझ लीजिए कि सनातन के बिना न अब सत्ता चल सकती है और न सियासत। कौन बहुसंख्यक नहीं चाहेगा कि भगवा के साए में उसका देश, समाज, परिवार और जीवन खुशहाल रहे!

कभी सवर्णों की पार्टी कहे जाने वाली भाजपा को सफलता के शीर्ष पर पहुंचाने वालों में दलितों और पिछड़ी जातियों के आलावा महिला वर्ग का भी बड़ा श्रेय जाता है। पिछड़ों और महिलाओं के इस विश्वास को आगे जारी रखने और 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव जीतने के लिए ही भाजपा ने एक तीर से तीन निशाने लगाए हैं। साध्वी निरंजन ज्योति को प्रदेश अध्यक्ष पद ना सिर्फ हिंदुत्व की धार मजबूत करेगा, बल्कि पिछड़ो को साधने और महिला सम्मान का प्रदर्शन करने में भी भाजपा राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करेगी।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद इन चर्चाओं को बल मिल गया कि भाजपा के यूपी अध्यक्ष का इंतजार अब खत्म हो गया। वह यूपी की फतेहपुर से पूर्व सांसद और मंत्री रही हैं। निषाद-जाति परिवार की साध्वी को प्रदेश अध्यक्ष बनाने के राजनीतिक निहितार्थ को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

धर्म शब्द के हैं व्यापक अर्थ

पाणिनि कृत संस्कृत व्याकरण के अनुसार धृ धारणे धातु में मन् प्रत्यय के योग से धर्म शब्द की सिद्धि होती है, जिसका अर्थ है संभालना, संरक्षित करना, स्थिर बनाए रखना आदि। धारयति इति धर्मः जो धारण करे वही धर्म है। 'धर्म' शब्द भारतीय चिंतन का अत्यंत गहन और बहुआयामी तत्व है। यह केवल किसी विशेष पूजा-पद्धति, संप्रदाय या परंपरा तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानव जीवन, समाज और विश्व-व्यवस्था को धारण करने वाला मूल तत्त्व है। इस प्रकार धर्म वह शक्ति है जो जीवन, समाज और सृष्टि के संतुलन को बनाए रखे।

जीवन, समाज, राष्ट्र, विश्व के कल्याण के लिए आचरणीय धारणीय कर्म भाव ही धर्म है। इस दृष्टि से धर्म किसी विशेष अनुष्ठान, पूजापाठ पद्धति का नाम नहीं बल्कि वह सिद्धांत है, जो व्यक्ति एवं समाज में व्यवस्था और स्थिरता प्रदान करे और परस्पर मानवों में मैत्री, करुणा, दया, प्रेम, सत्य, अहिंसा, क्षमा, न्याय, संयम, सहानुभूति आदि जो समाज को स्थिर रखते हैं। जिस प्रकार अग्नि का ताप, जल की शीतलता, वृक्ष का फल देना- यह सब उनका स्वाभाविक धर्म है, उसी प्रकार सत्य, करुणा, अहिंसा, न्याय, प्रेम, सदाचरण और कर्तव्य पालन मनुष्य का धर्म है। इन गुणों से हीन व्यक्ति मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च आदि में जाकर या किसी पूजा अनुष्ठानादि कार्यक्रम को आचरित करते हुए स्वयं को धार्मिक कहे, तो यह धर्म शब्द की व्यापक व्याख्या के प्रतिकूल ही है।भारतीय मीमांसा परंपरा धर्म को इस प्रकार परिभाषित करती है-'यतोऽभ्युदयनिःश्रेयससाधनं सः धर्मः'

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
लेखक, नैनीताल

अर्थात् धर्म वह है जो लोककल्याण और आत्मकल्याण दोनों का साधन बने।

धर्म सामाजिक जीवन को दिशा देने वाले नैतिक सिद्धांतों का समुच्चय है। सत्य, अहिंसा, दया, संयम, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठता, परस्पर सम्मान, समरसता और न्याय ये सभी धर्म के अभिन्न अंग हैं। समाज के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक आचार-विचार और व्यवहार धर्म के अंतर्गत आते हैं। यदि समाज में धर्म के मूल्य समाप्त हो जाएं तो अराजकता, हिंसा, अन्याय और अव्यवस्थाएं पैदा हो जाती हैं।

धर्म व्यक्ति के नैतिक आचरण का मार्गदर्शन भी करता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए उसके स्वभाव, कर्तव्य, स्थिति और उत्तरदायित्व के अनुरूप एक विशिष्ट 'स्वधर्म' होता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान् कृष्ण ने स्पष्ट कहा है कि अपने स्वभावानुकूल कर्तव्य का पालन करना ही धर्म का सर्वोच्च रूप है। धर्म का वास्तविक पालन बाह्य प्रदर्शन से नहीं होता, अपितु आंतरिक निष्ठा, पवित्रता, सत्यनिष्ठता और सच्चरित्र से होता है तथा अपने मूल कर्तव्य कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण एवं श्रद्धा से परिलक्षित होता है। कर्तव्यविमुखता के बढ़ते प्रभाव से आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से ऊंचे-ऊंचे धार्मिक जयघोषों के दिखावे से तो अपने संप्रदाय विशेष को धर्म मानते हुए दूसरे संप्रदाय विशेष को कमतर दिखाना सिद्ध भी प्रतीत होता है। धर्म केवल नैतिकता या सामाजिक आचार तक सीमित नहीं है। यह मानव जीवन में आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। धर्म मनुष्य को आत्मनियंत्रण, सत्य-जिज्ञासा और आत्मकल्याण की ओर प्रेरित करता है।

लोकतांत्रिक परंपरा या राजनीतिक असुरक्षा!

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिन के भारत दौरे पर थे। यूक्रेन युद्ध के बाद उनकी भारत की पहली यात्रा है। इस महत्वपूर्ण राजनयिक दौरे से ठीक पहले एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती। यह महज एक राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाता है कि क्या भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं कमजोर हो रही हैं और क्या विपक्ष को राष्ट्र का प्रतिनिधि माना जा रहा है या नहीं।

> पुतिन के दौरे पर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जो भारतीय लोकतंत्र की बुनियादी परंपराओं पर सवाल उठाता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार विदेशी नेताओं को विपक्षी नेताओं से मिलने की इजाजत नहीं देती।

राहुल गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारत में लंबे समय से यह परंपरा रही है कि जब भी कोई विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री भारत आते हैं, तो वे विपक्ष के नेता से भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि यह परंपरा अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी कायम थी। राहुल का सीधा आरोप है कि वर्तमान सरकार अपनी राजनीतिक असुरक्षा के कारण इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक परंपरा को तोड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि जब विदेशी गणमान्य व्यक्ति भारत आते हैं या जब वे खुद विदेश जाते हैं, तो सरकार उन्हें सलाह देती है कि नेता प्रतिपक्ष से नहीं मिलना चाहिए। यह आरोप किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्ष का कहना है कि यह एक नियमित नीति का हिस्सा बन गया है।

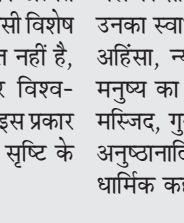

जयदेव राठी एडवोकेट
टिप्पणीकार

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाई और कहा कि यह एक स्थापित प्रोटोकॉल है कि विदेशी गणमान्य व्यक्ति नेता प्रतिपक्ष से मिलते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार की सभी नीतियां इस सिद्धांत पर आधारित हैं कि वे सब कुछ नियंत्रित करना चाहते हैं और दूसरी आवाजों को सुनना नहीं चाहते। प्रियंका ने कहा कि लोकतंत्र में विविधता और बहुलवाद की जगह होनी चाहिए, न कि एक ही स्वर का प्रभुत्व।

दूसरी ओर, सरकार और सत्तापक्ष ने इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि किसी भी विदेशी यात्रा के दौरान विदेश मंत्रालय आने वाले गणमान्य व्यक्ति के लिए सरकारी अधिकारियों और सरकारी निकायों के साथ बैठकों की व्यवस्था करता है। यह उनका काम है और यह नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार होता है। पूर्व विदेश सचिव और राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि विदेशी नेता बहुत तंग समय-सारणी पर काम करते हैं। उनके पास सीमित समय होता है और उन्हें कई महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल होना पड़ता है।

श्रृंगला ने यह भी स्पष्ट किया कि नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात को अनिवार्य बनाने वाला कोई लिखित प्रोटोकॉल नहीं है। यह पूरी तरह से अतिथि के समय, पसंद और प्राथमिकताओं पर निर्भर करता है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने राहुल गांधी के बयान को अनुचित और गलत बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान भारत को अच्छी रोशनी में प्रस्तुत नहीं करते और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को अधिक जिम्मेदारी से व्यवहार करना चाहिए।

अब सवाल यह है कि सच्चाई क्या है? भारतीय लोकतंत्र में विदेशी नेताओं से विपक्षी नेताओं की मुलाकात की परंपरा वास्तव में काफी पुरानी है। यह कोई संवैधानिक या कानूनी बाध्यता नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक मर्यादा और संसदीय शिष्टाचार से उपजी एक परंपरा है। अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में राजग सरकार ने कई मौकों पर विपक्षी नेताओं को विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से मिलने की व्यवस्था की थी।

यह उस दौर की संसदीय गरिमा और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था। वाजपेयी खुद संसदीय परंपराओं के पक्के समर्थक थे और उन्होंने हमेशा विपक्ष का सम्मान किया। 2004 से 2014 के बीच मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में भी विपक्षी नेताओं को महत्वपूर्ण विदेशी दौरों में शामिल किया जाता था और उन्हें विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिलने का अवसर दिया जाता था। इसके पीछे सोच यह थी कि विदेश नीति सिर्फ सत्तापक्ष का विषय नहीं है, बल्कि यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है जिस पर पूरे देश की सहमति होनी चाहिए। दुनिया के अधिकांश परिपक्व लोकतंत्रों में यह एक आम प्रथा है कि विदेशी राष्ट्राध्यक्ष न केवल सत्तापक्ष बल्कि विपक्षी नेताओं से भी मिलते हैं।

अपने मन को न बनने दें गलत काम करने का अभ्यस्त

ग्रीन सिग्नल मिलते ही रेल की पटरी पर ट्रेन चलने लगती है। तेज गति से चलती ट्रेन को जब कहीं रेड सिग्नल दिखाई पड़ता है तब ड्राइवर ट्रेन रोक देता है। वह समझ जाता है कि आगे कुछ दिक्कत है, इसलिए रेड सिग्नल दिया गया है। जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल नहीं मिलता तब तक वह ट्रेन आगे नहीं बढ़ाता।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मनुष्य का जीवन भी कुछ इसी तरह का होना चाहिए। यह कर्तव्य पथ पर ग्रीन सिग्नल मिलने पर आगे बढ़ता जाए, लेकिन रेड सिग्नल दिखाई पड़े तो उसे तब तक रुक जाना चाहिए जब तक पुनः ग्रीन सिग्नल न दिखने लगे। मानव जीवन का ग्रीन सिग्नल का मतलब सकारात्मक आचरण से है। जब मन में लगे कि वह सत्य तथा सदाचार पूर्वक काम कर रहा है, तो उसे करते रहना चाहिए, लेकिन मन के ड्राईवर को लगे कि कुछ गलत हो रहा है, तब उसे तत्काल ट्रेन की तरह तब तक रुक जाना चाहिए, जब तक फिर से सत् आचरण का भाव मन में न आ जाए।

मन एक ऐसा ड्राईवर है, जो गलत-सही के बारे में बताता रहता है। यह दीगर बात है कि मन के मना करने के बावजूद गलत काम करने में इंसान पीछे नहीं रहता। सच्चाई तो यह है कि गलत तरीके से काम करने में सुखद अनुभूति होती है। फिर मन गलत काम करने का अभ्यस्त हो जाता है। मन को दबाकर किए गए काम का पहला नतीजा तो यही होता है कि मन में डर समाने लगता है। लेकिन डर के बावजूद इंसान रेड सिग्नल की परवाह नहीं करता। लिहाज़ा किसी न किसी दिन गलत कामों के दुष्परिणाम सामने आने लगते है।

गलत काम करने वाले की सबसे पहले नींद गायब होती है। वह जब सोने चलता है तब दिन भर के कार्य मस्तिष्क में याद आने लगते है। ऐसा नहीं कि मन में घबराहट नहीं होती, लेकिन मन को मारकर गलत काम करने से जो सुविधा मिलती है, उससे सुखद अनुभूति मिलती है। फिर मन भी रोकना-टोकना बंद कर देता है। आदतों में गलत प्रवृत्तियां समा जाती हैं, लेकिन जिस किसी दिन गलत काम उजागर होते हैं और कानूनी झंझटों का सामना करना पड़ता है, तब पश्चाताप होता है। फिर खुद लगने लगता है कि उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। जब इंसान कानूनी कार्रवाई का शिकार होता है तो जल्दी कोई साथ नहीं देता है।

सोशल मीडिया के दौर में भरोसे की नई जंग

इंटरनेट ने सूचना की दुनिया का ताला लोगों के लिए खोल दिया है। कुछ दशक पहले तक किसी बीमारी को समझने, निवेश का फैसला करने, कानूनी सलाह लेने या बच्चे की पढ़ाई की दिशा तय करने के लिए विशेषज्ञ के पास जाना पड़ता था। आज वही जानकारी कुछ क्लिक की दूरी पर है। यह परिवर्तन जितना अद्भुत है, उतना ही जटिल भी, क्योंकि इसी आज़ादी ने ज्ञान के साथ-साथ भ्रम भी पैदा किया है। एक तरफ इंटरनेट ने सीखने, समझने और जानने की शक्ति को आम लोगों तक पहुंचाया, वहीं दूसरी तरफ उसने बिना योग्यता वाले 'डिजिटल गुरु' भी पैदा कर दिए हैं, जो लोकप्रियता और आत्मविश्वास के आधार पर ऐसी सलाह बांटते हैं, जिनका सीधा असर लोगों की सेहत, बचत, नौकरी और भविष्य पर पड़ सकता है। ठीक यहीं पर डिजिटल स्वतंत्रता और डिजिटल ज़िम्मेदारी के बीच संतुलन जरूरी हो जाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर मथुरा

दुनिया इस समस्या को गंभीरता से समझने लगी है। चीन ने नियम लागू किया कि स्वास्थ्य, वित्त, कानून और शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सलाह सिर्फ प्रमाणित और अधिकृत विशेषज्ञ ही देंगे, जिनका अनुभव और शिक्षा उसी क्षेत्र में है। इसे नियंत्रण कहकर खारिज करना आसान है, लेकिन यह कदम इस सत्य की स्वीकारोक्ति भी है कि पूरी तरह अनियंत्रित अथवा स्वतंत्र इंटरनेट नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी नहीं बनता। यह चर्चा इसलिए और महत्वपूर्ण होती जा रही है, क्योंकि भारत तेज़ी से विकसित हो रहे डिजिटल राष्ट्रों में शामिल है।

इंटरनेट कनेक्टिविटी अब आधुनिक भारत की प्रगति की रीढ़ बन चुकी है। इसका पैमाना समझने के लिए आंकड़े काफी हैं। अप्रैल–जून 2025 के बीच देश में इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या 1002.85 मिलियन को पार कर गई। यह सिर्फ तकनीकी विस्तार नहीं, बल्कि उस डिजिटल जीवन शैली का संकेत है, जो समाज के हर उम्र, हर वर्ग और हर पेशे में घुस चुकी है। TRAI के अनुसार 2024 में प्रति उपयोगकर्ता औसतन 31.4 GB डेटा प्रतिमाह खपत हुई। दुनिया में सबसे अधिक। एरिक्सन मोबिलिटी रिपोर्ट इस तस्वीर को और स्पष्ट बनाती है। भारत में प्रति व्यक्ति मासिक डेटा खपत 32 GB है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे ज़्यादा है। इसका मतलब यह है कि भारत इंटरनेट का उपयोग करने वाला देश भर नहीं, बल्कि इंटरनेट पर जीने वाला देश बनने लगा है।

यहीं से संवेदनशीलता शुरू होती है, क्योंकि जब रोज़मर्रा के फैसले इंटरनेट के हवाले हो जाएं, तो गलत जानकारी के दुष्परिणाम सामान्य नहीं रहते। महामारी के दौरान घरेलू नुस्खों के नाम पर खतरनाक उपचार वायरल हुए, सोशल मीडिया आधारित निवेश सलाहों ने भी बड़ी तादाद में लोगों को भारी नुकसान पहुंचाया। 2021–24 के बीच 'फटाफट मुनाफ़ा' जैसी रणनीतियों और अविश्वसनीय स्टॉक टिप्स के कारण निवेशकों को हज़ारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। तमाम मामले ऐसे हैं, जहां कानूनी सलाह के नाम पर भ्रामक वीडियो देखकर लोगों ने ऐसे कदम उठाए, जिनसे पुलिस और अदालतों में उनकी स्थिति और खराब हो गई, इसलिए यह समस्या व्यक्तिगत नुकसान भर नहीं, सामाजिक जोखिम बन चुकी है, क्योंकि अब गलत सलाह लाखों लोगों के व्यवहार को बदल सकती है।

नियामक संस्थाएं अब इस खतरे को समझने लगी हैं। सेबी ने फरवरी 2025 में इनफ्लुएंसर्स पर सख़्त नियम लागू करते हुए यह स्पष्ट किया कि तकनीकी निवेश सलाह सिर्फ पंजीकृत और योग्य विशेषज्ञ ही देंगे। लाइव मार्केट डेटा का उपयोग करके प्रचार या प्रलोभन देने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और रिटर्न के दावे बिना प्रमाण के पूरी तरह वर्जित कर दिए गए। ASCI ने भी इसकी पूरक घोषणा करते हुए कहा कि वित्त और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों पर सामान्य जानकारी देना सबके लिए खुला है, लेकिन सलाह देने वाले की योग्यता और पंजीकरण पारदर्शी होना चाहिए। यह अभिव्यक्ति की आज़ादी पर रोक नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा की बुनियादी शर्त है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

न्यूज ब्रीफ

कुशाग्र हत्याकांड में अखिलेश से जिरह जारी

कानपुर, अमृत विचार : कुशाग्र हत्याकांड में शनिवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की अदालत में जांच अधिकारी अखिलेश पाल की जिरह हुई। अखिलेश पाल ने अपने बयान अदालत को दर्ज कराए। समय कम होने के चलते मामले की अगली सुनवाई अब 8 दिसंबर को होगी। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि इससे पहले अखिलेश ने अपनी गवाही में बताया कि शिवा फिरौती का नोट घर ले गया था। कुशाग्र की हत्या के बाद जो स्कूटी बरामद हुई थी। उसी का इस्तेमाल फिरौती का नोट ले जाने के लिए किया गया था। 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के 10वीं के छात्र कुशाग्र की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था।

रेल मंत्री ने बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को नमन करते हुए उन्हें समानता और न्याय का मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे बोर्ड के सदस्य और अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में बाबासाहेब के योगदान संविधान निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और समानता, न्याय एवं निष्पक्षता पर आधारित उनके विचारों को याद किया गया।

मृत कर्मी के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही आश्चर्यजनक

हाईकोर्ट ने प्रदेश के शिक्षा विभाग की गंभीर प्रशासनिक चूक पर हैरानी जताते हुए की तीखी टिप्पणी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग की गंभीर प्रशासनिक चूक पर तीखी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि मृत व्यक्ति के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्यवाही शुरू किया जाना कानून और न्याय दोनों के प्रतिकूल है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से प्रश्न उठाया कि कोविड-19 महामारी के दौरान एक वर्ष पूर्व मृत सहायक शिक्षक के खिलाफ सेवा समाप्ति की प्रक्रिया किस कानूनी प्रावधान के तहत शुरू की गई। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकलपीठ ने स्वर्गीय मुकुल सक्सेना की विधवा प्रीति सक्सेना द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने शिक्षा निदेशक (बेसिक) को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया है कि 18 जुलाई 2022 को मृत कर्मचारी को बर्खास्त करने का निर्देश किस आधार पर और किन परिस्थितियों में जारी किया गया। जबकि उनकी मृत्यु मई 2021 में ही हो चुकी थी। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल न होने पर निदेशक को अगली तिथि पर कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। मामले के अनुसार याची के पति स्वर्गीय मुकुल सक्सेना प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत थे। मई 2021 में कोविड के कारण उनका निधन हो गया था। याची को पारिवारिक पेंशन नवंबर 2022 तक प्राप्त होती रही। लेकिन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, फर्रुखाबाद के पत्र के आधार पर इसे अचानक रोक दिया गया। इस पत्र में शिक्षा निदेशक द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए मृतक की सेवाओं को बर्खास्त करने का निर्देश दिया गया था। जिसके आधार पर कोषागार एवं पेंशन विभाग ने पारिवारिक पेंशन बंद कर दी।राज्य की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि नियुक्ति कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त की गई थी, इसलिए उसे प्रारंभ से ही अवैध माना गया। कोर्ट ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि रिकॉर्ड में कहीं भी ऐसा नहीं दर्शाया गया कि मृतक की नियुक्ति को अमान्य घोषित करने का कोई वैध आदेश कभी पारित किया गया हो। अंत में कोर्ट ने विभागीय आचरण को गंभीरता से लेते हुए टिप्पणी की कि यह "अत्यंत आश्चर्यजनक" है कि किसी मृत कर्मचारी के विरुद्ध विभागीय जांच और बर्खास्तगी की कार्यवाही शुरू कर दी गई। कोर्ट ने कहा कि यह स्थापित विधि है कि मृत व्यक्ति के खिलाफ न तो जांच और न ही दंडात्मक कार्यवाही प्रारंभ की जा सकती है। अब इस मामले की अगली सुनवाई आगामी 16 दिसंबर को होगी।

सीपीएफ में बने रहने वाले कर्मचारी पेंशन योजना के लाभ के हकदार नहीं : हाईकोर्ट

- आईआईटी कानपुर के कर्मचारी को जीपीएफ-पेंशन योजना का लाभ देने का निर्देश

विधि संवाददाता,प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आईआईटी, कानपुर के कर्मचारियों के जीपीएफ मामले में नियमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि जिन कर्मचारियों ने निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं उसके बाद दिए गए अवसरों पर स्वेच्छा से कॉन्ट्रिब्यूटरी प्रॉविडेंट फंड (सीपीएफ) योजना में बने रहने का विकल्प चुना है, वह अब जीपीएफ-कम-पेंशन योजना (जीपीएफ) में बदलाव का दावा नहीं कर सकते हैं। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने रामस्वरूप राजपूत और दो अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विकल्प देने के बाद कर्मचारी को उसी के परिणामों से बंधा माना जाएगा और बाद में दावा 'अधिकार आधारित' नहीं रह जाता। मामले में तीन याचियों यानी दो शिक्षक और एक केमिकल इंजीनियर ने आईआईटी, कानपुर द्वारा 16 सितंबर 2021 को संस्थान द्वारा उनके आवेदन खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। संस्थान ने सरकारी कार्यालय ज्ञापन एक मई 1987 के तहत यह व्यवस्था लागू की थी कि यदि कोई कर्मचारी 30 दिसंबर 1987 तक सीपीएफ में रहने का विकल्प नहीं देगा, तो उसे स्वत: जीपीएफ-पेंशन योजना में स्थानांतरित माना जाएगा। रिकॉर्ड का अवलोकन कर कोर्ट ने पाया कि याची संख्या एक और तीन ने न केवल नौ व 19 अक्टूबर 1987 को सीपीएफ में रहने का विकल्प दिया, बल्कि 1992 में दूसरा विकल्प भी दाखिल किया। जबकि उन्हें 15 वर्ष सेवा पूर्ण होने पर दिया गया तीसरे अवसर पर भी पेंशन योजना अपनाने का मौका मिला था, लेकिन याचियों ने इसे अस्वीकार कर दिया। अत: कोर्ट ने उनका यह तर्क स्वीकार नहीं किया कि वे 'स्वत:' जीपीएफ में माने जाएं, क्योंकि संस्थान ने समयसीमा के साथ योजना अपनाई थी और याचियों ने उसी अवधि में सीपीएफ में बने रहने का स्पष्ट विकल्प दिया था। इसके विपरीत 1990 से सेवारत याची संख्या 2 को राहत दी गई। कोर्ट ने कहा कि चूंकि वह कार्यालय ज्ञापन वर्ष 1987 के बाद नियुक्त हुआ और उसकी नियुक्ति की तिथि पर जीपीएफ-पेंशन योजना लागू थी। इसलिए उसे इस लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने माना कि ऐसे कर्मचारी पर सीपीएफ में बने रहने का विकल्प थोपना कार्यालय ज्ञापन की संरचना के विपरीत है। अत: कोर्ट ने याची संख्या 2 के मामले में देरी के दोष को संस्थान की प्रशासनिक चूक का परिणाम माना। इसलिए कोर्ट ने उसे जीपीएफ-पेंशन योजना का लाभ देने का निर्देश दिया, बशर्ते वह अपनी सीपीएफ जमा राशि को 5% साधारण ब्याज के साथ संस्थान को वापस करे। इस प्रकार याची संख्या 2 की याचिका स्वीकार की गई और याची संख्या 1 व 3 की याचिका खारिज कर दी गई।

यूटीआरसी की रिपोर्ट के बिना लंबी कैद में स्वत : रिहाई का दावा अमान्य

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जेल में लंबे समय से निरुद्ध कैदियों की स्वत: रिहाई के मामले में अहम टिप्पणी दी है। कोर्ट ने कहा कि केवल बीएनएसएस की धारा 479 के आधार पर यानी अधिक अवधि तक कारावास भुगतने के कारण स्वत: रिहाई का दावा तभी मान्य हो सकता है, जब यह प्रक्रिया अंडरट्रायल रिव्यू कमेटी (यूटीआरसी) द्वारा पूरी कर सिफारिश भेजी जाए। कोर्ट यूटीआरसी की अनिवार्य प्रक्रिया पूरी हुए बिना सीधे आरोपी को धारा 479 का लाभ देकर रिहाई का आदेश नहीं दे सकती। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की एकलपीठ ने आद्या प्रसाद तिवारी की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया। कोर्ट के समक्ष बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपी 22 सितंबर 2021 से जेल में है। आरोपी द्वारा किए गए अपराध की अधिकतम सजा 10 वर्ष है। इसलिए एक-तिहाई अवधि पूरी होने पर प्रथम अपराधी (जिसने पहली बार अपराध किया हो) होने के कारण धारा 479 के तहत रिहाई अनिवार्य है। जेल अधीक्षक की चिट्ठी का हवाला देकर कहा गया कि आरोपी ने शर्तें पूरी कर ली हैं। वहीं सीबीआई और पीड़ित पक्ष की ओर से कड़ी आपत्ति जताते हुए कोर्ट का ध्यान इस ओर आकर्षित किया गया कि धारा 479 की व्याख्या में स्पष्ट है कि जो अवधि आरोपी की वजह से कार्यवाही में विलंब होने से बीती हो उसे गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। अभियोजन के अनुसार आरोप तय होने में देरी और बाद की तारीखों पर भी कार्यवाही में रुकावट आरोपी व उसके अधिवक्ताओं के कारण हुई। कोर्ट ने माना कि धारा 479 एक लाभकारी प्रावधान है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार पहले यूटीआरसी द्वारा पात्रता की पहचान और अनुशंसा अनिवार्य है, जिसके बाद ही कोर्ट रिहाई पर विचार कर सकती है। हालांकि कोर्ट ने जमानत अर्जी को मौजूदा चरण में अस्वीकार किया, लेकिन मामले में आगे की कार्यवाही पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि न्याय के हित में यूटीआरसी इस मामले की समीक्षा कर यह अनुशंसा दे कि आरोपी को धारा 479 के तहत रिहाई दी जानी चाहिए या नहीं। समिति को आदेश की तामील के दो माह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।

व्यक्तिगत शिकायतकर्ता की अपील पोषणीय नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 23 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह द्वारा दाखिल आपराधिक अपील को खारिज कर दिया। मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की एकलपीठ ने माना कि गैंगस्टर एक्ट जैसे मामलों में पीड़ित के रूप में व्यक्तिगत शिकायतकर्ता की अपील पोषणीय नहीं है। कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत हुए अपराध पर कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि गैंगस्टर एक्ट के तहत अपराध राज्य और समाज के खिलाफ होता है, न कि व्यक्तिगत। असामाजिक गतिविधियों को रोकना राज्य का दायित्व है और कोई भी व्यक्ति राज्य के कार्य में हस्तक्षेप करने का हकदार नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर ध्यान दिया कि ट्रायल कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट मामले में 29 अगस्त 2025 को आरोपी संदीप सिंह, संजय सिंह, विनोद सिंह और सतेंद्र सिंह उर्फ बबलू को बरी कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के इस फैसले को धनंजय सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान आपराधिक अपील के माध्यम से चुनौती दी। धनंजय के अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि धनंजय सिंह इस मामले में पीड़ित हैं, क्योंकि उनके ऊपर हमला हुआ था। इस पर कोर्ट ने मामले में पीड़ित के रूप में व्यक्तिगत शिकायतकर्ता की अपील को सुनवाई योग्य नहीं माना। मामले के अनुसार लगभग 23 साल पहले अक्टूबर, 2002 में वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के नदेसर स्थित टकसाल सिनेमा हॉल के पास विधायक धनंजय सिंह की गाड़ी पर अंधाधुंध फायरिंग की गई थी, जिसमें एके-47 जैसे अत्याधुनिक हथियारों के इस्तेमाल की चर्चा हुई थी। यह वाराणसी का पहला 'ओपन शूटआउट' था। इस मामले में धनंजय सिंह ने विधायक अभय सिंह, एमएलसी विनीत सिंह सहित कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही हुई थी।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह की अपील खारिज

डीसीएम व ट्रेलर की टक्कर में दो की मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

मृतक चालक विजय शंकर पाण्डेय की फाइल फोटो।

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर भुजैनी चौराहे के समीप डीसीएम और ट्रेलर की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डीसीएम चालक और हेल्पर वाहन में ही फंस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर सीओ सदर अमित कुमार, कोतवाल पंकज कुमार पाण्डेय, कांटे चौकी प्रभारी राम वशिष्ठ तथा पुलिस बल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से हाइड्रा मंगाकर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। सभी घायल मजदूरों को संयुक्त जिला अस्पताल भेजा गया, जहां दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, डीसीएम कुशीनगर के पड़रौना से टेंट हाउस की सामग्री लेकर गोंडा में होने वाले सामूहिक विवाह समारोह के लिए जा रही थी। इसी दौरान बस्ती दिशा से टेलीफोन टावर लदा ट्रेलर आ रहा था, जो भुजैनी चौराहे के पास डीसीएम से टकरा गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने विजय शंकर पाण्डेय (38) निवासी लक्ष्मी दासपुर रोड, अयोध्या (डीसीएम चालक) और रंजीत कुमार (30) निवासी धरमपुर, बहराइच (हेल्पर) को मृत घोषित किया। वहीं, अमित कुमार (28) निवासी पुर्णिया, सकरनगंज, सीतापुर, अरुणेश (28) निवासी मिठौली, सीतापुर और राकेश (32) निवासी पंडित पुरवा, बहराइच का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। दुर्घटना में अन्य दो गंभीर रूप से घायल विकास पांडे (30) निवासी श्रवनपुर थाना कलवारी, बस्ती और अरविंद (32) निवासी मिठौली, सीतापुर को मेडिकल कॉलेज रेफर गोरखपुर कर दिया गया।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा गंभीर

कुशीनगर, अमृत विचार : जिले में हनुमानगंज थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिले के नेबुआ-पनियहवा हाईवे पर रात लगभग 11 बजे नगर पंचायत छितौनी में पेट्रोल पंप के पास रामनगर निवासी रंजन (35) व दिनकर (30) बाइक से पनियहवा की ओर जा रहे थे। छितौनी कस्बे में पेट्रोल पंप के मोड़ के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक को ठोकर मार दिया। हादसे में बाइक सवार दिनकर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रंजन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन सहित ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हनुमानगंज के थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

देवर ने गर्भवती की चाकू घोंपकर हत्या, फरार

कुशीनगर, अमृत विचार: कुशीनगर जिले के विशुनपुरा थानाा क्षेत्र के बैकुंठपुर कोठी गांव में घर में सो रही भाभी रिंकी देवी उम्र 30 वर्ष के पेट में चाकू घोंपकर देवर नंद किशोर ने शुक्रवार की आधी रात को हत्या कर दिया। घटना को अंजाम देने के आरोपी देवर मौके से फरार हो गया। घटना के पीछे की वजह पुलिस की अभी तक की जांच में अवैध संबंध सामने आया है। महिला करीब छह माह की गर्भवती थी। उसका पति नासिक में रहकर काम करता है।इस घटना की जानकारी होने पर गांव वाले दंग रह गए, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतू भेज दिया है। फरार हुए आरोपी देवर की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। देवर की अभी शादी नहीं हुई है। परिजनों के अनुसार देवर और भाभी के बीच कई बार कहासुनी हुआ था, अचानक करीब दस दिन से बातचीत नहीं हो रही थी। बातचीत नहीं होने की वजह परिवार के सदस्य भी नहीं बता रहे हैं।

निदेशक पशुपालन ने कान्हा गौशाला मगहर का निरीक्षण कर देखीं व्यवस्थाएं

- मशीन से तैयार की जा रही कंडी का नाम 'मोक्ष कन्डिका' रखने का दिया निर्देश

संतकबीरनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत मगहर स्थित कान्हा गौशाला में शनिवार को पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. एम.पी. सिंह की अगुवाई में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। निरीक्षण दल में उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग के अपर निदेशक बस्ती मंडल डॉ. जीवन लाल, संयुक्त निदेशक डॉ. अनवर आलम और उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुजीत सिंह शामिल रहे।

निरीक्षण के दौरान निदेशक डॉ. एम.पी. सिंह ने गौशाला में मौजूद नवजात बछड़े और उसकी माता को माला पहनाकर तिलक लगाया तथा गुड़ व केला खिलाया। नगर पंचायत के लिपिक संजय दूबे ने बताया कि गौशाला में मशीन द्वारा कंडियां तैयार की जाती हैं, जिनका उपयोग हवन-पूजन व दाह संस्कार में किया जाता है। इससे होने वाली आय पशुओं की देखभाल पर खर्च होती है। निदेशक ने सुझाव दिया कि दाह संस्कार में उपयोग होने वाली इस कंडी का नाम 'मोक्ष कन्डिका' रखा जाए। निरीक्षण दल ने हरे चारे की उपलब्धता, कान्हा हाउस में रखे गोवंश की स्थिति तथा मशीन द्वारा कंडी निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी ली। निदेशक ने गोवंश के पोषण में कमी न रहने देने, बीमार व कमजोर पशुओं की विशेष देखभाल, तथा नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। अपर निदेशक डॉ. जीवन लाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य गौशालाओं को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करना है। संयुक्त निदेशक डॉ. अनवर आलम ने साफ-सफाई और पानी की निरंतर उपलब्धता पर जोर दिया, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सुजीत सिंह ने दवा वितरण व टीकाकरण की बात कही।

एसआईआर अभियान को लेकर बैठक में हुई चर्चा

लखनऊ, अमृत विचार। गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के अंतर्गत शनिवार को पश्चिम विधानसभा में अभियान के संयोजक श्री प्रकाश मिश्रा के आवास पर बैठक का आयोजन हुआ। प्रखंड सआदतगंज नागरिक सुरक्षा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय वार्डन के साथ एसआईआर के संबंध में आयोजित बैठक में बचे हुए दिनों में गणना फॉर्म जल्द से जल्द जमा कराने एवं शत् प्रतिशत कार्य पूर्ण कराने पर चर्चा हुई। बैठक में राजेश मिश्रा राजन, डिप्टी डिविजनल वार्डन अजय कुमार गुप्ता, पोस्ट वार्डन राजकुमार सैनी, प्रस्तावित पोस्ट वार्डन ब्रजभान सिंह, सेक्टर वार्डन शिवरानी गुप्ता, रेखा श्रीवास्तव, रामकृष्ण निगम, अभय निगम, शशि निगम, विजय अरोड़ा, मृदुल गुप्ता उपस्थित रहे।

336 दिव्यांग बच्चों को दिए उपकरण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण वितरित करते सांसद जगदंबिका पाल।

अमृत विचार। बेसिक शिक्षा विभाग समेकित शिक्षा द्वारा आयोजित विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चो में उपकरण वितरण कार्यक्रम 2025 का आयोजन ब्लाक संसाधन केंद्र बांसी परिसर में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने 336 दिव्यांग बच्चों में ट्राई साईकिल व्हील चेयर बैसाखी ब्रेल किट सीपी चेयर कान की मशीन आदि का वितरण किया। ट्राई साइकिल और बैसाखी मिलने पर दिव्यांग खुश नजर आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि सरकार द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। दिव्यांग बच्चों के लिए कई तरह की सुविधाएं भी सरकार दे रही है।सरकार बच्चों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। इस दौरान ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सरकार दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए लगातार ट्राई साइकिलें व अन्य सहायक उपकरण प्रदान कर रही। सरकार ने तमाम योजनाएं संचालित कर रखी है जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया जागरूक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण यस आई आर के अंतर्गत सिद्धार्थनगर के विधानसभा कपिलवस्तु अंतर्गत मंडल उसका बाजार में मनखाही बूथ संख्या 464, 485,486 पर भाजपा जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान ने जनसंपर्क कर मतदाताओं से 11 दिसंबर से पूर्व मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और त्रुटियों को सुधारने के लिए आग्रह करते हुए सभी को जागरूक किया। जिलाध्यक्ष ने कहा सभी जनपद वासियों से मेरा अनुरोध है कि इस प्रक्रिया में अपना सहयोग प्रदान करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सहभागी बनें।

गाड़ियों के संचालन में रहेगा परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं. के प्लेटफार्म संख्या-03 पर इंजीनियरिंग कार्य के परिप्रेक्ष्य में ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। जिसके चलते 3 जनवरी तक 05559 रक्सौल-उधना विशेष गाड़ी, 4 जनवरी तक 05560 उधना-रक्सौल विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी। वहीं 5 जनवरी तक चलने वाली 09466 दरभंगा-अहमदाबाद विशेष गाड़ी, 2 जनवरी तक 09465 अहमदाबाद-दरभंगा विशेष गाड़ी 3 जनवरी तक 09189 मुम्बई सेंट्रल-कटिहार साप्ताहिक विशेष गाड़ी का मार्ग परिवर्तन किया जाएगा।

परिचालन में संशोधन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुविधा में उन्नयन के लिए उत्तर रेलवे के देहरादून यार्ड में लोको पिट साइडिंग कार्य एवं पुल संख्या-39, 57, 1286 एवं 1263 पर नान-इण्टरलाक कार्य के लिए ब्लाक दिये जाने के कारण पूर्व में लक्सर में शार्ट टर्मिनेशन के लिए अधिसूचित 14119 काठगोदाम-देहरादून एक्सप्रेस की तिथि में संशोधन किया गया है। यह गाड़ी अब काठगोदाम से 08, 09 एवं 10 दिसम्बर के स्थान पर संशोधित तिथि 07, 08 एवं 09 दिसम्बर को लक्सर में शार्ट टर्मिनेट होगी तथा लक्सर से देहरादून के मध्य निरस्त रहेगी।

यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

समाधान दिवस | जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन

मौके पर जाकर करें शिकायतों का निस्तारण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

तहसील समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतें सुनते डीएम व एसपी।

अमृत विचार। तहसील नौगढ़ में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन हुआ।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि भूमि से संबधित विवाद मौके पर जाकर निरीक्षण कर निस्तारण कराएं। तहसील समाधान दिवस में प्राप्त हो रही शिकायतों एवं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय से एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही शिकायतकर्ता एवं विपक्षी दोनों के समक्ष जांच कर कार्यवाही किया जाये। किसी भी विभाग का तहसील दिवस का कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं होना चाहिए। लेखपाल एवं कानूनगो मौके पर जाकर शिकायत के निस्तारण से पूर्व निरीक्षण कर उसके बाद की आख्या लगाएंगे। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के आयोजन के अवसर पर कुल 16 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत हुए जिसमें राजस्व-12, पुलिस विभाग से सम्बन्धित-04, प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत हुए। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व के 02 प्रार्थना-पत्रों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। तहसील दिवस में प्राप्त शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को तीन दिवस के अन्दर शत-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही सम्बन्धित सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीडीओ सतीश सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, तहसीलदार नौगढ़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हुमायूं कबीर का सिर काटने पर एक लाख के इनाम का एलान

संतकबीरनगर, अमृत विचार। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा सोशल मीडिया पर बाबरी मस्जिद के शिलान्यास संबंधी बयान चर्चा में है। इसको लेकर संतकबीरनगर जनपद में हिंदू संगठनों में रोष है। शनिवार को हुमायूं कबीर का सिर काटने पर इनाम का ऐलान किया गया है। इसमें 1 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई है। शनिवार की शाम में बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने खलीलाबाद शहर में शौर्य दिवस और पराक्रम दिवस के रूप में रैली निकाली। रैली में बड़ी संख्या में बजरंग दल और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बजरंग दल गोरक्ष प्रांत के जिला संयोजक सौरभ जायसवाल ने हुमायूं कबीर के बयान की निंदा करते हुए यह इनाम की घोषणा किया।

महिला खिलाड़ियों ने जीते पदक

गोरखपुर, अमृत विचार। 3 दिसम्बर से विशाखापट्टनम में आयोजित अखिल भारतीय रेलवे वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 6 दिसम्बर को पूर्वोत्तर रेलवे की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक प्राप्त किये। पूर्वोत्तर रेलवे की उषा ने 59 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक, भावना ने 69 किलो भार वर्ग में रजत पदक तथा वीरजीत कौर ने 53 किलो भार वर्ग एवं अंजली जोशी ने 86 किलो भार वर्ग में कांस्य पदक प्राप्त कर पूर्वोत्तर रेलवे को पहली बार अखिल भारतीय रेलवे वेटलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान दिलाया। पूर्वोत्तर रेलवे की महिला खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अध्यक्ष/नरसा अभय कुमार गुप्ता, महासचिव/नरसा पंकज कुमार सिंह सहायक क्रीड़ा अधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

इंडियन बैंक ने रेपो से जुड़ी उधारी दर घटाई

चेन्नई। आरबीआई के रेपो दर में की कटौती के बाद इंडियन बैंक ने अपनी रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर को 8.2 से घटाकर 7.95 प्रतिशत कर दिया है। बैंक ने कहा कि संशोधित उधारी दरें छह दिसंबर से प्रभावी हैं। रेपो से जुड़ी प्रधान उधारी दर (आरबीएलआर) में 0.25 प्रतिशत की कमी से ग्राहकों के लिए कर्ज सस्ता होगा। आवास ऋण और व्यवसाय ऋण जैसे आरबीएलआर से जुड़े कर्ज लेने वाले ग्राहकों को लाभ होगा।

अमृत विचार

लखनऊ, रविवार, 7 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भारत व अमेरिका की 10 से वार्ता होगी शुरू

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका अपने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर 10 दिसंबर से तीन दिवसीय वार्ता शुरू करेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और अमेरिका इस समय समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि तीन दिवसीय यह वार्ता 10 दिसंबर से शुरू होकर 12 दिसंबर को समाप्त होगी, और यह औपचारिक दौर की वार्ता नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) रिक स्वित्जर करेंगे। अगस्त में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाए जाने के अमेरिकी कदम के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए अमेरिकी दल दूसरी बार भारत आ रहा है। इसके पहले 16 सितंबर को एक अमेरिकी दल भारत के दौरे पर आया था।

एनएमडीसी, आईआईटी कानपुर में समझौता

नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले एनएमडीसी ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर के साथ समझौता किया, जिसके तहत यह कंपनी को साइबर सुरक्षा के क्षेत्रों में नए कदम उठाने और एआई और मशीन लर्निंग (एमएल) सहित आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने में मदद करेगा। मंत्रालय के अनुसार समझौते पर एनएमडीसी से अधिशासी निदेशक (डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन) सत्येंद्र राय और आईआईटी कानपुर से निदेशक और आर एंड डी प्रभाग के डीन प्रोफेसर अशोक डे ने संस्थान के निदेशक प्रो. मनिंद्र अग्रवाल की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

वार्नर ब्रदर्स के अधिग्रहण से मल्टीप्लेक्स चिंतित

नई दिल्ली। मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमएआई) ने शनिवार को नेटफिलक्स द्वारा वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के प्रस्तावित अधिग्रहण पर अपनी चिंता जताई और कहा कि यह भारत के सिनेमाघरों और व्यापक फिल्म उद्योग के लिए सीधी प्रतिस्पर्धा और आर्थिक खतरा पैदा करता है। एमएआई ने कहा कि दुनिया के प्रमुख स्टूडियो में से वार्नर ब्रदर्स को ऐसे स्ट्रीमिंग मंच द्वारा खरीदे जाने से, जो पहले से ही सिनेमाघरों में फिल्में रिलीज करने को महत्व नहीं देता, भारत के फिल्म उद्योग और उसकी अर्थव्यवस्था को सीधा खतरा पैदा हो सकता है।

सीमा शुल्क को सरल बनाना होगा अगला बड़ा सुधार

केंद्रीय वित्त मंत्री बोलीं - आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

सीतारमण ने की अर्थव्यवस्था के लिए उमर के प्रयासों की तारीफ

सीतारमण ने जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र को बड़ा झटका लगने के बाद भी केन्द्र शासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने का काम चल रहा है। वित्त मंत्री ने 2019 से अब तक देश की आर्थिक यात्रा के बारे में कहा कि इस दौरान एक के बाद एक वैश्विक और घरेलू चुनौतियां आईं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में चल रहे खास प्रयासों का जिक्र भी किया। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि हमें अपनी सीमाओं पर हमेशा परेशानी का सामना करना पड़ा। उमर ने शुक्रिया करते हुए कहा, अब अगला काम मैम – कृपया मुझे धन दीजिए, क्योंकि पैसा बहुत कम है! उन्होंने माना कि केन्द्र सरकार उनके प्रशासन के लिए बहुत सहयोगी रही है, भले ही इससे कुछ लोग नाराज हो जाएं। उन्होंने कहा कि मैं अपनी हर बात की जिम्मेदारी लेता हूं। अगर मैंने अपनी सरकार और राजनीति को भारत सरकार से अच्छे कामकाजी रिश्ते की तरफ मोड़ा है, तो मैं उसकी जिम्मेदारी लेता हूं और उसके नतीजे भी स्वीकार करूंगा। उन्होंने साफ किया कि केन्द्र से अच्छा रिश्ता होने का मतलब भाजपा से गठबंधन नहीं है। मैं भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हूं, उसका विरोध करता रहूंगा। लेकिन भारत सरकार के साथ जितना अच्छा काम हो सकेगा, करूंगा। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा से रिश्ते पर उमर ने कहा क ये रिश्ता अभी बन रहा है, बस इतना ही कहूंगा।

आम बजट से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सीमा शुल्क को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार एजेंडा होगा। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने आयकर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दरों को तर्कसंगत बनाने तथा सरलीकरण जैसे सुधार किए। इससे आम आदमी के हाथ में अधिक नकदी आई और उपभोग बढ़ा।

सीतारमण ने कहा कि हमें सीमा शुल्क का पूरी तरह कायापलट करना है... हमें इसे इतना सरल बनाना है कि लोगों को पालन करना बोझिल न लगे, इसकी पारदर्शिता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि आयकर में जैसी पारदर्शिता लाई गई है, वैसा ही सीमा शुल्क में भी करने की जरूरत है। प्रस्तावित सुधार व्यापक होंगे और इसमें सीमा शुल्क दरों को तर्कसंगत बनाना भी शामिल होगा। इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है, जिसके एक फरवरी को पेश होने की संभावना है। सीतारमण ने कहा कि पिछले दो साल में हमने सीमा शुल्क दरें लगातार कम की हैं। लेकिन जिन कुछ वस्तुओं पर हमारी दरें इष्टतम स्तर से ऊपर मानी जाती हैं, उन्हें भी नीचे लाना होगा। सीमा शुल्क मेरा अगला बड़ा सफाई अभियान है। इस साल के बजट में अन्य उपायों के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर सात अतिरिक्त सीमा शुल्क दरें खत्म करने का प्रस्ताव किया गया था। इससे पिछले साल (23 जुलाई 2024 के बजट भाषण में) भी सात दरें हटाई गई थीं। अब कुल आठ दर स्लैब रह गए हैं, जिनमें शून्य दर भी शामिल है। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने पर वित्त मंत्री ने कहा कि यह अपने सहज स्तर पर पहुंच जाएगा। वर्ष 2025 में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत कमजोर हुआ है। उन्होंने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत या उससे अधिक रहेगी।

चावल, गेहूं व दालें नरम चीनी मजबूत और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल की औसत कीमतों में गिरावट रही। गेहूं और दालों के दाम भी घट गये। चीनी में तेजी रही। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

- **चावल 38 तो गेहूं नौ रुपये प्रति क्विंटल हुआ सस्ता**

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 38 रुपये घटकर 3,823.09 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी नौ रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ और 2,844.45 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा आठ रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में गिरावट रही। उड़द दाल 24 रुपये और तुअर दाल 57 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। चना दाल 52 रुपये गिर गया। मसूर दाल की कीमत 54 रुपये और मूंग दाल की 15 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल औसतन 69 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। अन्य तेलों में नरमी रही। मूंगफली तेल 93 रुपये और पाम ऑयल 28 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 14 रुपये और वनस्पति की नौ रुपये घट गयी। सोया तेल में टिकाव रहा। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 11 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। चीनी भी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

ईपीसी क्षेत्र बना प्रमुख रोजगार इंजन

मुंबई, एजेंसी

2.5 करोड़ रोजगार सृजित होने की उम्मीद

- **सीआईईएल एचआर के अनुसार भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की देखी गई वृद्धि**

देश के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र में 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। एचआर समाधान प्रदाता सीआईईएल एचआर के ''ईपीसी क्षेत्र प्रतिभा अध्ययन, 2025'' के अनुसार, ईपीसी क्षेत्र देश के अग्रणी रोजगार सृजनकर्ताओं में एक है और 2020 के बाद से भर्ती मांग में 51 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस समय संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों को मिलाकर 8.5 करोड़ से अधिक लोग ईपीसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इनमें से 70–80 लाख पेशेवर देश की शीर्ष ईपीसी कंपनियों में काम करते हैं। सीआईईएल एचआर के प्रबंध निदेशक और सीईओ आदित्य नारायण मिश्रा ने कहा कि जैसे-जैसे देशभर में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है, भर्ती में भी तेजी आती रहेगी। ईपीसी क्षेत्र से 2030 तक 2.5 करोड़ से अधिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। हर साल लाखों लोग रोजगार बाजार में आते हैं और यह क्षेत्र लगातार भारत की कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा अपने भीतर समाहित करता रहेगा।

रिपोर्ट अनुसार, कृत्रिम मेधा (एआई) से ईपीसी क्षेत्र की नौकरियों को खतरा नहीं, बल्कि यह क्षेत्र की रफ्तार को बढ़ाएगा। एआई से परियोजनाओं की दक्षता बढ़ेगी, योजना और इंजीनियरिंग प्रक्रियाएं मजबूत होंगी और आपूर्ति श्रृंखला का प्रबंधन बेहतर होगा, लेकिन इससे मानव संसाधन की मांग कम नहीं होगी। मिश्रा ने कहा कि भारत का विकास मॉडल अब ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संतुलित वृद्धि पर केंद्रित है। जैसे-जैसे ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा, जनशक्ति की जरूरत और बढ़ेगी। सरकार भी इस विस्तार को तेज करने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है।

चक्रीय अर्थव्यवस्था से 20% बढ़ेगी किसानों की आय

सणादर (गुजरात), एजेंसी

- **केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने विश्वास जताया कि पांच वर्षों में दिखाई देगा असर**
- **उर्वरक संयंत्र और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास कार्यक्रम को किया संबोधित**

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विश्वास जताया कि देश भर में चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल के कार्यान्वयन से पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत वृद्धि होगी। शाह ने गुजरात के वाव-थराद जिले के सणादर गांव में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही, जो डेयरी के जैव-सीएनजी और उर्वरक संयंत्र के उद्घाटन और दूध पाउडर संयंत्र के शिलान्यास पर हुआ था।

उन्होंने इस अवसर पर बनास डेयरी से जुड़े पशुपालकों को संबोधित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सफल मॉडल को विकसित करने के लिए बनास डेयरी के प्रबंधन की सराहना की। इस मॉडल में किसानों के लिए अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के कई उपाय शामिल हैं, जैसे कि मवेशियों के गोबर को बायोगैस और जैव-उर्वरक में परिवर्तित करना। चक्रीय अर्थव्यवस्था में चीजों को इस्तेमाल करके फेंकने की बजाय उनकी मरम्मत, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग पर जोर दिया जाता है, जिससे कचरा और प्रदूषण कम होता है और संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है। शाह ने बताया कि बनास डेयरी के चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को समझने के लिए कई सांसद बनासकांठा आए हैं। उन्होंने कहा कि अब तक हमारी सहकारी डेयरियों को किसानों से दूध खरीदने और दूध उत्पादों को बेचने से होने वाली आय किसानों तक पहुंचाने में बड़ी सफलता मिली है। अब चक्रीय अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है। इसके तहत किसानों से खरीदे गए मवेशियों के गोबर से उत्पादित बायोगैस व उर्वरक बेचकर डेयरी द्वारा उत्पन्न आय में किसानों को हिस्सा मिलेगा।

मॉडल लागू करने की योजना

अमित शाह ने कहा कि पूरे देश में इस चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल को लागू करने की ठोस योजना शाम को बनासकांठा में सांसदों की बैठक में सामने आएगी। उन्होंने यह भी बताया कि जनवरी 2026 में सभी प्रमुख सहकारी डेयरियों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डेयरी द्वारा की गई पहलों को समझने के लिए बनास डेयरी का दौरा करेंगे। शाह ने कहा कि पनीर और दही जैसे सामान्य दूध उत्पादों के अलावा, ऐसे कई उत्पाद हैं जिनकी दुनिया भर में मांग है, लेकिन उनका उत्पादन भारत में नहीं होता। अगर हम इन उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें, तो डेयरी किसान अतिरिक्त आय कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए तीन और डेयरी क्षेत्र के लिए तीन सहकारी समितियां बनाई हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि चक्रीय अर्थव्यवस्था अगले पांच वर्षों में डेयरी किसानों की आय में 20 प्रतिशत की वृद्धि करेगी।

राष्ट्रीय

मस्जिद पर भाजपा-टीएमसी में वाकयुद्ध शुरू

टीएमसी पर भाजपा ने लगाया ध्रुवीकरण करने का आरोप, बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने इसे बताया निराधार

- **प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर रखी गई नींव से उपजा विवाद**

कोलकाता, एजेंसी

प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज पर एक मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूं कबीर की योजना को लेकर शनिवार को राजनीतिक घमासान मच गया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर ध्रुवीकरण का आरोप लगाया जबकि राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताकर खारिज कर दिया। टीएमसी ने कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित मालवीय ने एक्स पर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने को विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि कबीर के समर्थक कथित बाबरी मस्जिद के निर्माण के लिए ईंट ले जाते दिखे और विधायक ने दावा किया है कि उन्हें पुलिस का समर्थन प्राप्त है। मालवीय ने चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है जो उत्तर बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाला मार्ग है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी विधानसभा चुनाव से पहले सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश कर रही है। टीएमसी कबीर का इस्तेमाल चुनाव से पहले तनाव पैदा करने के लिए कर रही है।

टीएमसी ने पलटवार करते हुए कबीर पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ की मौन सहमति से जिले में शांति भंग करने के लिए उसके एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि निलंबित विधायक अशांति भड़काने के लिए विपक्षी दल भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। मुर्शिदाबाद के लोग शांतिप्रिय हैं और उकसावे का समर्थन नहीं करते। टीएमसी नेता ने भाजपा के आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

नफरत फैलाने वालों के खिलाफ लड़ेंगे : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि नफरत फैलाने वाली सांप्रदायिक शक्तियों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार देश के संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों की रक्षा करने और उन्हें मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। टीएमसी के निलंबित विधायक कबीर के बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने से पहले बनर्जी का यह बयान आया है। कबीर ने मस्जिद की आधारशिला से जुड़ा समारोह छह दिसंबर यानी आज आयोजित करने घोषणा की।

कांग्रेस ने कोलकाता में निकाली सद्भावना रैली

कोलकाता। कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने के कथित प्रयासों के खिलाफ नारे लगाते हुए 'सद्भावना रैली' के तहत कोलकाता में उसी सड़क पर स्थित एक मस्जिद से मंदिर तक एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया। पार्टी ने लोगों से छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद के दिनों को वापस न लाने का आह्वान किया। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि हम यह संदेश देना चाहते हैं कि मंदिर और मस्जिद बनाने से भूखमरी दूर नहीं होगी और लोगों को रोजगार नहीं मिलेंगे। हम हर धर्म का सम्मान करते हैं। हम लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काकर उन्हें धार्मिक पहचान के आधार पर बांटने की राजनीति के खिलाफ हैं। शुभंकर सरकार और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी इस रैली में शामिल हुए।

सीजेआई का कड़ा संदेश...उच्चतम न्यायालय आम लोगों के लिए है

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सुप्रीम कोर्ट में कुछ सुधार किए जाएंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल**

- **कहा- उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए**

सुप्रीम कोर्ट आम आदमी के लिए होने का कड़ा संदेश देते हुए प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि लंबित मामलों का निश्चित समयसीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति आधारित शीघ्र फैसला उनकी प्राथमिकता होगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक कार्यक्रम में न्याय तक पहुंच का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मुकदमेबाजी की लागत कैसे कम की जाए और मामलों के निर्णय के लिए एक उचित समय-सीमा कैसे निर्धारित की जाए। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीजेआई ने शक्तियों के पृथक्करण के संवैधानिक दर्शन का उल्लेख किया और कहा कि संविधान ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की संबंधित भूमिकाओं को परिभाषित किया है तथा यह सुनिश्चित किया कि कोई एक दूसरे के क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं करे।

सीजेआई ने कहा कि उनकी प्राथमिकता लंबित मामलों के लिए निश्चित समय-सीमा और एकीकृत राष्ट्रीय न्यायिक नीति-आधारित शीघ्र निस्तारण की होगी। मैं सभी बकाया मामलों को समाप्त करने की बात नहीं कर रहा हूं। ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि मुकदमेबाजी सतत प्रक्रिया है। मामले तो दायर किए जाएंगे, लेकिन जो पुराने मामले हैं, उनसे निपटने की जरूरत है और इसके लिए मध्यस्थता को शक्तिशाली परिवर्तनकारी उपाय के रूप में तलाशने की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आने वाले दिनों में उच्चतम न्यायालय में कुछ सुधार होंगे, जिनमें कुछ मुकदमों को प्राथमिकता देना भी शामिल है।

न्यायिक प्रणाली के सामने होंगी नई चुनौतियां

सीजेआई ने माना कि न्यायिक प्रणाली के सामने नई चुनौतियां है और उन्होंने डिजिटल अरेस्ट और साइबर अपराधों का हवाला दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मानव संसाधन के इष्टतम उपयोग और निष्पक्ष मूल्यांकन पर कहा कि संस्थान में योग्यता को मान्यता मिलनी चाहिए। उन्होंने न्यायपालिका में विविधता पर कहा कि जिस तरह से समाज विकसित हुआ और देश आगे बढ़ा है, उसमें न्यायिक प्रणाली में परिवर्तन आया है।

रिलायंस व अन्य 10 कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ईडी ने कहा- रिलायंस समूह के अधिकारियों को पता था यह 'फर्जी' बैंक गारंटी है**

ईडी ने निविदा हासिल करने के लिए 68 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़े धन शोधन के मामले में व्यवसायी अनिल अंबानी की समूह कंपनी रिलायंस पावर और 10 अन्य कंपनियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। ईडी के अनुसार, रिलायंस समूह के अधिकारियों को अच्छी तरह पता था कि यह 'फर्जी' बैंक गारंटी है।

अभियोजन पक्ष की शिकायत में नामजद अन्य आरोपियों में रिलायंस पावर के पूर्व सीएफओ (मुख्य वित्तीय अधिकारी) अशोक पाल, रिलायंस एनयू बीईएसएस, रोजा पावर सप्लाई कंपनी (रिलायंस पावर की सहायक), ओडिशा स्थित फर्जी कंपनी बिस्वाल ट्रेडलिंक, कंपनी के प्रबंधन निदेशक पी सारथी बिस्वाल, बायोथेन केमिकल्स और व्यापार वित्तपोषण सलाहकार अमर नाथ दत्ता हैं। एजेंसी के अनुसार, कुछ अन्य आरोपियों में रविंदर पाल सिंह चड्ढा, मनोज भैयासाहेब पोंगड़े और पुनीत नरेंद्र गर्ग शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया।

परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी में, पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी का चर्चा कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का नौवां संस्करण जनवरी 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए पंजीकरण 11 जनवरी तक खुले हैं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत और विदेश के छात्र, अभिभावक और शिक्षक परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को उत्सव व जीवन का अभिन्न अंग मानने को उनके साथ जुड़ेंगे। प्रतिभागियों के चयन के लिए माइजीओवी पोर्टल पर एक दिसंबर 2025 से 11 जनवरी 2026 तक बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

राहुल के खिलाफ मानहानि मामला

ठाणे की अदालत ने सुनवाई 20 दिसंबर तक के लिए की स्थगित

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की अदालत ने आरएसएस के स्वयंसेवक की ओर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई शनिवार को 20 दिसंबर तक स्थगित कर दी। अदालत ने गवाह की अनुपलब्धता पर यह निर्णय लिया।

राहुल के वकील नारायण अय्यर ने सुनवाई स्थगित किए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि गवाह अशोक सायकर व्यक्तिगत कारणों से पेश नहीं हो सके। सायकर वर्तमान में सोलापुर के बार्शी में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) हैं। सायकर की गवाही अब 29 दिसंबर को दर्ज किए जाने की संभावना है। उनकी गवाही को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि 2014 में पुलिस उपनिरीक्षक के रूप में उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-202 के तहत मानहानि मामले की शुरुआती जांच की थी।

दिल्ली की हवा फिर हुई जहरीली, एक्यूआई 330

नई दिल्ली, एजेंसी

- **40 केंद्रों में से 31 में एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज**

राष्ट्रीय राजधानी शनिवार को भी प्रदूषण की गिरफ्त में रही और वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई। दिल्ली में 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 330 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 निगरानी स्टेशनों में से 31 में शाम तक एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया और इनमें नेहरू नगर का एक्यूआई (369) सर्वाधिक था। दिल्ली में शनिवार सुबह नौ बजे एक्यूआई 335 था और 36 स्टेशन पर यह 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। सबसे अधिक एक्यूआई मुंडका (387) में रहा।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) के अनुसार, परिवहन क्षेत्र का प्रदूषण में 14.8 प्रतिशत योगदान रहा, जबकि दिल्ली और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों का 7.3 प्रतिशत, आवासीय स्रोतों का 3.6 प्रतिशत और निर्माण गतिविधियों का दो प्रतिशत योगदान रहा। एनसीआर के पड़ोसी जिलों में झज्जर का योगदान 13.9 प्रतिशत और रोहतक का 5.2% था। रविवार को एक्यूआई 279, सोमवार को 304, मंगलवार को 372, बुधवार को 342, गुरुवार को 304 और शुक्रवार को 327 रहा।

नेशनल हेराल्ड मामला

दिल्ली पुलिस ने भेजा नोटिस शिवकुमार ने बताया उत्पीड़न

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने नेशनल हेराल्ड मामले की जांच के तहत वित्तीय और लेनदेन संबंधी विवरण मांगने के लिए दिल्ली पुलिस से जारी नोटिस को उत्पीड़न करार दिया। उन्होंने कहा कि वह इसे कानूनी रूप से चुनौती देंगे।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने इस कदम की निंदा करते हुए सवाल किया कि जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुका है, तो अलग से पुलिस जांच की क्या जरूरत है। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) से जारी नोटिस में कहा गया है कि शिवकुमार के पास नेशनल हेराल्ड मामले से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी होने की संभावना है। इस साल अक्टूबर को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला दर्ज किया गया था। शिवकुमार ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत चौंकाने वाला है।

वर्ल्ड ब्रीफ

गाजा चलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा इसी महीने

दोहा। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम समझौते के अगले चरण के तहत गाजा का संचालन करने के लिए वर्ष के अंत तक एक अंतरराष्ट्रीय निकाय की घोषणा होने की संभावना है। एक अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक के मुताबिक समझौते के अनुसार, शांति बोर्ड के नाम से जाना जाने वाला और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता वाला यह निकाय दो साल के संयुक्त राष्ट्र अधिदेश के तहत गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगा। अरब अधिकारी और पश्चिमी राजनयिक ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस निकाय में पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों के लगभग एक दर्जन अन्य नेता भी शामिल होंगे।

दक्षिण अफ्रीका के हॉस्टल में फिर गोलीबारी, 11 की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया के शहर ऐटरिजविल के सॉल्सविल हॉस्टल में गोलीबारी की घटना में तीन नाबालिगों सहित 11 लोगों की मौत हो गई। यह हमला शनिवार सुबह हॉस्टल के अंदर चल रहे एक गैरकानूनी शराबखाने में हुआ। पुलिस के मुताबिक, 25 लोगों को गोली मारी गई, जिसमें चौदह लोग घायल हो गए और 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक तीन साल का लड़का, एक 12 साल का लड़का, एक 16 साल की लड़की और आठ वयस्क शामिल थे। इस हत्याकांड ने देश के शहरी हॉस्टलों में बढ़ती अराजकता से जुड़ी चिंताओं को एक बार फिर हवा दी है। हालिया घटनाओं का पैटर्न बताता है कि ये हॉस्टल ऐसा ठिकाना बन गए हैं जहां आपराधिक गिरोह बेरोकटोक काम करते हैं।

इटली को 100 जेएसएसएम मिसाइलें बेचेगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने आकाश से धरती पर मार करने वाली ज्वाइंट एयर-टू-सरफेस स्टैंडऑफ (जेएएसएसएस) मिसाइलों और उनसे संबंधित उपकरणों को इटली को बेचने पर सहमति जताई है। इस सौदे की अनुमानित लागत 30 करोड़ 10लाख अमेरिकी डॉलर है। अमेरिका की डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी (डीएससीए) ने एक बयान में कहा, स्टेट डिपार्टमेंट ने इटली सरकार को विस्तारित रेंज वाली जेएएसएसएस मिसाइलें और संबंधित उपकरण बेचने की संभावित विदेश सैन्य बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस बारे में कांग्रेस को आवश्यक सूचना भेज दी गई है। इटली सरकार ने अमेरिका से विस्तारित रेंज की 100 जेएएसएसएम मिसाइलें खरीदने का अनुरोध किया है, जिनकी लागत 30 करोड़ 10 लाख डॉलर है।

अमेरिका: घर में आग लगने से झुलसी भारतीय छात्रा की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक घर में आग लगने से गंभीर रूप से झुलसी 24 वर्षीय एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई। भारतीय मिशन की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सहजा रेड्डी उदुमाला न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं।

न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उन्हें उदुमाला के असामयिक निधन पर गहरा दुख है, जिन्होंने अल्बानी के एक घर में आग लगने की घटना में अपनी जान गंवा दी। वाणिज्य दूतावास ने कहा, इस कठिन समय में हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। दूतावास ने यह भी कहा कि वह उदुमाला के परिवार के संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। अल्बानी पुलिस विभाग ने एक बयान में बताया कि पुलिसकर्मियों और अल्बानी अग्निशमन विभाग ने चार दिसंबर की सुबह घर में लगी आग पर तुरंत कार्रवाई की।

● न्यूयॉर्क के अल्बानी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रही थीं सहजा रेड्डी

विलुप्त होने से फिर बसाए जाने तक

भारत में चीतों का एक लंबा इतिहास रहा है, खासकर मुगल सम्राटों के शासनकाल में। सम्राट अकबर के शासन में नौ से दस हजार चीते थे, जिनका वे शिकार करते थे और पालतू भी बनाते थे। शिकार और प्राकृतिक आवास की कमी की वजह से ही चीतों की संख्या में धीरे-धीरे कमी आनी शुरू हुई। 20वीं शताब्दी तक चीतों की आबादी में भारी गिरावट आई। भारत सरकार ने 1952 में आधिकारिक तौर पर एशियाई चीता को देश में विलुप्त घोषित कर दिया था। इसके 70 साल बाद, भारत सरकार ने 'प्रोजेक्ट चीता' लॉन्च किया जिसके तहत सितंबर 2022 में नामीबिया से आठ और 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया। इन चीतों को लंबे समय तक भारतीय जलवायु के साथ सामंजस्य बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। हालांकि पिछले वर्ष हुई गणना के बाद देश में 26 वयस्क चीते और उनके 13 शावक होने की पुष्टि की गई।

भारत में चीतों का कुनबा

भारत में विलुप्त होने के कारण

- मुगल और ब्रिटिश काल के दौरान बड़े पैमाने पर शिकार और उन्हें पालतू बनाने के लिए के कारण संख्या में चीतों की संख्या में भारी कमी आई।
- घास के मैदानों और खुले जंगलों का कृषि और अन्य मानवीय गतिविधियों के लिए उपयोग करने से चीतों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो गए।
- प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण चीतों के प्राथमिक शिकार जानवरों की संख्या भी कम हो गई, इससे उनके लिए भोजन की कमी हुई।

विलुप्तीकरण की घोषणा

- 1947 में छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के महाराजा रामानुज प्रताप सिंह देव द्वारा देश में बचे अंतिम तीन चीतों का शिकार करने की पुष्टि हुई थी।
- काफी समय तक कोई चीता न दिखने पर आधिकारिक तौर पर भारत सरकार की ओर से 1952 में चीतों को देश से विलुप्त घोषित कर दिया गया था।

भारत की पारिस्थितिकी में महत्व

- चीता घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष शिकारी है और कृषि को नुकसान पहुंचाने वाले हिरण और चौसिंगा का शिकार करता है।
- चीता प्रमुख प्रजाति है जिसके संरक्षण से उसके पूरे आवास घासभूमि व अर्ध शुष्क क्षेत्र और कमजोर प्रजातियों का भी संरक्षण होता है।
- चीतों की मौजूदगी से पारिस्थितिक संतुलन बहाल होता है, जिससे क्षेत्र में जैव विविधता विकसित होने का महत्वपूर्ण लाभ मिलता है।
- नामीबिया में चीतों की सबसे बड़ी आबादी है। अधिकांश चीते अफ्रीका के छह देशों में हैं। कुछ एशियाई चीते ईरान में ही बचे है।

भारत में चीतों का पुनर्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके लिए पहल की। प्रोजेक्ट चीताके तहत 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से लाए गए आठ चीते कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बसाए गए। इसके बाद 2023 में दक्षिण अफ्रीका से भी कुछ चीते लाए गए। कूनो राष्ट्रीय उद्यान के बाद गांधी सागर अभयारण्य में भी इन चीतों को बसाया गया। भारत में चीतों की आधिकारिक तौर पर नवीनतम गिनती दिसंबर 2024 में जारी की गई थी, जिसमें बताया गया था कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 26 वयस्क चीते और 13 शावक हैं।

अफ्रीकी-एशियाई चीतों में अंतर

- अफ्रीकी चीतों के आहार में विविधता होती है, वे कई तरह के शिकार करते हैं लेकिन एशियाई चीते चिंकारा, काला हिरण जैसे मध्यम शिकार पर ही निर्भर रहते हैं।
- एशियाई चीते तुलनात्मक रूप से छोटे होते हैं, लेकिन उनके शरीर पर फर मोटा और गर्दन अधिक शक्तिशाली होती है। पैर पतले होते हैं जिनकी वजह से तेज दौड़ते हैं।
- डीएनए विश्लेषण से पता चला है कि एशियाई चीते में अलग आनुवंशिक विशिष्टता है जो संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। वे जलवायु के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

भारत-रूस संबंध वैश्विक स्तर पर लंबे समय से सबसे स्थिर : जयशंकर

कहा- पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर नहीं पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत-रूस साझेदारी पिछले 70-80 वर्षों में सबसे स्थिर और अहम संबंधों में से एक रही है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा का उद्देश्य आर्थिक सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए इन संबंधों को फिर से परिभाषित करना था। जयशंकर ने इस विचार से असहमति जताई कि पुतिन की यात्रा भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ताओं को जटिल बना सकती है।

जयशंकर ने एक कार्यक्रम में पुतिन की यात्रा से अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर असर पड़ने के सवाल पर कहा, हर कोई जानता है कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ बेहतर संबंध हैं। मुझे लगता है कि किसी भी देश की ऐसी अपेक्षा उचित नहीं है कि उसे यह कहने या दखल देने का हक है कि हमारे दूसरे देशों के साथ रिश्ते कैसे हों। उन्होंने कहा, क्योंकि याद रखिए, दूसरे देश भी वही अपेक्षा कर सकते हैं। मेरा मानना है कि हमने हमेशा स्पष्ट किया है कि हमारे अनेक देशों के साथ संबंध हैं। हमारे पास अपनी पसंद की आजादी है। जयशंकर ने कहा, हम जिसे रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, उसके बारे में लगातार बात करते रहे हैं और वह जारी भी है। मुझे समझ नहीं आता कि किसी के पास इसके विपरीत अपेक्षा करने का कोई कारण क्यों होना चाहिए।

पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा पर जयशंकर ने कहा कि भारत जैसे बड़े और उभरते देश के लिए अपनी पसंद की स्वतंत्रता के अनुरूप दुनिया में अधिक से अधिक देशों के साथ बेहतर सहयोग को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, अगर आप भारत-रूस संबंधों को देखें, तो दुनिया ने पिछले 70-80 सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैंने पहले भी कहा है और मैं इसे फिर से कहूंगा कि भारत और रूस के बीच संबंध दुनिया के सबसे स्थिर और मजबूत संबंधों में से एक रहे हैं। जयशंकर ने कहा, यहां तक कि रूस के चीन, अमेरिका या यूरोप के साथ संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहे हैं। इनमें से कई देशों के साथ हमारे संबंधों में भी उतार-चढ़ाव आए हैं।

नई दिल्ली से प्रस्थान की तैयारी के बीच पुतिन से भेंट करते जयशंकर।

चीन के साथ कई मुद्दे हैं, कुछ सरल कुछ कठिन

चीन के साथ भारत के संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि नई दिल्ली ने जो मुख्य बात कही वह यह थी कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द अच्छे संबंधों के लिए पूर्व शर्त है और इसे बनाए रखा जा रहा है तथा इसे और मजबूत बनाया जा रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि संबंधों में यही एकमात्र मुद्दा था। कई अन्य मुद्दे भी थे, जिनमें से कुछ गलवान से पहले के थे। इसलिए व्यापार के मुद्दे हैं, निवेश के मुद्दे हैं, प्रतिस्पर्धा के मुद्दे हैं, सब्सिडी के मुद्दे हैं, निष्पक्षता के मुद्दे हैं, पारदर्शिता के मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, ये भी वास्तविक मुद्दे हैं। हम इनमें से कुछ को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से कुछ सरल हैं, कुछ कठिन।

व्यापार वाशिंगटन की सोच का केंद्र बिंदु, हम सामना करने को तैयार

विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि ट्रंप प्रशासन का ध्यान व्यापार पर रहा है। कहा, इस दिशा में भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है। उन्होंने कहा, इस समय व्यापार सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह स्पष्ट रूप से वाशिंगटन की सोच का केन्द्र बिन्दु है, यह पहले की सरकारों की तुलना में कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, जिसे हमने पहचाना है और हम उचित शर्तों पर इसका सामना करने के लिए तैयार हैं। मेरा मतलब है, आपमें से जो लोग सोचते हैं कि कूटनीति का मतलब किसी और को खुश करना है तो माफ कीजिए, मेरी कूटनीति की यह धारणा नहीं है। मेरे लिए कूटनीति का मतलब हमारे राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है।

- पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत की ज्यादातर समस्याएं उस देश की सेना से उत्पन्न होती हैं और उन्होंने आतंकवादी समूहों को उसके समर्थन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जैसे अच्छे आतंकवादी और बुरे आतंकवादी होते हैं, वैसे ही अच्छे सैन्य नेता भी होते हैं और कुछ इतने अच्छे नहीं भी होते।

डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को सात नव विकसित प्रौद्योगिकियां सौंपीं

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लंबे समय तक पानी में सेंसरिंग एवं निगरानी के लिए उपयोगी 'लॉन्ग लाइफ सीवाटर बैटरी सिस्टम' और तेज इंटरसेप्टर नौकाओं के लिए वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली समेत सात प्रौद्योगिकियां सशस्त्र बलों को सौंपी हैं। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये प्रौद्योगिकियां प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) योजना के तहत विकसित की गई हैं।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, डीआरडीओ ने टीडीएफ योजना के तहत विकसित सात प्रौद्योगिकियां सेना के तीनों अंगों को सौंप दी हैं। इन प्रौद्योगिकियों में हवाई आत्म सुरक्षा जैमर्स के लिए स्वदेशी उच्च-वोल्टेज विद्युत आपूर्ति, नौसेना जेटी के लिए ज्वार-कुशल गैंगवे, उन्नत अति निम्न आवृत्ति-उच्च आवृत्ति 'स्विचिंग

● प्रौद्योगिकी विकास निधि योजना के तहत की गई हैं विकसित, सेना के तीनों अंग करेंगे इस्तेमाल

मैट्रिक्स' प्रणालियां, पानी के नीचे प्लेटफार्म के लिए 'वीएलएफ लूप एरियल', तीव्र अवरोधक के लिए स्वदेशी वॉटरजेट प्रणोदन प्रणाली, प्रयुक्त लिथियम-आयन बैटरियों से 'लिथियम प्रीकर्सर' की पुनर्प्राप्ति की नई प्रक्रिया और पानी के भीतर दीर्घकालीन संवेदन एवं निगरानी अनुप्रयोगों के लिए दीर्घ समय तक काम करने में सक्षम समुद्री जल बैटरी प्रणाली शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इन सभी प्रौद्योगिकियों/उत्पादों को भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा डीआरडीओ के विशेषज्ञों एवं तीनों सेनाओं के निकट सहयोग एवं मार्गदर्शन के साथ डिजाइन, विकसित और व्यापक परीक्षणों के माध्यम से तैयार किया गया है। मंत्रालय के अनुसार यह सफलता आयात प्रतिस्थापन एवं महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास पर टीडीएफ योजना के ध्यान केंद्रित किए जाने को दर्शाती है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत की अध्यक्षता में दो दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में डीआरडीओ की उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सशस्त्र बलों, रक्षा उत्पादन विभाग और डीआरडीओ के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस दौरान इन प्रौद्योगिकियों को सशस्त्र बलों को औपचारिक रूप से सौंपा गया।

पाकिस्तान: 10 लाख डॉलर से ज्यादा की नशीली गोलियां जब्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिणी सिंध प्रांत में एक तस्कर-विरोधी अभियान में प्रशासन ने लगभग 29.98 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर) की नशीली गोलियों की एक बड़ी खेप बरामद की है। हवाई अड्डे पर बरामद नशे की इस खेप को जर्मनी से लाया गया था और स्पीकर और एलईडी लैंप के अंदर छिपाया गया था।

इजराइल से नए साल के शुरू में भारत को मिलेगी एलएमजी की पहली खेप

यरूशलम, एजेंसी

इजराइल की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने बताया कि उसकी योजना अगले साल की शुरुआत में भारत को 40,000 लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप की आपूर्ति करने की है जबकि लगभग 1,70,000 नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर से जुड़ी प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

'इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज' (आईडब्ल्यूआई) के सीईओ शुकी श्वार्ट्ज ने यह भी बताया कि उनकी कंपनी वर्तमान में भारत के गृह मंत्रालय की विभिन्न एजेंसियों के साथ मिलकर पिस्टल, राइफल और मशीन गन सहित उनके उत्पादों का विपणन कर रही है। श्वार्ट्ज ने कहा, हम अभी तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हैं। पहला, 40,000 लाइट मशीन गन का अनुबंध, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। हमने सभी परीक्षण और सरकारी जांच पूरी कर ली है तथा हमें

● नए जमाने की कार्बाइन की आपूर्ति के लिए अनुबंध भी अंतिम चरण में

उत्पादन का लाइसेंस मिल गया है। हमारा इरादा साल की शुरुआत में पहली खेप की आपूर्ति करने का है। उन्होंने कहा, एलएमजी की आपूर्ति पांच साल के लिए है। हम इसे और भी जल्दी दे सकते हैं लेकिन पहली आपूर्ति साल की शुरुआत में होगी। श्वार्ट्ज ने बताया कि दूसरे कार्यक्रम में सीक्यूबी (क्लोज क्वार्टर्स बैटल) कार्बाइन निविदा शामिल है।

उन्होंने बताया, हमारा इरादा अनुबंध का 40 प्रतिशत आपूर्ति करने का है। हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं और मेरा मानना है कि इस साल के अंत या अगले साल की शुरुआत तक इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। 'सीक्यूबी कार्बाइन' की आपूर्ति का 60 प्रतिशत 'भारत फोर्ज' करेगा जबकि शेष 40 प्रतिशत (170,000 इकाइयां) अदाणी समूह की सहायक कंपनी पीएलआर सिस्टम्स द्वारा वितरित की जाएंगी।

श्रीलंका की दित्वा से तबाही से उबरने में भी मदद करेगा भारत

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के प्रमुख कारोबारियों को भारतीय उच्चायुक्त ने चक्रवात प्रभावित द्वीपीय देश के प्रति नई दिल्ली की प्रतिक्रिया और निरंतर प्रतिबद्धता के बारे में शनिवार को जानकारी दी। भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने रीबिल्डिंग श्रीलंका फंड से जुड़े श्रीलंकाई उद्योग जगत के प्रमुख लोगों से मुलाकात की। इस आपदा के कारण शनिवार दोपहर तक 611 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारतीय उच्चायोग ने एक पोस्ट

● श्रीलंका कॉर्पोरेट दिग्गजों के साथ भारतीय राजदूत ने की बैठक

में कहा कि उद्योग जगत के प्रमुख लोगों के साथ अपनी बैठक के दौरान झा ने पुनर्वास और आपदा से उबरने के लिए आगे की राह पर चर्चा की। उन्होंने उन्हें भारत की प्रतिक्रिया और इस संकट से उबरने में श्रीलंका के साथ खड़े रहने की निरंतर प्रतिबद्धता से अवगत कराया। 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत सहायता के लिए, श्रीलंका की अंतरराष्ट्रीय अपील पर प्रतिक्रिया करने वाला भारत पहला देश है।

पाकिस्तान व अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर गोलीबारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी और अफगान बलों के बीच चमन सीमा पर भारी गोलीबारी हुई है। जिला अस्पताल में घायलों को लाया गया है लेकिन इस गोलीबारी में कोई मारा नहीं गया है।

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर देर रात बलूचिस्तान प्रांत से लगी सीमा पर गोलीबारी का आरोप लगाया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि अफगान बलों ने बदानी इलाके में मोर्टार दागे थे, अफगान तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने आरोप लगाया कि स्पिन बोल्दक पर हमला पाकिस्तान ने किया था।

सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर रूस ने बरसाए ड्रोन, मिसाइलें

कीव, एजेंसी

रूस ने शुक्रवार को पूरी रात अपना सशस्त्र सेना दिवस मना रहे यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इससे पहले, अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा था कि वे चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के वास्ते तीसरे दिन की वार्ता के लिए शनिवार को मिलेंगे।

बातचीत में युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए एक सुरक्षा तंत्र तैयार करने की दिशा में हुई प्रगति के उपरांत दोनों पक्षों ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी

● अमेरिका और यूक्रेन के बीच वार्ता होने से पहले किया बड़ा हमला

भी वास्तविक समझौते की दिशा में आगे बढ़ना अंततः इस बात पर निर्भर करेगा कि रूस दीर्घकालिक शांति के लिए कितनी गंभीरता दिखाता है। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और यूक्रेन के वार्ताकार रुस्टेम उमेरोव तथा आंद्रिय ह्नातोव की ओर से यह बयान शुक्रवार को फ्लोरिडा में हुई दूसरे दिन की बैठक के बाद आया। उन्होंने अब तक हुई प्रगति के बारे में केवल मोटे तौर पर ही कुछ बातें बताईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं कि कीव और मॉस्को युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से तैयार मध्यस्थता प्रस्ताव पर सहमत हों।

यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार सुबह बताया कि रूस ने 29 जगहों को निशाना बनाते हुए 653 ड्रोन हमले किए और 51 मिसाइल दागीं, जिसे देखते हुए पूरे देश में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई। वायु सेना ने दावा किया कि उसके बलों ने 585 ड्रोन और 30 मिसाइल मार गिराई या निष्क्रिय कर दीं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 दिसंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 06.24 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

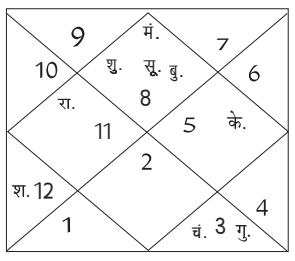

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पुनर्वसु 08 दिसंबर 04.11 तक तत्पश्चात पुष्य।

मेष - आज राजनीतिक लोगों को काफी अच्छे अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी के साथ महत्वपूर्ण चर्चाओं का आनंद लेंगे। घर का वातावरण अनुशासित और मर्यादित रहेगा। व्यवसाय में आपको बड़ी उपलब्धियां मिलने के योग बन रहे हैं।

वृष - आज तकनीकी शिक्षा ले रहे लोगों को पढ़ाई में परेशानी होगी। मनोरंजक यात्राओं का आनंद लेंगे। क्रोध व उतेजना पर नियंत्रण रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें। अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी से अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

मिथुन - आज अपने काम पर विश्वास बनाए रखें। विदेशी कंपनियों से जॉब के नए विकल्प मिल सकते हैं। कला और खेलकूद में आप अत्यधिक रुचि ले सकते हैं। जो भी काम करें उसे पूरे मनोयोग से करें। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है।

कर्क - आज पुराने रोग उभर के सामने आ सकते हैं। खांसी-जुकाम की समस्या होने की संभावना है। बदलते मौसम और ठंड से आपको बचना चाहिए। माता के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। आपको आज काफी थकाऊ यात्राएं करनी पड़ सकती हैं।

सिंह - आज परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर अत्यधिक प्रसिद्ध हो सकते हैं। आपकी दबी हुई इच्छाएं पूर्ण हो सकती हैं। सभी कार्य तीव्र गति से पूर्ण होंगे।

कन्या - आज कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं। समाजसेवा में आप अत्यधिक रुचि लेंगे। स्थाई संपत्ति में वृद्धि होगी। किसी उत्सव के लिए जा सकते हैं। वैवाहिक संबंधों में थोड़ी अनबन के बाद सब कुछ सामान्य हो जायेगा।

तुला - आज कार्यक्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा नहीं होगी। मेहनत करने के बाद ही इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी। उधार में किसी को धन न दें। जीवनसाथी के साथ कलह हो सकती है। यात्रा में काफी परेशानियां होंगी।

वृश्चिक - आज व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोत्तरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। समय रहते समस्याओं को सुलझाना अत्यन्त आवश्यक है। मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। शुगर के रोगियों को स्वास्थ्य समस्या होने की आशंका है।

धनु - आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों की मदद मिलेगी। दिल की बजाय दिमाग से काम लें। जीवनसाथी की सलाह आपके आत्मबल को बढ़ायेगी। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे। धन के मामलों में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

मकर - आज पैतृक व्यवसाय में आपको कुछ सुधार करने की आश्यकता है। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। नए लोगों के साथ आपके संपर्क बनेंगे। घर में धर्म-कर्म का वातावरण रहेगा। बिना विचार करे कोई काम न करें। में अत्यधिक परिश्रम करेंगे।

कुंभ - आज बुरे लोगों की संगत से बचें। अनावश्यक बातों को महत्व न दें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है। शंकालु स्वभाव के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अत्यधिक व्यस्तता के कारण थोड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

मीन - आज जीवनसाथी से आपकी अपेक्षाएं बढ़ सकती हैं, जो कई बार अव्यवहारिक हो सकती हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को अनजान लोगों से व्यक्त न करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

सुडोकू-183

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1			3					
7								
			2	6				
8								
				9				
						8		
	1							9

सुडोकू - 182 का हल

5	1	6	8	2	7	4	3	9
4	2	8	5	9	3	1	6	7
7	3	9	1	6	4	5	8	2
8	4	5	9	7	2	6	1	3
1	7	3	6	5	8	9	2	4
6	9	2	3	4	1	7	5	8
2	5	4	7	8	6	3	9	1
3	6	7	2	1	9	8	4	5
9	8	1	4	3	5	2	7	6

सीनियर हॉकी विश्व कप के लिए कई पहलुओं पर विचार करना होगा। हम अभी टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि शीर्ष देश वैसे भी प्रो लीग में खेल रहे हैं।

-तैयब इकराम,
अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष

स्टेडियम

लखनऊ, रविवार, 7 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कोई दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: कोहली

नई दिल्ली : भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस सीरीज में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा ईमानदारी से कहूं तो इस सीरीज में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।

मंधाना सोशल मीडिया मंच पर फिर सक्रिय

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना अपनी शादी

टलने के लगभग दो हफ्ते बाद करियर और क्रिकेट सफर पर फोकस करते हुए सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम फिर से सक्रिय हो गई हैं। सिंगर-कंपोजर पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी 23 नवंबर को होने वाली थी। उनके पिता की अचानक तबीयत खराब होने के कारण इसे टाल दिया गया है। मंधाना ने इंस्टाग्राम पर एक पेड पार्टनरशिप वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट सफर और करियर के बारे में बात की।

116* रन

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से हिसाब किया बराबर

वनडे सीरीज 2-1 से जीती, कुलदीप, कृष्णा और शतकवीर यशस्वी चमके

विशाखापत्तनम, एजेंसी

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर शृंखला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए जिससे क्विंटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट शृंखला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हद तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला में भिड़ेंगी।

जायसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विराट कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी एनगिडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था। कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़ें। द. अफ्रीका के लिए केशव महाराज विकेट लिया।

यशस्वी जायसवाल।

दक्षिण अफ्रीका

270/10 (47.5 ओवर)

क्विंटन डिकॉक बो कृष्णा	106
रिकलटन का राहुल बो अर्शदीप	00
तेम्बा बावुमा का कोहली बो जडेजा	48
मैथ्यू ब्रीट्जके पगबाधा कृष्णा	24
मार्कर का कोहली बो कृष्णा	01
ब्रेविस का रोहित बो कुलदीप	29
यानसेन का जडेजा बो कुलदीप	17
कोर्बिन बोश का एवं बो कुलदीप	09
केशव महाराज नाबाद	20
लुंगी एनगिडी पगबाधा कुलदीप	01
ओर्टनील बार्टमैन बो कृष्णा	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 8-1-36-1, हर्षित 8-2-44-0, कृष्णा 9.5-0-66-4, जडेजा 9-0-50-1, कुलदीप 10-1-41-4, तिलक 3-0-29-0

भारत

271/1 (39.5 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	116
रोहित का ब्रीट्जके बो महाराज	75
विराट कोहली नाबाद	65

गेंदबाजी : यानसन 8-1-39-0, एनगिडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, बार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

रोहित शर्मा के 20,000 रन पूरे

रोहित ने 14 ओवर में महाराज के खिलाफ एक रन चुरा 27 रन के स्कोर पर पहुंचते ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (तीनों प्रारूपों को मिला) में 20,000 रन पूरे किए। वह महान सचिन तेंदुलकर (34357), विराट कोहली (27910) और राहुल द्रविड़ (24208) के बाद ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय बल्लेबाज है।

भारत के कप्तान केएल राहुल ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा : राहुल

भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल ने कहा कि गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से शिकस्त देने के बाद केएल राहुल ने कहा मुझे नहीं लगता कि टॉस जीतने के बाद टीम जितने गर्व से मेरी ओर देख रही थी वैसा कुछ और करने पर देखती। पहले दो मैचों में हमने कठिन परिस्थितियों का सामना किया था। गीले मैदान पर गेंदबाजों को ब्रेक देना अच्छा रहा। पिच अच्छी थी और हमने गुच्छों में विकेट हासिल किया। हमें पता था कि जो टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है वह 400 भी चेज कर सकती है और लगातार विकेट गंवाकर जल्दी आउट भी हो सकती है। प्रसिद्ध ने जो 2-3 विकेट लिए वो अहम थे फिर कुलदीप ने भी विकेट निकाले। इसी तरह वनडे में आप टीमों पर दबाव बनाते हैं। डी कॉक की बल्लेबाजी शानदार रही। सबसे सुखद चीज वो रही जैसा हमने दबाव को झेला।

04 विकेट

कुलदीप यादव।

स्टार्क का बल्ले व गेंद से शानदार प्रदर्शन

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ब्रिस्बेन टेस्ट

- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाए
- दूसरी पारी में इंग्लैंड छह विकेट गवां कर संघर्षरत

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने शनिवार को बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन के बाद गेंद से भी कमाल दिखाया जिससे इंग्लैंड की टीम दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप तक दूसरी पारी में छह विकेट पर 134 रन बनाकर जूझ रही थी।

पैंतीस साल के स्टार्क ने इस दिन रात्रि मैच में 141 गेंद में 77 रन बनाए जो 2016 के बाद टेस्ट में उनका सबसे बड़ा स्कोर है। उनकी इस पारी से ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 511 रन बनाकर 177 रन की बढ़त हासिल की।

स्टंप तक इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और ऑलराउंडर विल जैक्स दोनों चार रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया को फिर से बल्लेबाजी कराने के लिए 43 रन और बनाने होंगे। स्टार्क को पर्थ में सीरीज के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की आठ विकेट से शानदार जीत में 10 विकेट लेने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था। अब वह एक और पुरस्कार की दौड़ में हैं।स्टार्क ने जो रूट (15 रन) को आउट कर इंग्लैंड का अहम विकेट झटका। इसके बाद उन्होंने अपने अगले ओवर में जेमी स्मिथ को आउट करके इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 128 रन कर दिया जिससे सीरीज में उनके विकेट की संख्या 18 पहुंच गई। स्कॉट बोलैंड और माइकल नेसर ने दो दो विकेट झटके। बोलैंड ने बेन डकेट (15 रन) और हैरी ब्रूक (15) तथा नेसर ने ओली पोप (26) और जैक क्रॉली (44) के विकेट लिए। ऑस्ट्रेलियाई टीम रविवार को जल्दी से चार विकेट झटककर पांच मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना चाहेगी।

गिल को पहले टी-20 में खेलने के लिए हरी झंडी

कटक : भारत की टी-20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है।

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनकी गर्दन में अकड़न आ गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

जर्मनी के खिलाफ गलतियों से बचना होगा भारत को

चेन्नई, एजेंसी

बेल्जियम को शूटआउट में हराकर जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम को मौजूदा और सात बार की चैंपियन जर्मनी के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में पिछली गलतियों से सबक लेकर उतरना होगा।

मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल में 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने तीन मिनट में दो गोल करके बढत बना ली थी लेकिन 59वें मिनट में बेल्जियम ने गोल करके मैच को शूटआउट में खींच दिया जिसमे गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह के उम्दा प्रदर्शन से मेजबान टीम ने 4-3 से जीत दर्ज की। पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारी पड़ सकती है और मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने भी स्वीकार किया कि प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

श्रीजेश ने मैच के बाद कहा नॉकआउट मैचों में इस तरह की गलतियां नहीं कर सकते। सबसे पहले तो गोल करने के मौके बर्बाद करने से बचना होगा और आखिरी क्षणों में गोल गंवाने की गलती से पार पाना होगा। हम खिताब से दो जीत दूर हैं और खिलाड़ियों को बखूबी पता है कि यह खिताब जीतना उनके लिए कितना जरूरी है। पिछली बार 2023 में कुआलालम्पुर में हुए जूनियर विश्व कप में जर्मनी के खिलाफ ही सेमीफाइनल में भारत को 1-4 से पराजय झेलनी पड़ी थी जब वह दर्जन भर पेनल्टी कॉर्नर में से एक पर भी गोल नहीं हो सका था। दूसरी ओर जर्मनी ने दोनों पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये थे। कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन से 1-3 से हारकर भारत चौथे स्थान पर रहा था।

इस बार राउंड रॉबिन चरण में चिली, ओमान और स्विटजरलैंड के खिलाफ भारत ने एक भी गोल नहीं गंवाते हुए सबसे ज्यादा 29 गोल दागे थे। क्वार्टर फाइनल से पहले तक गोलकीपर और डिफेंस को कोई चुनौती नहीं मिली थी और बेल्जियम के खिलाफ 13वें मिनट में भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट का पहला गोल गंवाया।

अभी काम पूरा नहीं हुआ है : कोच श्रीजेश

चेन्नई : खिताब से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व कप सेमीफाइनल से पहले मुख्य कोच पी आर श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जमीन पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिंचे क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलंपिक पदक विजेता रहे कोच श्रीजेश का कहना है कि सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्होंने भाषा से कहा बेल्जियम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फर आखिरी एक मिनट में उन्हें बराबरी का गोल करने का मौका देना, यह मुझे अच्छा नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में गोल गंवाना, शूटआउट इससे बचना चाहिए।

- सात बार के चैंपियन के खिलाफ मुकाबला आज

FIH HOCKEY MEN'S JUNIOR WORLD CUP TAMIL NADU 2025

फुटबॉल विश्व कप | 11 जून से शुरू होगा महामुकाबला, 48 देशों की टीमें लेंगी भाग, स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर रहेंगी निगाहें

अल्जीरिया के खिलाफ अभियान शुरू करेगा मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना

वॉशिंगटन, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी, मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो वाशिंगटन के केनेडी सेंटर में 2026 सॉकर वर्ल्ड कप के ड्रॉ के दौरान देशों के नाम दिखाते हुए। एजेंसी

मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना 2026 में अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में अपने खिताब बचाने के अभियान की शुरुआत अल्जीरिया के खिलाफ करेगा। जिसमें सभी की निगाहें स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी पर टिकी रहेंगी, जो रिकॉर्ड छठी बार इस टूर्नामेंट में खेलेंगे।

लगभग डेढ़ लाख की आबादी वाला कुराकाओ जनसंख्या के लिहाज से विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे छोटा देश बन गया है। उसका पहला मुकाबला चार बार के चैंपियन जर्मनी से होगा।

विश्व कप ड्रॉ के लिए आयोजित समारोह बेहद भव्य था। कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स में आयोजित समारोह में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने एक नया शांति पुरस्कार भी प्रदान किया। ट्रंप, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपने-अपने देशों के नाम लिखे प्लास्टिक के गोले उठाए। ट्रंप की तुलना में शीनबाम ने ज्यादा तालियां बटोरीं। फीफा का यह कार्यक्रम एक फुटबॉल मैच के समय के बराबर 90 मिनट तक चला जिसमें संगीत और खेल व मनोरंजन जगत के सितारे शामिल थे। असली ड्रॉ लगभग डेढ़ घंटे बाद शुरू हुआ। टॉम ब्रैडी, शैक्विल ओ नील, आरोन जज और वेन ग्रेट्ज़की जैसी हस्तियों ने इसमें हिस्सा लिया। न्यूजीलैंड का नंबर सबसे बाद में आया। तीन बार की चैंपियन अर्जेंटीना का पहला मैच 16 जून को मिसौरी के कैनसस सिटी या कैलिफ़ोर्निया के सांता क्लारा में होगा। इसके बाद ग्रुप जे में उसका सामना ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से होगा। टूर्नामेंट के दौरान 39 वर्ष के हो जाने वाले मेस्सी ने अभी तक इस टूर्नामेंट में खेलने की प्रतिबद्धता नहीं जताई है, लेकिन यदि वह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने से इन्कार कर देते हैं तो यह चौंकाने वाली बात होगी।

मेजबान अमेरिका ग्रुप डी में अपना पहला मैच 12 जून को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में पैराग्वे के खिलाफ खेलेगा। अमेरिकी टीम छह दिन बाद सिएटल में ऑस्ट्रेलिया से और फिर 25 जून को सोफी स्टेडियम में तुर्की, रोमानिया, स्लोवाकिया या कोसोवो से भिड़ेगी। मैक्सिको 11 जून को मैक्सिको सिटी में ग्रुप ए में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

इंग्लैंड ग्रुप एल में क्रोएशिया, घाना और पनामा के साथ खेलेगा। पांच बार के चैंपियन ब्राजील का पहला मुकाबला मोरक्को से होगा। इसके बाद वह ग्रुप सी में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगा। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा यह बहुत मुश्किल ग्रुप है। शीर्ष रैंकिंग वाली स्पेन की टीम ग्रुप एच में केप वर्डे, सऊदी अरब और उरुग्वे से भिड़ेगी, जबकि चार बार की चैंपियन जर्मनी का सामना ग्रुप ई में कुराकाओ, आइवरी कोस्ट और इक्वाडोर से होगा।

दो बार की चैंपियन फ्रांस की टीम 16 जून को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी या फॉक्सबोरो, मैसाचुसेट्स में सेनेगल के खिलाफ़ मुकाबला खेलेगी। इसके बाद फ्रांस ग्रुप आई में बोलीविया, इराक या सूरीनाम से भिड़ेगा। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी मेस्सी की तरह रिकॉर्ड छठे विश्व कप में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। अगर पुर्तगाल और अर्जेंटीना अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहते हैं तो रोनाल्डो और मेस्सी एरोहेड स्टेडियम में क्वार्टर फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं।

ब्राजील ने 1958 और 1962 में लगातार दो बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इटली के नाम चार और उरुग्वे के नाम दो ख़िताब हैं। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ट्रंप को एक बड़ी सुनहरे रंग की शांति पुरस्कार ट्रॉफी और नीले रिबन से लटका एक सुनहरे रंग का पदक दिया, जिसे ट्रंप ने अपने गले में लटका लिया।

न्यू जर्सी में 19 जुलाई को होगा फाइनल

विश्व कप 2026 के क्वालीफाइंग मुकाबले 27 महीने पहले शुरू हो गए थे। इस टूर्नामेंट में पांच बार के चैंपियन ब्राजील से लेकर पदार्पण करने वाले केप वर्डे, कुराकाओ, जॉर्डन और उज्बेकिस्तान सहित 48 देशों की टीम अपना कौशल दिखाएंगी। अगले साल 11 जून से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 104 मैच होंगे। विश्व कप में भाग लेने वाली 48 में से 42 टीमों का निर्धारण हो चुका है, जबकि 22 टीमें बाकी बचे छह स्थानों के लिए प्लेऑफ में खेलेंगी। इन टीमों का निर्धारण अगले साल 31 मार्च तक हो जाएगा। टीमों को 12 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार-चार टीम हैं। प्रत्येक ग्रुप से पहले दो स्थान पर रहने वाली टीम और तीसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष आठ टीम राउंड ऑफ 32 में जगह बनाएंगी। क्वार्टर फाइनल से आगे के सभी मैच अमेरिका में होंगे, जिनका समापन 19 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में होने वाले फाइनल में होगा।

अन्य ग्रुपों की स्थिति इस प्रकार है

जी : बेल्जियम, मिस्र, ईरान, न्यूजीलैंड।

बी : कनाडा, स्विट्जरलैंड, कतर और इटली, बोस्निया-हर्जेगोविना, वेल्स या उत्तरी आयरलैंड।

एफ : नीदरलैंड, जापान, ट्यूनीशिया और स्वीडन, यूक्रेन, अल्बानिया और पोलैंड।

सुरुचि ने स्वर्ण व संयम ने रजत पदक जीता

दोहा, एजेंसी

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल

सुरुचि सिंह।

प्रतिभाशाली निशानेबाज सुरुचि सिंह ने एक और शानदार प्रदर्शन हुए महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि उनकी साथी संयम ने रजत पदक हासिल किया जिससे भारत ने सत्र के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल के पहले दिन शानदार शुरुआत की।

दिन में पहले 10 मीटर राइफल निशानेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सुरुचि ने फाइनल में 245.1 का शानदार स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए दिन चमका दिया। वहीं पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने 243.3 के स्कोर के साथ देश के लिए रजत पदक पक्का किया।

दो बार की ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर फाइनल में पहुंची लेकिन 179.2 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। इस साल की शुरुआत में लगातार चार विश्व कप स्वर्ण पदक जीतने के बाद सुरुचि सितंबर-अक्टूबर में विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर थीं। वह शानदार फॉर्म में थीं और उन्होंने 586 के कुल स्कोर के साथ 12 निशानेबाजों के एलीट ग्रुप में क्वालिफिकेशन दौर में दूसरा स्थान हासिल किया। भाकर (578) छठे स्थान पर रहीं जबकि 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन संयम (573) क्वालिफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद मुश्किल से फाइनल में पहुंच पाईं। हालांकि फाइनल में 21 साल की संयम बिल्कुल अलग रंग में दिखीं। वह फाइनल के बड़े हिस्से में सबसे आगे रहीं लेकिन एलिमिनेशन दौर में चार बार 9.5 का स्कोर से शीर्ष स्थान सुरुचि को गंवा बैठीं।